

परिशिष्ट

श्री अगरचन्द नाहटा द्वारा लिखित लेखों की सूची

लेख का नाम	पत्रिका-नाम	वर्ष	अंक
अ			
अविस्मरणीय : राहुलजी	सरस्वती	76	15
अवकाश के समय का सदुपयोग	स्मारिका	76	1
आचार्य तरुणप्रभ की जिनकुशल सूरि चहुत्तरी	स्मारिका	1965 जुलाई	31
अधूरी भावना	स्मारिका	79	
असीरियन एवं संस्कृत	राज भारती	1964	2
अपरिग्रह : विश्व शांति का अमोघ उपाय	वसुमती	1	2/3
अंजना सुन्दरी रास का रचनाकाल	जैन सि. भास्कर	31	2
अनेकान्त : आत्म-शान्ति व विश्व-शान्ति के सन्दर्भ में	श्रमणोपासक	15	5
अहिंसा की पहली कसौटी : अपना परिवार	श्रमणोपासक	18	6
अभय सन्देश : भगवान महावीर की अभयमूल साधना	श्रमणोपासक	18	1
अग्रवाल जाति और हायमा	जैन साहित्य	18	1
आत्मिक शक्ति का विकास अति आवश्यक	जैन जगत	1	8
अग्रवाल जैन जाति के इतिहास की आवश्यकता	अनेकान्त	30	2
अन्तिम केवली और मोक्षगामी	सुधर्मा	21	6
अपना काम स्वयं करिए	सुधार बिन्दु	22	7
अपने दोषों तथा भूलों को सदा ध्यान में रखें	जीवन दर्शन	8	4
अग्रवाल जन्मोत्पत्ति तथा जैन धर्म	स्मारिका	19	80

अग्नि से निदान की हिन्दी टीका	राष्ट्रभाषा		
अहिंसा बनाम प्रेम के लक्षण	जैन जगत	10	1-2
अर्जुन माली	कथा लोक	3	5
अहिंसा	युवा स्तम्भ	1	10
अभिनन्दनीय समाजरत्न : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी	राजस्थानी वीर	30	6
अचलदास खीची और उनकी मेवाड़ी रूणेची			
रानी का प्राचीन गीत	रंगयोग	4	4
अपनी कमियों और भूलों पर विशेष ध्यान दीजिए	शान्ति सन्देश	12	7
अपने दोषों का अवलोकन एवं संशोधन करें	श्री अमर भारती	13	9
अहिंसा : एक महान् शक्ति	जैन सिद्धान्त	15	8
अमर चन्द्रिका टीका सम्बन्धी कतिपय संशोधन	ब्रज भारती	25	2
अनिवार्यता एवं अत्यावश्यकता	वल्लभ सन्देश	7	7
अहिंसा प्रचार : आवश्यक कर्तव्य	श्री अमर भारती	18	4-5
अज्ञात हिन्दी जैन कवि टेकचन्द्र व उनकी रचनाएं	अनेकान्त	15	2
अजीमगंज भंडार का रजताक्षरी कल्पसूत्र	अनेकान्त	17	4
अनाथी स्तवन के रचयिता रामविजय हैं	अनेकान्त	8	2
अज्ञात संत कवि जीवनदास की चार रचनाएं	बलदेव वन्दना	20	19
अनोखी सूझ	वीरवाणी	29	17
अमीर खुसरो रा ढकोसला	कुरजां	2	3-2
अभय बनिये और सबको अभय बनाइए	जैन प्रकाश	50	1
अक्षय तृतीया	जैन प्रकाश	70	12
अग्रवाल जाति और हरियाणा	जैन प्रकाश	70	18
अकबर प्रतिबोधक युगप्रधान श्री चन्द्रसूरि	स्मारिका	8 फर. 1975	
अपभ्रंश चित्रकला का पांडव चरित्र	कल्पना	5	4
अलख देश में वास हमारा	शान्ति ज्योति	1	13
अवकाश के समय का सदुपयोग	जीवन साहित्य	21	8
अनेक सिद्धियों के स्वामी शान्तिमूर्ति			
योगीराज श्री विजयशान्तिसूरिजी	शान्ति ज्योति	1	22
अजमेर में सामायिक पाठ की भावार्थ सूची टीका	जैन दर्शन	25	13
अष्टलक्ष्मी में उल्लिखित जयसुंदर सूरि की			
शतार्थी की खोज आवश्यक	श्रमण	18	12
अपने सभी काम नियत समय से ही करिये	सेवा समाज	17	23-24
अनुभव-सूत्रों का मनोविज्ञान	जन कल्याण	-	-
अपने अनुभव को पहचानिये	अमर नियुक्ति	सित. 1965	-
अहिंसा बनाम प्रेम	अहिंसा विरोध		
अध्यात्म योगी श्रीमद् देवचन्द्रजी	कुशल निर्देश	7	9
अनेकान्त (सम्बोधिका)	स्मारिका	19	71
अपव्यय एवं दुरुपयोग रोकिये	अणुव्रत स्मारिका	9	4
श्री सूर्याचार्य पार्श्वनाथ कल्प और स्तवन संग्रह		21	10
अप्रकाशित आगमिक साहित्य	तुलसी प्रज्ञा	6	12

अट्टारहवीं शताब्दी की एक पंजाबी जैन रचना—

जिन भक्तिसूरि सिंह चलो छंद	पंजाब सौरभ	2	11
अस्वाद व्रत भी तप है	श्रमण	12	12
अनन्तदास रचित धन्ना की परची	बलदेव वन्दना	-	-
अहिंसा और अपरिग्रह	धर्म ज्योति	8	12
असंग्रह का भाव	विश्व धर्म	1	20
अनावश्यक पाप प्रवृत्तियों से बचिए	विजयानन्द	20	4
अमरसर मण्डण नती जिनकुशल सूरि गीत	शाला पत्रिका	1969	70
अमरसर का शीतलनाथ मन्दिर और जिनकुशल	शाला पत्रिका		
सूरि को धुम्म	अमरसर	1969	70
अकबर प्रति बोधक युग प्रधान श्री जिनचन्द्रसूरि	स्मारिका	1973	-
अजमेर के चौहान राजाओं का जैनाचार्यों से संबंध	जन मन	1	1
अभय कुशल रो भरतरी सतक	मरु वाणी	5	2
अज्ञात कवि श्रीधर और उनकी रचनाएं	सप्त सिंधु	16	2
आसाम प्रान्त के जैन मंदिर	ओसवाल	9	3
अनुभव हुलास	नवयुवक उपकार	2	3
अपने सभी काम नियत समय पर करो	ओसवाल हितैषी	6	3
अक्षरों का सेतु : कृतियों की प्रतिक्रिया	पत्रिका	6	6-7
अजबुक बरि और मीरा बाई	कर्मठ राजस्थान	2	7-8
अपना भीतरी कचरा साफ करें	कल्प वृक्ष	35	4
अपभ्रंश भाषा के कतिपय अन्य जैन ग्रन्थ	नागरी प्रचारिणी	52	3
अवड़ चरित्र	मरु भारती	11	1
अहिंसा सिद्धान्त का विश्वव्यापी प्रचार	अहिंसा पथ	1	1
अहिंसा का अन्तर्मुख	अहिंसा पथ	6	7
अपने दोषों व अपनी भूलों को हम सदा ध्यान रखें	उषा	1971 नवम्बर	25
अभिनन्दन नाथ व श्री सुमति संबंधी ज्ञातव्य बातें	अहिंसा वाणी	14	1-2
ओसवाल जाति का प्रथम हिन्दी कवि : साधरू			
अग्रवाल जैन इतिहास के संबंध में			
बिहारीलाल जैन की मंत्रणा	अग्रपथ	8	1-2
अदत्तादान व्रत का माहात्म्य	कुशल निर्देश	13	7
अपरिग्रह व्रत की उत्कृष्टता	कुशल निर्देश	15	11
अकबर प्रतिबोधक युग प्रधान श्री जिन चन्द्रसूरि	श्वे.संघ सिवाना स्मारिका		
अट्टारहवीं शताब्दी का चित्तौड़ और उदयपुर वर्णन	राजस्थान भारती	18	2
असंग्रह का भाव	विश्व धर्म	1	10
अमीचन्द्र अजमेर रचित लीलावती गणित भाषा	वीरवाणी	28	12
अहिंसा प्रचार कैसे करें?	हिंसा विरोध	12	10
अर्जुन माली	जीवन साहित्य	7	11-12
अमीर खुसरो : हिन्दुस्तान और हिन्दी की प्रशंसा	राष्ट्र भारती	7	9
अज्ञात ग्रंथ परिचय	साहित्य संदेश	19	4
अवहट (पिंगल)	साहित्य संदेश	18	3

अग्निवेश निदान की हिन्दी टीका	राष्ट्र भारती	11	3
अष्टलक्ष्मी में उल्लिखित उपाय रचनाएं	श्रमण	18	7
अपभ्रंश भाषा का वीर जिणैसर पारणा	शीलन पत्रिका	3	2
अनेक विशेषताओं के धनी उपाध्याय : महेन्द्रकुमारजी	तेरापंथ	1949 मई	
अनूप संस्कृत लाईब्रेरी का संक्षिप्त परिचय	देश बंधु	1	10
अखलाक अलमो हसनी	मरु वाणी	4	3
अपने दोषों और गुणों की पहचान	अणुव्रत	12	8
अजमेर ना चौहान राजाओं साथे जैनाचार्य संबंध	जैन सत्य प्रकाश	21	6-7
अपव्यय एवं दुरुपयोग रोकिए	कल्याण पत्रिका	52	10
अपने सभी काम नियत समय पर कीजिए	कल्याण पत्रिका	39	8
अपने दोषों तथा भूलों का हम सदा ध्यान रखें	कल्याण पत्रिका	36	8
आत्म कल्याण का महान सूत्र भूल जाओ	कल्याण	47	6
अनूप लाईब्रेरी में तुलसी की रचनाओं की प्रतियां	तुलसीदास	7	1
अभय बनिए : अभय की उपासना	कल्याण	38	10
अपने दोषों का स्वीकार एवं संशोधन	धर्म ज्योति	मई 8. 1993	
अपने को पहचानने में ही जीवन की सार्थकता	चरित्र निर्माण	6	3
अकबर प्रतिबोधक युगप्रधान दादा श्री जिनचंद्रसूरि	कुशल संदेश	1	6
अलख देश में वास हमारा	जिन वाणी	9	2
अहिंसा सजनों तपो	जिन वाणी	14	12
अहिंसा एक महान शान्ति	जिन वाणी	16	10
अनावश्यक पाप प्रवृत्तियों से बचिए	जिन वाणी	4	9
अशोक राहजी कथा संबंधी जैन साहित्य	वीर वाणी	4	18
अलख देश में वास हमारा	वीर वाणी	7	24
अमरसर बीकानेर में भूगर्भ से जिन			
प्रतिमाओं की प्राप्ति	जैन सत्य प्रकाश	22	2
अरावली पार्श्वनाथ तीर्थ	जैन सत्य प्रकाश	19	9
अगड़दत्त चरित्र संबंधी चार अन्य रास	जैन सत्य प्रकाश	13	4
आचार्य जिनचन्द्र सूरि और सम्राट अकबर	जैन सत्य प्रकाश	3	2-3
18 वर्ष संबंध अर और एक पंथ	जैन सत्य प्रकाश	14	2
ऊमादे भटियानी का एक प्राचीन लोकगीत	अजन्ता	7	2
अन्यत्र अप्रकाशित अजित प्रभु चरित्र	अनेकान्त	10	9
अज्ञात हिन्दी जैन कवि टेकचन्द और उनकी रचनाएँ	अनेकान्त	15	2
अध्यात्म बत्तीसी	अनेकान्त	21	4
अनेक स्थाननाम गर्भित भगवान पार्श्वनाथ के स्तवन	अनेकान्त	22	6
असती का परिणाम	कुशल निर्देश	6	12
अपभ्रंश साहित्य की नवीन जानकारी			
प्रकाश में लाना आवश्यक	अहिंसा वाणी	9	12
अहिंसा का अन्तर्मुख	अहिंसा वाणी	2	9
अपने दोषों का स्वीकार एवं संशोधन	अणुव्रत	दिस.66	27
अभय की उपासना	अहिंसा वाणी	20	3

आत्मानुभूति	कुशल निर्देश	5	3
अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष में साध्वियों की ओर			
विशेष ध्यान दिया जाएगा	जिन वाणी	32	10-4
अपने को शक्तिशाली बनाइए	अखण्ड ज्योति	15	5
अनैतिकता का कारण एवं निवारण	जीवन यज्ञ	1	13
आशुतोष म्यूजियम में नागौर का एक			
सचित्र विज्ञापित पत्र	श्रमण	24	4
अहिंसक की पहली कसौटी	जीवन साहित्य	मई 1982	
अमरसेन वयरसेन कथा	मरु भारती	17	2
अट्टारहवीं शताब्दी का एक राजस्थानी			
जैन कृष्ण काव्य	मरु भारती	15	3
अष्टलक्ष्मी में उल्लिखित सशक्त कथाकार	श्रमण	18	7
अहिंसा की पहली कसौटी	श्रमणोपासक	5	6
अहिंसक की पहली कसौटी	श्रमणोपासक	18	4
अनेकान्त विश्व शांति के संदर्भ में	श्रमणोपासक	3	12
18 नाता एक विचित्र प्रसंग	शाश्वत धर्म	7	12
18वीं सदी का महत्त्वपूर्ण पर्युषण पर्व लेख	मरु भारती	27	3
आजानी कोटून स्थान नो निर्णय	स्वाध्याय	10	1
आवश्यकताओं को कम करो	सम्मति वाणी	1	10
आत्मीयता का विचार	सम्मति वाणी	1	12
आत्मोन्नति और अनुभूतियों का प्रधान साधन	सम्मति वाणी	2	7
अजब कुंवरी और मीराबाई	शोध पत्रिका	14	2
अड़सठ तीर्थों की विविध नामावली	शोध पत्रिका	15	1
अक्षर बत्तीसी के रचयिता, रचनाकाल और शुद्ध पाठ	शोध पत्रिका	20	3
अग्रवाल जैन जाति के इतिहास की आवश्यकता	अनेकान्त	30	2
अजितदेव सूरि कृत चन्दनबाला वेलि	जैन सन्देश	28	14
अनुभव प्रकाश के रचयिता दीपक कवि गुणावली			
चौपाई के कर्त्ता से भिन्न हैं	साहित्य संदेश	25	50
अमर चन्द्रिका टीका की रचना के प्रेरक कौन	साहित्य संदेश	28	10
अज्ञात कवि श्रीधर और उनकी रचनाएँ	सप्त सिन्धु	15	2
अनूप संस्कृत लाइब्रेरी के प्राचीन ग्रन्थ	सम्मेलन पत्रिका	38	4
अवहर पिंगल	साहित्य संदेश	18	3
अज्ञात ग्रंथ परिचय	साहित्य संदेश	19	4
अध्यात्म योगी श्रीमद् देवचन्दजी	कुशल निर्देश	7	8
अकल कला खेले नर ज्ञानी स्वरूप पार्थ श्रीरामचंद्र	कुशल निर्देश	9	3
अक्षरों का सेतु	ज्ञान पीठ पत्रिका	5	2
अक्षरों का सेतु कृतियों की प्रतिक्रिया	ज्ञान पीठ पत्रिका	3	5
अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ कल्प के प्रति क्रिया	कुशल निर्देश	9	8
अपभ्रंश भाषा का धीर जीणैसर	हिन्दी अनु.	3	2
अज्ञात कवि कृत नेमीनाथफरण्य : फागु पाठ			
अन्य ज्ञातव्य	हिन्दी अनु.	19	2

अनोखी आन	कुशल निर्देश	3	11
अज्ञात कवि नेमीचन्द्र फागु का पक्ष अन्य ज्ञातव्य	हिन्दी अनु.	19	2
अहन्नक	कुशल निर्देश	10	1
अपभ्रंश भाषा का संधि काव्य	परिषद पत्रिका	4	3
अखण्ड ज्ञानोपासक आगम प्रभाकर			
मुनि श्री पुण्य विजय	राष्ट्रीय वीणा	21	9
अट्टारह भाषा विवेक का विवरण	वरदा	11	2
अष्ट भाषा में गबालेरी	भारती	3	11
अमरसर शेखावटी संबंधी 17वीं सदी के जैन उल्लेख	वरदा	12	3
अपभ्रंश भाषा के संधि काव्य और उनकी परम्परा	राज. भारती		1
अवन्तिका के कवि गुलाब खां रचित सुखसागर ग्रंथ	विजयानन्द	7	22
अखयराज श्रीमाल के कतिपय अन्य ग्रन्थ	वीर वाणी	3	13
अबंड चरित्र	मरु भारती	11	1
अकबर के चित्तौड़ युद्ध का एक गुजराती कवि का वर्णन	मरु भारती	6	1
अपभ्रंश भाषा के कतिपय अन्य दिग्गमर जैन ग्रंथ	नागरी प्रचारणी	52	3
अनुवाद की परम्परा	प्रेरणा	11	2-2
अलंकार विषयक जैन ग्रंथों का संक्षिप्त विवरण	जैन भारती	1	6
अहिंसा बनाम प्रेम के लक्षण	जैन भगत	10	1-2
अंधेर नगरी अणबूझ राजा	जैन जगत	10	3
अध्यात्म योगी आचार्य श्री बुद्धिसागरजी	जैन जगत	8	5
अप्रकाशित मंत्र के पाठ भेद की चर्चा	वीरवाणी	17	21
अहिंसा व नाम प्रेम	हिंसा विरोधी	10	12
अहमदाबाद के संघ से	जैन	46	28
आत्मानुभवी संत प्रवर पूज्य सहजानंदधनजी	शान्ति ज्योति	1	24
अहिंसा प्रचार का सरल एवं उत्तम तरीका	जैन भारती	11	3
अक्षय तृतीया महापर्व	जैन भारती	11	17
अपना भीतरी कचरा साफ करें	विशाल भारत	3	25-26
अनेकान्त सिद्धान्त व जैन समाज	जैन मित्र	72	18
अगली महावीर जयन्ती को हम कुछ ठोस निर्णय लें	जैन मित्र	-	-
अनन्त चतुर्दशी व्रत माहात्म्य जैन और जैनेतर दृष्टि से	जैन सिद्धान्त	17	29
अखेराम रचित गुण हर नाममाला	प्रेरणा	14	26
अप्रकाशित जैन शोध प्रबंधों का शोध प्रकाशन	जैन सन्देश	1	2
अजमेर में सामायिक पाठ की भावार्थ सूची की टीका	जैन दर्शन	25	13
अहिच्छत्र पार्श्वनाथ तीर्थ	रजत हिन्दी	3	1
अहिंसक की पहली कसौटी : अपना घर-परिवार	जैन सन्देश	46	10-11
अहिंसक समाज रचना में भगवान महावीर के श्रमणी समाज को योगदान	महासमुद्र	3	35
अध्यात्म छत्तीसी	जैन प्रकाश	75	5
अमात्य तैतली पुत्र	कथा लोक	21	3

आ

आराम शोभा कथा और तत्त्व संबंधी राजस्थानी काव्य मरु भारती	28	2
आनन्द राम कायस्थ भटनागर हिसारी		
कृत वचन विनोद	सप्त सिन्धु	23 2
आत्म-शुद्धि का पर्व	श्री अमर भारती	15 8
आध्यात्मिकता का प्रारम्भ और अन्त—अहिंसा	शाश्वत धर्म	26 8
आनन्दधनजी के महावीर स्तवन संबंधी ज्ञातव्य	महावीर निर्वाण	
आत्म निरीक्षण कीजिए	जीवन दर्शन	9 3
आध्यात्मिक उन्नति के लिए आवश्यक निस्पृहता	जीवन दर्शन	8 12
आध्यात्मिक साधना के त्रिदोष	सुधर्मा	6 8-9
आमड शाह	कुशल निर्देश	09 7
आचार्य नरचन्द्रसूरि रचित पाँच ज्योतिष ग्रंथ	जैन सिद्धान्त	35 2
आचार्य मुनि और साध्वी समाज आत्म निरीक्षण करें	शाश्वत धर्म	26 1
आत्म-विशुद्धि और ज्ञान का प्रकाश	जैन श्री	25 9-10
आध्यात्मिक बत्तीसी	अनेकान्त	21 4
आचार्यश्री के 3 जीवन मंत्र	सुमुनांजली	
आचार्यश्री की हिन्दी को देन	अणु वीक्षक	1 38-39
आचार्यश्री तुलसी की कतिपय विशेषताएं	अणु वीक्षक	
आत्मिक शक्ति का विकास आवश्यक है	युग साधना	3 13
आज की महती आवश्यकता आत्म निरीक्षण	वल्लभ संदेश	5 7
आचार्य श्री विजयानंद सूरिजी और उनकी साहित्य सेवा	वल्लभ संदेश	10 6
आगरा के कवि मलूकचन्द रचित कुविजा पचीसी	साहि. संदेश	30 8
आत्मोत्थान का प्रथम सोपान सरलता	अहिंसा वाणी	16 8
आवश्यकताएं घटाएं	विजयानन्द	26 5
आनन्दधन ग्रन्थावली	जैन साप्ता.	13 32
आचार्यश्री की आगम सेवा	श्रमण	13 5
आर्य रक्षित और आर्यानन्दिल	कुशल निर्देश	7 9
आसाम की सभ्यता और संस्कृति	कुशल निर्देश	9 2
आगामी प्रथम तीर्थंकर पद्मनाभ का मन्दिर	कुशल निर्देश	9 9
आप निन्दा करते हैं, किसकी?	तीर्थंकर	21 10
आर्या पार्वतीजी और उनकी रचनाएँ	सुधर्मा	21 10
आत्मविकास के लिए	विजयानंद	25 11
आखलाक अलमो हसनी का राजस्थानी अनुवाद	मरु वाणी	4 3
आचार्य बृहस्पति : एक महान व्यक्तित्व	संगीत	46 7
आज भारत के प्रचलित सन्तति निरोध के भावी दुष्परिणाम पर वक्तव्य	सिद्धान्त	28 9-10
आनन्द राम कायस्थ भटनागर हिसारी कृत वचन विनोद	सप्त सिन्धु	2 23

आत्मलोचना का महापर्व पर्युषण	प्रेरणा स्मा.	1975	75
ओसवाल वंश का उत्पत्ति स्थान-ओसियां	ओस. समाचार	3	1
आचारांग के अमृत बिन्दु	आत्म रश्मि	7	7
आनन्दघनजी संबंधी एक विचारणा	कल्याण	16	12
आत्मदर्शन नु एक महापर्व	आत्मानन्द प्रकाश	70	12
आगरा के पंडित मन्नूलाल कृत रेखता रामायण	समालोचक	1	3
आठ प्रान्तीय भाषाओं के सवैये	राज. भारती	3	34
आभाणक रत्नाकर द्वितीय खण्ड	मरु भारती	13	2
आचार्य कालक कथा की लघु पुनरावृत्ति	मणि भद्र	2059	24
आचार्य समन्तभद्र के लोक कल्प के खोज की आवश्यकता	वीर वाणी	32	3
आत्मोन्नति के प्रधान साधन	चरित्र निर्माण	3	89
आध्यात्मिक साधना के बाधक त्रिदोष	लोक जीवन	1	7
आगमगच्छीय आचार्य परम्परा की नामावली	जैन सत्य प्रकाश	6	4
आत्म-निरीक्षण	शान्ति संदेश	2	4
आपके अवकाश का समय	ऊषा	10	6
अगडदत्त चरित्र संबंधी चार अन्य रास प्रकाश	श्री जैन सत्य	13	4
आत्मीयता का विस्तार	अमर विभूति	1	5
आध्यात्मिकता का आरंभ और अंत-अहिंसा	कल्याण	52	7
आत्मोन्नति के तीन साधन	मंगल पत्रिका	1	4
आत्मोन्नति का मूल मंत्र	मंगल पत्रिका	-	-
आचार्य कुंदकुंद	कल्याण	52	7
आत्म निरीक्षण कीजिए	कल्याण	29	1
आध्यात्मिक दीवाली विवेक का प्रकाश फैला दे	दिगम्बर	65	12
आज के युग का बढ़ता हुआ धूम्रपान	गुरुदेव	15	1
आत्मोन्नति के प्रधान साधन	चरित्र निर्माण	3	8
आत्म कल्याण का महान सूत्र-विस्मृति	चरित्र निर्माण	8	12
आचार्य हेमचन्द्रसूरि	जैन युग	20	8
आज की पंचायत	कुशल संदेश	1	3
आचार्य शिवजी ऋषिरास का सारांश	जिन वाणी	23	4
आचार्य सबलदासजी और हीराचन्दजी	जिन वाणी	24	1
आचार्य श्री केशवजी का मर्यादापट्टम	जिन वाणी	19	2
आत्मोन्नति के साधन	कल्प वृक्ष पत्रिका	33	7
आनन्दघनजी के पद का दीपचंदजी लिखित भावार्थ	वीर वाणी	4	10
अपभ्रंश चित्रकला का पांडव चरित्र	कल्पना	5	4
आनंद के नाम से प्रचारित सुखानंदजी के पद	वीरवाणी	4	12
आगरे के जुगल राई रचित छंद स्तावली ग्रंथ	वीरवाणी	4	21
आत्मनिरीक्षण	कल्पवृक्ष	34	5
आसाम प्रान्त के जैन मन्दिर	ओसवाल नवयुवक	9	3
आगमगच्छीय आचार्य परम्परा की नामावली	जैन सत्य प्रकाश	16	4

आगामी प्रथम तीर्थंकर पद्मनाथजी का मन्दिर	कुशल निवेश	8	12
आध्यात्मिक यज्ञ	अहिंसा वाणी	11	7
आनंदजी कल्याणजी पेढी के संस्थापक			
देवचन्दजी महाराज थे	कुशल निर्देश	11	11
आप निन्दक नहीं, स्वस्थ समालोचक बनिए	आत्म रश्मि	1	8
आत्मानुभूति	कुशल संदेश	5	3
आत्मोन्नति का राजमार्ग	कुशल संदेश	5	8
आत्मोन्नति और अनुभूतियों का प्रधान साधन : ध्यान	जिनवाणी	28	1,2,3
आत्मालोचन का महापर्व पर्युषण	जिनवाणी	29	9
आत्मविस्मृति हिंसा, आत्म जागृति अहिंसा	जिनवाणी	33	10
आचारांग सूत्र की एक अज्ञात टीका			
आचार चिन्तामणी	जिनवाणी	37	6
आलोचना का विस्तार कीजिए	शान्ति संदेश	2	8
आचार्य भद्रबाहु और हरिभद्र	श्रमणोपासक	25	3
आध्यात्मिक यज्ञ	अखण्ड ज्योति	19	2
आचार्य श्री की आगम सेवा	श्रमण	25	3
आभाणक रत्नाकर का द्वितीय खण्ड	मरु भारती	13	2
आराम शोभा कथा और तत्संबंधी राजस्थानी काव्य	मरु भारती	28	1
आचार्य हेमचन्द्र के पट्टधर	श्रमण	18	4
आचार्य हुकमीचन्द महाराज का परिचय	श्रमणोपासक		
आत्मिक शक्ति का विकास अति आवश्यक	सुधर्मा	6	11
आध्यात्मिक जैन कवि ध्यानतराय एवं उनकी रचनाएं	संतवाणी	4	10
आचार्य श्री बुद्धिसागर सूरिजी	संतवाणी	4	2
आत्म-कल्याण का एक महान सूत्र	सन्मति संदेश	2	9
आचार्य हेमचन्द्र	सन्मति संदेश	17	9
आचार्य यतिचन्द्रसूरि का इतिहास	शाश्वत धर्म	5	3
आ. चतुरसेन के सोमनाथ उपन्यास के			
जैनाचार्य जिनचन्द्रसूरि	समालोचना	2	11
आगम के पंडित मनुलाल कृत रेखता सहान्त	समालोचना	1	3
आचार्य प्रवर तरुणप्रभसूरि	शोध पत्रिका	9	2
ओसवाल जाति का इतिहास	कुशल निर्देश	4	11
आगरा के कवि मलि का ग्रंथ कपिजा पच्चीसी	साहित्य ग्रंथ	30	8
आख्यानक मणि कोशवृत्ति में तीन अपभ्रंश	सरस्वती	71	1
आँसुओं का मूल्य	कुशल निर्देश	3	4
आनु के विष्णु मंदिर, जिनके उद्धारक जैन			
आशा शाहु का शिलालेख	हिन्दू विश्व	12	7
आसाम में तीर्थ स्थापन करें	कुशल निर्देश	3	8
आचार्य हेमचन्द्र के योगशास्त्र में मौस-भक्षण निषेध	हिंसा विरोध	15	3
आनन्दविजयजी को दिया पत्र	कुशल निर्देश	10	5

आमड शाह	कुशल निर्देश	10	7
आबू राजस्थान का अविभाज्य अंग है	राजस्थानी	2	1
आचार्य गुणसागरसूरि और उनकी रचनाएं	वरदा	11	4
आगरा के साहित्य-प्रेमी जगतराय और उनका			
छन्द रत्नावली ग्रंथ	भारतीय साहित्य	2	2
आठ प्रान्तीय भाषाओं के सवैये	राज. भारती	3	3,4
आधुनिक राजस्थानी साहित्य	राज. भारती	-	-
आचार्य प्रवर तरुणप्रभसूरि	विश्व भारती	6	12
आसणी कोट स्थान निर्णय	विश्वम्भरा	7	3
आनंदा का रचनाकाल व रचयिता	वीर वाणी	3	2
आभाणक रत्नाकर	मरु भारती	8	4
आ. कविन्द्रसूरिजी की मृत्यु संबंधी एक			
महत्त्वपूर्ण कविता	जैन जगत	18	11
आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की दृष्टि में			
विजय धर्म सूरि जी	जैन जगत	19	4
आनंदजी कल्याणजी पेढी का इतिवृत्त			
प्रकाश में आना आवश्यक	जैन	38	28
आचार्य कविन्द्रसागरसूरिजी	श्वेताम्बर जैन	17	41
आबू राजस्थान का है और रहेगा	विशाल मरुधर	2	8,9
आठ-आठ रा दो लियाऊं	राज. वीर	13	20
आचार्य हेमचन्द्रसूरि की एक अज्ञात रचना	जैन भारती	12	6,7
आगमगच्छीय आचार्य परम्परा की नामावली	जैन सत्य प्रकाश	6	4
आमेर और जयपुर के शास्त्र भंडारों के सूची ग्रंथ	वीर	30	20
आचार्य श्री विजयवल्लभसूरिजी की कतिपय विशेषताएं	सेवा समाज	4	14
आभ्यन्तर तप और जैन समाज	जैन प्रकाश	45	40
आणंदा का रचयिता : समीक्षा	नागरी प्रचारणी	74	4
आध्यात्मिक आचार्य विजयकेसरसूरि और उनके ग्रंथ	शान्ति ज्योति	4	1
अहिंसा-प्रचार : एक सरल व उत्तम तरीका	जैन भारती	11	3
आर्य एवं आर्य क्षेत्र	जैन भारती	6	11
आज नहीं तो कल राजस्थानी को मान्यता			
मिलकर ही रहेगी	ललकार	19	3
आचार्य हरिचन्द्रसूरि रचित ग्रंथों की सूची	जैन भारती	9	21
आगामी श्रावण सुदी 8 को पार्श्वनाथ का			
निर्वाण दिवस मनाया जाय	जैन प्रकाश	61	37
आगरा के जैन इतिहास की खोज एवं आवश्यकता	जैन गजट	79	27-28
आत्मद्रष्टा श्रीमद् राजचन्द्र	श्री जैन प्रकाश	60	6
आचार्य कुंदकुंद के समय निर्णय की अपेक्षित दिशा	जैन सन्देश	10	40
आगरा के साहित्य-प्रेमी जगतराय और			
उनका छन्द रत्नावली ग्रन्थ	जैन सन्देश	22	7

आमेर शास्त्र भण्डार के सूचीपत्र के संबंध			
में कतिपय आवश्यक सूचनाएं	जैन सन्देश	13	28
आत्म निरीक्षण	जैन प्रकाश	58	12
आगरा के जैन सरस्वती भण्डार और उनका महत्त्व	जैन सन्देश	13	36
आधुनिक राजस्थानी पद्य अनुवाद	लोक सम्पर्क	1	1
आगम सेवी मुनि श्री कन्हैयालालजी का			
विशिष्ट प्रयत्न	जैन प्रकाश	57	40
आत्मानुभव संघ प्रवर पूज्य सहजानन्दधनजी			
का महाप्रयाण	शाश्वत धर्म	19	2
आत्म शक्ति का अपूर्व चमत्कार	तरुण जैन	1	10
आगरा : एक सांस्कृतिक परिचय ग्रन्थ में			
जैनों संबंधी विवरण	श्वेताम्बर जैन	16	23
आबू : राजस्थान का अविभाज्य अंग	लोक वाणी	मार्च 53	
अध्यात्म रसिक आचार्य विजयकेसर सूरि			
और उनके ग्रन्थ	शान्ति ज्योति	4	1
अवकाश के समय का सदुपयोग	जीवन साहित्य	21	8
अनेक सिद्धियों के स्वामी—शान्ति मूर्ति			
योगीराज श्री विजयशान्तिसूरिजी	शान्ति ज्योति	1	22
अप्रकाशित जैन शोध प्रबन्धों का शीघ्र प्रकाशन	जैन सन्देश	29	9
अजमेर में सामायिक पाठ की भावार्थ सूची टीका	जैन दर्शन	25	31
आज की नारी	राजस्थानी	1	6
अपरिग्रह की ओर दृष्टि	स्वयं सेवक	8	8
अमात्य तेतली पुत्र	कथा लोक	24	3
आचार्य बुद्धिसागर के हृदयोदगार	जैन भारती	21	49
आनन्दधनजी के तीन नवीन प्राप्त पद	श्री जैन धर्म प्रकाश	15	5
रु			
इन्स्टीट्यूट के डायरेक्टर श्री अगरचन्द नाहटा			
का भाषण	राज. भारती	7	1-2
ईर्ष्या : हमारे जीवन में घोर बाधक	बालाश्रम	अगस्त 1967	
इन्दौर में रचित कवि टेकचन्द कृत बुद्धि प्रकाश	अहिल्या स्मारिका	1992	
इन्दौर में रचित एक महत्त्वपूर्ण जैन ग्रंथ :	अहिल्या स्मारिका	1971	
ईर्ष्या	नमोस्ती	73	6
इन्दौर में रचित दो हिन्दी ग्रंथ	अहिल्या स्मारिका	सितम्बर 1978	
इक्कीस मूर्च्छनाओं के नामान्तर	संगीत	44	4
इकतीस वर्षों से निराहारी सती माता	जैन भारती	21	25
इन्दौर में जैन सभा का अनुकरणीय कार्य	दी जैन गणना		
दिगम्बर जैन गणना	जैन संदेश	25	5
इतना तो करिये ही	जीवन	1	36
इस बार दीपावली कैसे मनाएँ	तरुण जैन	1	12

उ

उपाध्याय लक्ष्मीवल्लभ के हिसार में रचित नवतत्त्व भाषाबद्ध	सप्त सिन्धु	23	4
उपासक दशा सूत्र में भगवान महावीर संबंधी पाँच महत्त्वपूर्ण प्रसंग	श्रमणोपासक	16	14
उदयपुर के बच्छावत घराने के वंशक्रम पर नव प्रकाश राजस्थानी उपाध्याय श्री जयशेखर द्वारा रचित नगर कोट आदिनाथ स्तवन	विजयानन्द	20	12
उपाध्याय विनयविजय के विनय विलास पद	अहिंसा वाणी	13	11
उपाध्याय पद्मसुन्दर की अन्य रचनाएं तथा अज्ञात रचनाओं की उपलब्धि	वीरवाणी	29	6
धर्म का फल	कुशल निर्देश	10	3
उदयपुर का श्री पद्मनाभ तीर्थ	कुशल निर्देश	9	9
उत्तम काव्य-प्रकाश का वास्तविक नाम	म.प्र. सन्देश	15	5
उज्जैन स्थित राठौड़ दुर्गादास की छत्री	म.प्र. सन्देश	1966	22
उपाध्याय मेघविजय के मेघ महोदय में उल्लिखित कतिपय अप्राप्य रचनाएँ	अनेकान्त	21	1
उपाध्याय गुणविजय की तोसाम में रचित दो रचनाएँ	महा. विशेषांक		
उदयपुर का सचित्र विज्ञप्ति-पत्र	तित्थपर	1	6
उ. क्षमा कल्याणजी कृत जयतिहुअण भाषा	कुशल निर्देश	7	3
ऊँ अर्हम नमः मंत्र का माहात्म्य	कुशल निर्देश	7	3
उल्लेखनीय वस्तुएं और बातें	समिति पत्रिका	10	6
उत्तराध्ययन सूत्र और उनकी टीकाएँ	सुधर्मा	13	10
उन्नति में घोर बाधक-ईर्ष्या	विजयानन्द	20	9-10
उत्तम क्षमा	आत्मोदय	1970	1
उ. क्षमा कल्याणजी का एक महत्त्वपूर्ण पत्र	विजयानन्द	12	4
उपवास करने का मुख्य उद्देश्य	सन्मति संदेश	2	10
उस्तलाव यंत्र संबंधी एक महत्त्वपूर्ण जैन ग्रन्थ	जैन सिद्धान्त	18	2
उतावला सो बावला	जीवन साहित्य	14	8
उत्पादन बढ़े, पर स्तर न गिरे	जीवन साहित्य	17	11
उज्जयिनी नगरी वर्णन	वीणा	29	5
उ. पद्मसुन्दर और उनके ग्रंथ	अनेकान्त	4	8
उदयपुर का एक और सचित्र विज्ञप्ति-पत्र	शोध पत्रिका	4	3
उदारचेता मंत्री पेथड	जैन भारती	5	8
उपाध्याय भक्तिलाभ रचित न्याय सार चूर्णि	श्रमण	21	4
उपाध्याय क्षमा कल्याणजी और उनकी रचनाएँ	वीर वाणी	18	13
ऊमादे भटियाणी का एक प्राचीन लोकगीत	अजन्ता	7	2
ऊंदर रासो	मरु भारती	4	9
उपाध्याय यशोविजयजी की हिन्दी रचनाएँ	जैन युग	20	00

उदारता अपनाइए	जिन वाणी	18	2
उपासना और इन्द्रिय निग्रह	जिन वाणी	19	6-7
उत्तराध्ययन गीतिका की रचयिता और रचनाकाल	जिन वाणी	19	9
उपासनागर्भित रचनाएँ	कल्पना	6	11
उपाध्याय क्षमा कल्याण रचित हित शिक्षा द्वात्रिंशिका	वीर वाणी	7	22
उदयपुर बच्छावत घराने के वंशक्रम पर नया प्रकाश	नव. ओसवाल	16	6
उपाध्याय मेघविजय रचित 4 विशिष्ट विज्ञप्ति लेख	जैन सत्य प्रकाश	10	1
उज्जैन के जैन कवि और उनकी रचनाएँ	ऊषा	नव. 1959	
उपाध्याय विवेक समुद्र विरचित धर्म-चरित्र	जैन सत्य प्रकाश	18	12
ऊँ पद सुन्दर और उनके ग्रन्थ	अनेकान्त	4	8
उपासना और इन्द्रिय निग्रह	अणुव्रत	4	24
उन्नति में परम बाधक-ईर्ष्या	शान्ति संदेश	8	10
उत्तम चरित्र रास	साधना	3	3
उदयपुर का एक और सचित्र विज्ञप्ति लेख 'बी'	शोध पत्रिका	4	3
उपासना में इन्द्रिय निग्रह की आवश्यकता	अखण्ड ज्योति	21	2
उपाध्याय भक्तिसागर रचित न्यायसार अवचूर्णी	श्रमण	21	4
उत्पादन बढ़े पर स्तर न गिरे	अखण्ड ज्योति	21	4
उपासक दशक पाँच महत्त्वपूर्ण प्रसंग	श्रमणोपासक	25	79
उपाध्याय यशोविजय की हिन्दी रचनाएँ	सन्मति सन्देश	4	
उन्नति के लिए आवश्यक सदगुण लघुता	शाश्वत सन्देश	2	
उपखाना गर्भित रचनाओं की परम्परा	शोध पत्रिका	9	4
उपाध्याय गुणविजय और उनके ग्रन्थ	शोध पत्रिका	8	1-2
उल्लेखनीय वस्तुएं व बातें	शोध पत्रिका	18	1
उपाध्याय लक्ष्मीतिलक रचित शान्तिदेव रास	शोध पत्रिका	86	4
ऊँ अर्हम नमः मंत्र का माहात्म्य	कुशल निर्देश	7	11
उपास्य पदे उपादेयता	कुशल निर्देश	9	7
उद्यम का फल	कुशल निर्देश	10	3
उपाध्याय नंदन और उनकी रचनाएँ	नगर संशो. पत्रिका	1	2
उदयपुर-वर्णन छन्द	मरु भारती	6	4
उदयपुर का सचित्र विज्ञप्ति लेख	नागरी प्रचारणी	37	2-3
उल्टी गंगा	जैन भारती	2	7
उत्तरार्ध गच्छ	जैन भारती	12	9
उदारचेता मंत्री प्रवर का अनुपम धर्म-प्रेम	जैन जगत	6	8
उत्तराध्ययन के नमिथ्या 21वें तीर्थंकर नेमिनाथ थे	वीर वाणी	24	1-2
उपाध्याय मेघविजय के दो नवीन ग्रन्थ	जैन सिद्धान्त		
	भास्कर	10	2
उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के दि. जैन भण्डारों में खोज की परमावश्यकता	जैन सन्देश	23	24
उपेक्षित दि. कला धाम देवगढ़	जैन सन्देश	21	22

उपाध्याय जिनपाल रचित सनत कुमार महाकाव्य	जैन भारत	12	3-4
उपाध्याय लक्ष्मी वल्लभ के हिसार में रचित नवतत्त्व भाषाबद्ध	सदा सिन्धु	4	23
उ. यशोविजय रचित अष्ट सहस्रत्री तात्पर्य विवरण का उपयोग किया जाना आवश्यक	जैन सन्देश	46	8
उत्तर प्रदेश के दि. जैन शास्त्र भण्डारों का महत्त्व और दि. जैन समाज का कर्तव्य	जैन संदेश	22	40
उदयपुर सचित्र विज्ञप्ति-पत्र	जैन सन्देश	17	19
उत्तराध्ययन सूत्र और उसकी टीकाएं	जैन भारती	7	33
उपाध्याय क्षमा कल्याण की रचित नाकोड़ा पार्श्वनाथ स्तवन	जैन तीर्थकर	2	19
उन्नति की घोर बाधक-ईर्ष्या	साहित्य सागर	1	24
उपाध्याय विमल हर्ष व्यास	जैन धर्म प्रकाश	81	2
उपाध्याय मेघविजय रचित चित्रकोष विज्ञप्ति लेख	जैन धर्म प्रकाश	77	8
ए			
एक जैन कवि द्वारा 250 वर्ष पूर्व बंगाल-वर्णन	सरस्वती	76	2
एक अज्ञात राम काव्य माथुर धनरूप रचित रामचरित्र लीला	सरस्वती	-	-
एक अप्रकाशित प्राचीन प्राकृत सूत्राध्ययन	श्रमण	22	8
एक अलभ्य शकुनावली बौद्ध चक्रावली की सचित्र प्रति	अध्ययन और अनुभूति	1	3-4
एक श्लोक आठ लाख अर्थ	कादम्बिनी	अप्रैल	1971
एनानन्द और उनकी रचनाएँ	मध्य प्रदेश	66	16
एक खोजपूर्व विचारणा सम्मेलन शिखर महातीर्थ के उद्धारक जगत सेठ या सुगल चन्द?	अनेकान्त	16	2
एक अविस्मरणीय व्यक्तित्व	अनेकान्त	19	1-2
एक उपेक्षित जैन आगम ग्रंथ दीपसागर प्रज्ञप्ति	श्रमण	16	3
एक अज्ञात रचना-जिन सतरी	निज वाणी	30	8
एक नए बने जैन (मुसलमान) की शासन प्रभावना	जैन जगत	33	5
एक विशिष्ट दि. सचित्र पट्ट	कुशल निर्देश	8	10
एक मध्यकालीन कीमती दस्तावेज	तीर्थकर	9	4
एक अपूर्ण प्राप्त अज्ञात प्रार्थना प्राचीन ऐतिहासिक काव्य	तुलसी प्रज्ञा	5	11-12
एक अज्ञात ग्रंथ की उपलब्धि	श्रमण	1-2	10
एक राज. कहावत की कहानी : एक रहस्यमय राजस्थानी गीत	मरु भारती	3	2
एकता के संबंध में कुछ सुझाव	ओसवाल	अक्टू. 1962	
एक विनोदात्मक राज. रचना	मरु भारती	2	1
ऐलाचार्य पूज्य विद्यानंदजी महाराज	वीर वाणी	1979 अप्रैल	

एक-एक मोहर री चार बातें	प्रेरणा	2	2
एक विक्रम कथा की फारस यात्रा	विक्रम	7	6
एक खोजपूर्ण विचारणा	अनेकान्त	16	2
एक ग्रन्थ मौं अराननी कथा	जैन सत्य प्रकाश	19	9
151 स्थान नाम गर्भित श्री गौड़ी पार्श्वनाथ स्तवन	जैन सन्देश	29	31
एक अनुपलब्ध प्राचीन कथा के जैन रूपान्तरों की खोज	गवेषणा	1	2
एक और अभिनन्दनीय ओसवाल कलाकार	ओसवाल	20	6-7
एक भयावह समस्या : अनैतिकता	चरित्र निर्माण	12	1
एक दि. तीर्थ चैत्य परिपाटी	वीर वाणी	4	7
एक लाख श्लोक रहिमान वाला गुटका	वीर वाणी	6	1
एक जैन ग्रंथ में कुरान की कथा	वीर वाणी	6	12
एक अलभ्य महाकाव्य के खोज की आवश्यकता	जैन सत्य प्रकाश	16	8
एक नवीन ऐतिहासिक काव्य	जैन सत्य प्रकाश	5	8
एक अलभ्य महत्त्वपूर्ण प्रति	जैन सत्य प्रकाश	8	6-7
एक संशोधन	जैन सत्य प्रकाश	6	11
एक रहस्यमय प्राचीन राजस्थानी गीत	अजन्ता	7	6
ऐतिहासिक सामग्री पर विशेष प्रकाश	अनेकान्त	6	2
एक विशिष्ट दिगम्बर सचित्र पट्ट	कुशल निर्देश	8	10
एक प्राचीन नेमीनाथ रास	अहिंसावाणी	4	11-12
एक-एक मोहर की चार बातें	अग्रगामी	2	5
एक जैन संत का आध्यात्मिक शक्ति का पद	अहिंसा वाणी	19	8-9
एक राजस्थानी बात	साधना	5	5
एक अपूर्ण प्राप्त महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक बात	मरु भारती	14	3
एक अज्ञात ऐतिहासिक काव्य	मरु भारती	16	1
एक रहस्यमय प्राचीन राजस्थानी लोकगीत	शाश्वत धर्म	3	9
एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक गीत	शाश्वत धर्म	9	3
एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक गीत	शाश्वत धर्म	9	4
एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक गीत	शाश्वत धर्म	9	7-8
एक अज्ञात राजस्थानी जैन कवि रूपली	वरदा पत्रिका	22	2-3
एक प्राचीन राजस्थानी लोक गीत सिपाइडो	वरदा पत्रिका	20	3-4
एक अज्ञात ऐतिहासिक बेलि	शोध पत्रिका	14	4
एक विशाल दोहा संग्रह : दूहा सार	साहित्य संस्था	17	12
एक जैन कवि द्वारा लिखित 10 वर्ष पूर्व का बंगाल	सरस्वती	75	1
एक मुसलमान कवि की अज्ञात रचना : प्रमाई कथा	भारतीय साहित्य	8	4
एक राजस्थानी लोक कथा	रसवन्ती	7	8
एक विक्रम कथा की फारस-यात्रा	विक्रम पत्रिका	7	25
एक वंश में एक ही नाम की पुनरावृत्ति	विश्व वाणी	23	3
एक शिक्षाप्रद और हितोपदेश रचना : विवेक विलास	विश्व वाणी	22	10
एक रहस्यमय प्राचीन राजस्थानी गीत	मरु भारती	8	4

एक राजस्थानी कहावत की कहानी	मरु भारती	3	2
एक कमलप्रभसूरि का एक नूतन काव्य	जैन भारती	13	41
एक-एक मोहर की चार बात	जैन जगत	9	8
एक अज्ञात अपभ्रंश द्वादश अनुपेक्षा रास	सन्मति वाणी	9	12
एक विलुप्त तीर्थ गौड़ी पार्श्वनाथ	जैन तीर्थकर	3	6-7
एक प्राचीन जैन ग्रंथ में उल्लिखित (मरुतेल)	विशाल राज.	6	37
एक अच्छे साहित्यिक मासिक पत्र की अविलम्ब आवश्यकता है	अमर ज्योति	14	45
एक जैन ग्रन्थ में कुरान की कथा	सेवा समाज पत्रिका	14	9
एक भ्रान्त धारणा का निराकरण	जैन भारती	11	2
ऐतिहासिक भीमसेन कथा	श्वेताम्बर जैन	20	41
एकता का संदेशवाहक पर्युषण पर्व	श्वेताम्बर जैन	59	32-33
एक भ्रान्त धारणा का निराकरण	जैन भारती	11	24
एक अनुपलब्ध आगम पंचकल्प	जैन भारती	11	20
ऐतिहासिक नर रत्न सेठ मोतीशाह	श्वेताम्बर	21	21
एक वंश में ही नाम की पुनरावृत्ति	वीर वाणी	21	21
एक महीने में 32 लाख बौद्ध और बने	जैन सन्देश	21	20
एक भ्रांत परम्परा का उन्मूलन	जैन सन्देश	25	4
एक संग्रहणीय पुस्तक-प्रतिमा विज्ञान	जैन गजट	80	45
एक अनुपलब्ध आगम पंचकल्प	जैन भारती	11	12
एक आवश्यक स्पष्टीकरण	श्वेताम्बर	25	19
एक अविस्मरणीय व्यक्तित्व	अनेकान्त	15	4
एक अलम्ब्य शकुनावली की सचित्र प्रति	अध्ययन और अनु.	1	3-4

ओ

ओसवाल जाति की स्थापना संबंधी प्राचीन प्रमाणों की परीक्षा	तरुण जैन	2	7
ओसवाल जाति का इतिहास	ओसवाल जगत	1	1
ओसवाल भवन से सामाजिक कल्याण की अपेक्षा	मन्थन	22	331
ओसियाँ का प्राचीन महावीर मन्दिर	अनेकान्त	27	1
ओसवाल जाति के एक बड़े कवि उदयचन्द भण्डारी	ओसवाल समाचार	8	1
ओसवाल जाति का इतिहास	विजयानंद	30 जून	
ओसवाल और माहेश्वरी के कई समनामी गौत्र	माहे. सेवक	16	5
ओसवाल समाज : तब और अब	स्मा. ओस. नवयुवक	-	-
ओसवाल गोत्र नामावली	जैन भारती	13	1
ओसवाल जाति का इतिहास : एक सिंहावलोकन	ओसवाल हितैषी	1	1
ओसियाँ	जैन जगत	13	1
ओसवाल जाति के एक बड़े कवि-उदयचंद भण्डारी	ओस. समाचार	8	1
ओसवाल जाति की सतियाँ और उनके स्मारक	कुंकम	1982 अगस्त	10
ओसवाल वंश स्थापना संबंधी चित्रावली	जैन भारती	12	7
ओसवाल गोत्र नामावली रास	जैन भारती	11	11

ओसवाल जाति की एक प्राचीन वंशावली	ओस. नवयुवक	16	5
ओसवालों की जनगणना	ओस. नवयुवक	13	24
ओसवाल समाज में जाति भावना का हास	ओस. नवयुवक	15	1
ओसवंश स्थापना के समय संबंधी दो उल्लेख	ओस. नवयुवक	15	11
ओसवाल जाति-भूषण-भैरुंशाह	ओस. नवयुवक	7	7
ओसवाल बस्ती पत्रक	ओस. समाज	7	17
ओसवाल समाज के परम उपकारी	आत्मानन्द	1955	1
ओसवाल क्षत्रिय वृत्तान्त छत्रिपात	जैन भारती	12	5
ओसवाल जाति का उत्पत्ति स्थान-ओसियाँ	ओसवाल	15	1
ओसवंश स्थापना के समय संबंधी महत्वपूर्ण उल्लेख	श्रमण	3	10
ओसवाल समाज में जातीय भावना का त्याग	ओसवाल	15	1
ओसवाल जाति के गौत्र	जैन ध्वज	2	32
ओसवाल जाति का इतिहास	ओसवाल	4	15,16
ओसवाल साहित्यकारों का परिचय			
प्रकाशित किया जाय	जैन श्वेता.	24	43
ओसवाल क्षत्रिय वृत्तान्त पर दृष्टिपात	जैन भारती पत्रिका	12	5

अ

अंतिम केवली और मोक्षगामी जम्बू स्वामी	सुधर्मा	21	6
अंग्रेजी भाषा का जैन साहित्य	अहिंसा वाणी	18	7
अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ कल्प और स्तवन संग्रह	कुशल निर्देश	9	9
अंजना सुन्दरी रास का रचनाकाल	जैन सिद्धान्त	31	2
अंतिम चौदह पूर्वधर श्री स्थूलिमद्र स्वामी	जिन वाणी	22	7
अंतरिक्ष पार्श्वनाथ विनती में उल्लिखित			
लेडन पास मही लोडन पार्श्वनाथ है	वीर वाणी	21	7
अंतर ना अजवाणा	जैन सन्देश	2	41

क

क्रान्तिकारी महावीर और उनके धर्म-			
शासन की विशेषता	सरस्वती	76	1
कविवर वृन्द की कतिपय अज्ञात रचनाएँ	सरस्वती	69	1
क्या 'नेर और मेर' समानार्थक हैं	सरस्वती	65	1
कवि नथमल रचित वीर विलास	राज. भारती	10	2
कुछ लघु कथाएँ	मरु भारती		
कवि मतीराम रचित छन्दसार संग्रह	परिषद पत्रिका	16	1
कवि मालदेव के चरित्र काव्य	सप्त सिन्धु	24	2
कुरुक्षेत्र थानेश्वर में रचित कलराज नायक			
गणित ज्योतिष शास्त्र	सप्त सिन्धु	5	24
कर्मशास्त्रविद् रामदेव गणि और उनकी रचनाएँ	श्रमण	29	9
क्या 'रूपकमाला' रचना अलंकार शास्त्र संबंधी है?	श्रमण	29	3

कन्नड़-जैन साहित्य सम्बन्धी डॉ. हिरण्य के विचार	अहिंसा वाणी	14	10
करोड़पति सेठ और भक्त कवि की राजस्थानी रचनाएँ	कर्मठ राजस्थान	4	11
कुछ और हजार	कादम्बिनी	8	7
कतिपय अन्य स्मृति संहिताओं की सूची	सिद्धान्त	24	8
कुलपति मिश्र की एक अज्ञात रचना अन्योक्ति शतकम्	हिन्दुस्तानी	35	2
कवि लालचन्द रचित अंकपास गणित	अहिंसा वाणी	16	2
कैसी बीती	कथालोक	1	10
कराबादीने सफाई नामक फारसी ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद	राष्ट्र भाषा		
कवि सुखदेव रचित राजमाला	राष्ट्र भाषा	11	6,7
क्या तानसेन का बैजू से मुकाबला हुआ था?	कादम्बिनी	जुलाई 1971	
कसौटी	कुशल संदेश	1	2
कतिपय स्थानकवासी साधु-साध्वियों के दीक्षा, चौमासा और संथारे का विवरण	जिन वाणी	24	11
कच्छी भाषा में रचित महावीर बावनी	मणिभद्र	2035	20
कवि जगतचन्द सम्बन्धी कुछ विशेष जानकारी	ब्रज भारती	16	1,2,3
कविवर जान का सबसे बड़ा ग्रन्थ बुद्धिसागर	हिन्दुस्तानी	16	1
कानजी स्वामी और आध्यात्मिक जागृति	बल्लभ संदेश	8	9
कल्याणसागर सूरि को प्रेषित सचित्र विज्ञप्ति लेख	श्रमण	16	9
कविवर रङ्गू रचित सावच चरित्र	अनेकान्त	17	1
कवि बनारसीदासजी के दो अप्रकाशित होली के पद	वीर वाणी	30	21
कविराज का विशेष परिचय और अन्य रचना	वीर वाणी	31	2,3
कविवर कल्याणकुमारजी 'शशि' की साहित्य-साधना	वीर वाणी	32	19
कवि देपाल रचित एक अज्ञात ऐतिहासिक रचना—भीमसाह रास	जैन संदेश	भाग	जून
कवि बाण कृत कलि चरित्र	गवेषणा	फर. 72	
कृष्ण रुखमणी वेलि की टीकाएँ	राज. भारती	19	4
काजी महम्मद के अप्रकाशित पद	वरदा	4	4
कटक में रचित हिन्दी जैन ग्रन्थ	राष्ट्र भारती	14	10
कैसी बीती	रस निकुंज	1	8,9,10
कलकत्ते का कार्तिक महोत्सव	ज्ञानोदय	3	7
कवि देपाल की अन्य रचनाएँ	श्रमण	34	1
कलकत्ता शहर गुलजार लोक रंग का	विशाल राजस्थान	19	61
कविवर 'जान' रचित पाहन परीक्षा	विश्वम्भरा	13	2,3
कतिपय हिन्दी नाममालाएँ	ब्रज भारती	17	7,8,9
कवि सूरदत्त रचित रसिक हुलास	वैचारिकी	1	2,3
कुमारिया तीर्थ का कलापूर्ण महावीर मंदिर	युवा दृष्टि	3	10
काश यह कार्य आगे बढ़ पाता	वल्लभ संदेश	8	2
कानजी स्वामी और आध्यात्मिक जागृति	वल्लभ संदेश	8	9
कलिकाल सर्वज्ञ आचार्य श्री हेमचन्द्र	वल्लभ संदेश	10	12

कलिकाल आचार्य श्री हेमचन्द्र	वल्लभ संदेश	11	दिस. 82
करनी का फल	हरियाणा संवाद	मई 1981	
कविराज बांकीदास की अज्ञात रचना—अन्योक्ति पंचासिका	शोध पत्रिका	23	4
कवि नरहरिदास का चरित्र	भार. साहित्य	3	3
क्या 'अमृत सागर' प्रति का लेखनकाल 1791 है?	वीर वाणी	26	15
कांगड़ा तीर्थ का एक अप्रकाशित प्राचीन स्तवन	विजयानन्द	8	9
कलयुग रो चमत्कार अंत में सत री जय	कुरजा	1	3
कवि रामदास लालस रे भीम प्रकाश में ऋतु वर्णन	कुरजा	1	2
कर्म सत्ता का आधार	विजयानन्द	अप्रैल 1962	
कवि चक्रवर्ती शान्तराज रचित पंचसंधान महाकाव्य	वीर वाणी	20	21
किसन जनम अर बालक्रीड़ा	हरावल	1	2
कवि देपाल की अन्य रचनाएँ	श्रमण	34	1
कृतज्ञता	जैन जगत	34	3
कवि शिवराय रचित नवधा भक्ति राग-रस	संगीत	29	11
कवि सुखदेव रचित रागमाला	संगीत	29	9
कवि जान रचित संगीत गुणदीप	संगीत	29	6
कवि विवेकचन्द हंस कृत श्री जिनवर्द्धनसूरि रास सार	स्मारिका जिनदत्त		
कर्म शास्त्र विद रामदेवगणी और उनकी रचनाएँ	सूरि संघ	फरी. 1973	
कवि रङ्गू के रिटुनेमि चरित्र का रचना—स्थान झुंझनू है	श्रमण	29	9
कल्पसूत्र की एक विशिष्ट प्रति	वरदा	24,25,	4,5
कामरा का आक्रमण और भावदेव सूरि	विजयानन्द	29	2
कवि दुलह रचित एक अज्ञात ग्रंथ	परि. पत्रिका	20	3
दुलह विनोद का प्राप्त पाठ	हिन्दुस्तानी	43	3
काजी का न्याय	कुशल निर्देश	7	4
काम लक्ष्मी	कुशल निर्देश	8	4
कोई आयु हो कोई जात सभी मान	श्री महावीर		
सके जैव की बात	निर्वाण	स्मारिका अक्टू	
कच्छी भाषा में रचित महावीर बावनी	अरुणोदय	1977-78	
कोटा के ऋषि लालचन्दजी और उनकी दो रचनाएँ	जैन दिवाकर	स्मारिका संवत्	
कुछ अनुभूत चमत्कार	जन्म शताब्दी	2035	
कूट प्रश्न	कुशल निर्देश	2	1
कवि धनसुख रचित साहित्य शिरोमणि	कुशल निर्देश	3	10
कवि लछमण रो देवी विलास	परिशोध	1979	
कवि मण्डल रचित पाँच हिन्दी ऐतिहासिक काव्य	मरु वाणी	1	3
काव्य समधर रचित मुहता कर्मचन्द बच्छावत	मधुमती	1	3
जाति-गीत	मरुश्री	1	2

कविवर धर्मवर्द्धन का दुश्काल-वर्णन	मरुश्री	2	2.3
काल ज्ञान का हिन्दी अनुवाद : विशेष ज्ञातव्य	मरुश्री	4	15
कहानी की जन्मकथा	भारती	2	19
काजली तीज	मरु वाणी	4	8.9
कवयित्री साध्वी हेमश्री और उनकी रचनायें	सुधर्मा	15	9
कवि श्री हर्षकीर्ति रचित नगर कोट परमेश्वरी स्तवन	विजयानन्द	22	12
कवि बख्तावर रा आठ अप्रकाशित पद	मरु वाणी	6	7.8
कवितावली का राजस्थानी पद्यानुवाद	मानस मयुख	2	3
कवि सीधर रा सप्तसती	मरु वाणी	4	10-11
कवयित्री ताज रचित एक महत्त्वपूर्ण ताज ग्रंथ	सुधर्मा	21	7
क्या जगत सेठ खुशालचन्द ने सम्मेलित शिखरजी का जीर्णोद्धार कराया था?	जैन भारती	23	14
क्या हम अनेकान्त सिद्धान्त को मानने वाले हैं?	जैन भारती	21	39-40
कवि मालदेव के चरित काव्य	सप्त सिंधु	2	39-40
कविराज बुधसिंह रचित देवी चरित महाकाव्य	सप्त सिंधु	20	7
कुरुक्षेत्र धानेश्वर में रचित करणराज नामक गणित ज्योतिष शास्त्र	सप्त सिंधु	5	24
कवि विवेक हंस कृत श्री जिनवर्द्धनसूरि रास सार	स्मारिका	1973	-
कवि आनंदवर्द्धन रचित भक्तामर और कल्याण मन्दिर के पद्यानुवाद	वीरवाणी	17	6-7
कलकत्ता के कतिपय हस्तलिखित ग्रन्थ संग्रहालय कैसी बीती	सप्त सिंधु	1963	जुलाई
क्या पखार और पोखाड जाति एक ही है?	धर्म ज्योति	12	10
कवि रत्नश्री चन्दनमुनि और उनका साहित्य	पखार बंधु	3	4
कोई भी शुभ कार्य दिखावे के लिए न करें	आत्म रश्मि	7	3
क्या वृन्द कवि चन्दबरदाई के वंशज थे?	कल्प वृक्ष	38	2
कवि बनारसीदासजी के दो अप्रकाशित होली के पद	उष्मा	1	12
क्या रूपक माला नामक रचनायें अलंकार शास्त्र सम्बन्धी है?	वीर वाणी	30	21
कलकत्ते के जैन पुस्तकालय	अनेकान्त	30	3-4
करनी का फल	ओसवाल	8	3
कवि केशवदास की कतिपय रचनाएँ	हरियाणा संवाद	13	10
कविया करणीदान की दो अप्रकाशित रचनाएँ	हिन्दुस्तानी	17	4
कविवर मालदेव रचित विक्रम चौपाई के सुभाषित	मरु भारती	11	2
कच्छ में रचित पद्यबद्ध हिन्दी संगीत ग्रंथ	मरु भारती	23	4
कलकत्ते में राजस्थानी साहित्य का संग्रह	कलानुसंधान	1	3
और प्रवृत्तियाँ	अणिमा	1971	मई
कच्छी भाषा में रचित महावीर बावनी	अहिंसा वाणी	30	5-6
कतिपय महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक रचनाओं की अपूर्ण प्रतियाँ	अहिंसा वाणी	15	1
कन्नड़-जैन साहित्य संबंधी डॉ. हिरण्यम के विचार	अहिंसा वाणी	14	10

कल्पसूत्र की स्वर्णाक्षरी प्रतियाँ : एक सचित्र प्रति	कलानिधि	2	1
कवि लावण्यसमय रचित पर्युषण गीत	आत्मानंद प्रकाश	69	10-11
कविराज बांकीदास आसियानी आत्मा चारणों संबंधी उल्लेख	चारण	5	3
कवि हमीर रतनु की रचनाएँ	चारण बन्धु	16	1
कवि गनपति रचित अलंकार सुधा निधि	लहरें	2	6-7
कर्म सत्ता का आधार कहानी की जन्मकथा	ओसवाल भारती	2	19
कृतघ्नता और कृतज्ञता	कुशल निर्देश	16	6
क्या पद्मावती की कथा जायसी की कल्पना मात्र है?	समाचोलक	2	8
कथात्मक पद्यानि	मरु भारती	20	1
कतिपय अज्ञात रचनाएँ	मरु भारती	1972 अक्टू.	
कतिपय राजस्थानी गद्य गाथाएँ	मरु भारती	14	2
कामरां का बीकानेर पर आक्रमण	राजस्थान भारती	1	2-3
कतिपय वर्णनात्मक राजस्थानी गद्य संग्रह	राजस्थान भारती	3	3-4
कवि लालचन्द रचित बीकानेर गजल	राजस्थान भारती	19	4
कविवर जान और उसके ग्रन्थ	राजस्थान भारती	1	1
कतिपय जैनग्रन्थों की अज्ञात जैन टीकाएँ	श्रमणोपासक	30	2
करतार बावनी	मरु वाणी	4	7
कवि लछमल रो देवी विलास	मरु वाणी	1	4
काजली तीज	मरु वाणी	4	8-9
कच्छ में ब्रज भाषा की शिक्षा का प्राचीन प्रयत्न	जीवन साहित्य	14	2
कवि लावण्यसमय की नारी प्रशंसा	जीवन साहित्य	16	8
कवि आनन्द रचित अद्भुत रामायण	युग प्रभात	13	2
क्या भक्तमाल के रचयिता राघवदास चाण्डाल गोत्र के थे?	साहित्य संदेश	26	3
क्या संदेश रासक का रचयिता मत्स्य देश का था?	साहित्य संदेश	25	3
कतिपय हिन्दी कवियों के पद्यों का एक संग्रह	साहित्य संदेश	25	3
कवि मेघ रचित गोपीचन्द कथा	साहित्य संदेश	18	9
कविवर जान का सबसे बड़ा ग्रन्थ	हिन्दुस्तानी	16	1
कवि हमीर रतनू की अज्ञात रचनाएँ	देवीपुत्र	1	11
कविवर समय सुन्दर	जैन जगत	9	4
क्या लोकाशाह ने साधु वेश धारण किया था	सुधर्मा	6	1
कविवर धर्मवर्द्धन की सवा सौ सीख	शाश्वत धर्म	11	5-6
कवि रामदास लालस	कुरजां	15 मार्च 1960	
कविवर सूरचन्द रचित पदैकविंशति ग्रंथ	जैन सत्य प्रकाश	19	6
कतिपय और सिलोके	जैन सत्य प्रकाश	12	9
कायस्थ गोत्रावली	सरस्वती	1965 अक्टू.	
कवि चतुर्भुज और उनकी रचनाएँ	अजन्ता	5	1
कवि कुंवर कुशल रचित वारस नाममाला	जीवन साहित्य	16	6
किशोरदास कृत गीत भाषा	साहित्य संदेश	19	10

कलकत्ते के जैन पुस्तकालय	ओसवाल नवयुवक	8	3
कम से कम आवश्यकता सुख-शान्ति का			
सच्चा अनुभव उपाय	कल्याण	38	11
क्या गणधरों में से छः क्षत्रिय थे?	तीर्थकर	2	4
कृतज्ञता	कल्याण	47	12
कतिपय प्राचीन पट्टे परवाने	जैन सिद्धान्त भास.	16	1
कविवर सूरचन्द्र और उसका साहित्य	जैन सिद्धान्त भास.	17	1
कहिये नहीं करिए	चरित्र निर्माण	3	7
कवि बल्ह रचित कूकड़ा मंथा री चऊपई	जैन साहित्य	4	10-11
कसौटी	कुशल सन्देश	1	2
कतिपय प्राचीन चारण कवियों के जैन ग्रंथों			
में उद्धृत पद	जीवन दर्शन	11	6
कर्म सिद्धान्त संबंधी ग्रन्थ	जिन वाणी	25	10
कवि विजयचन्द्रजी की परम्परा और उनके अन्य ग्रंथ	जिन वाणी	14	3
कतिपय श्वेताम्बर विदुषी कवयित्रियाँ	जिन वाणी	22	1
कवि त्रीकम रचित रूपचन्द मांडली का सार	जिन वाणी	23	2
कतिपय अधिष्ठायक देवों के पूर्ण वृत्तान्त	वीर वाणी	4	21
कथानक में उल्लिखित हीरानंद जगतसेठ के पूर्वज थे?	वीर वाणी पत्रिका	5	1
कन्नड़ साहित्य में जैन रामायण	वीर वाणी पत्रिका	6	18
कविवर बनारसीदास का मोह विवेक	वीर वाणी पत्रिका	6	23-24
कविवर लक्ष्मी वल्लभ की हिन्दी रचनाएँ	वीर वाणी पत्रिका	7	10-11
कविवर विजयचन्द का वर्षा-वर्णन	वीर वाणी पत्रिका	7	20-21
कृष्ण भक्त कवि गिरधरदासजी रचित भारती भूषण	श्री कृष्ण संदेश	6	1
क. सूरचन्द रचित स्थूलभद्र चरित्र प्रशस्ति	जैन सत्य प्रकाश	21	2
कवि लावण्य समय कृत लक्ष्मी देवी गीत	जैन सत्य प्रकाश	21	2
कडुआ मत पटावली में उल्लिखित उनका साहित्य	जैन सत्य प्रकाश	18	9
कविवर सूरचन्द्र विरचित पदैक विंशति ग्रन्थ	जैन सत्य प्रकाश	19	6
कतिपय और सिलोके	जैन सत्य प्रकाश	8	1
कतिपय स्तोत्रों के रचयिताओं के विषय में नये प्रकाश	जैन सत्य प्रकाश	8	1
कतिपय ऐतिहासिक ग्रन्थों का सार	जैन सत्य प्रकाश	8	4
कोचर व्यावहारिका समय-निर्णय	जैन सत्य प्रकाश	3	9
केवल कहिए नहीं, करिए	जैन सत्य प्रकाश	अक्टू. 1962	
कनक कुशल की रचनाओं के संबंध में			
में कतिपय सूचनाएँ	जैन सत्य प्रकाश	14	1
कला प्रदर्शनी की उपयोगिता	अनेकान्त	6	9
कवि पदसुन्दर और दि. श्रावक रायमल्ल	अनेकान्त	10	1
कतिपय प्रकाशित ग्रन्थों की अप्रकाशित प्रशस्तियाँ	अनेकान्त	10	9
कविवर रङ्गू रचित साक्य चरित्र	अनेकान्त	17	1
कतिपय अप्राप्य रचनाएँ	अनेकान्त	21	1
कुछ अनुभूत चमत्कार	कुशल निर्देश	2	1

कवि टेकचंद रचित श्रेणिक चरित्र	अनेकान्त	21	3
कवि नयानंद रचित गुण हार चरित्र			
में कवि वंश-परिचय	अहिंसा वाणी	10	5
कुटिल वैध से बढ़कर उसका शिष्य	कुशल निर्देश	11	8
कवि धावत राय के अप्रकाशित पद	अहिंसा वाणी	14	5
कतिपय महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक रचनाओं			
की अपूर्ण प्रतियाँ	अहिंसा वाणी	15	11
कवि लालचन्द रचित एक प्रशस्त गणित	अहिंसा वाणी	16	2
कवि चतुर्भुज और उनकी रचनाएँ	अजन्ता	5	1
कांपिल्य तीर्थ	कुशल संदेश	4	9
कलकत्ता में भगवान शांतिनाथ जन्मोत्सव			
और अष्टप्रकारी पूजा	कुशल संदेश	5	5
कसौटी	कुशल संदेश	1	2
किससे क्या शिक्षा लें?	शान्ति संदेश	3	4
कविवर धर्मवर्धन की सवा सौ सीख	साधना	4	4
किससे क्या शिक्षा लें?	शक्ति	अप्रैल 1956	
कर्म शास्त्री विद समदेवगणि	श्रमण	29	9
कुंभारीय तीर्थ का कलापूर्ण भंडार	श्रमण	25	6
कतिपय जैनोत्तर ग्रंथों की अज्ञात सटीका	श्रमण	30	2
कवि लावण्य समय की नारी प्रशंसा	जीवन साहित्य	16	8
कच्छ में ब्रज भाषा की शिक्षा का प्राचीन प्रयत्न	जीवन साहित्य	14	2
कवि कुंवर कुशल रचित पारसात नाममाला	जीवन साहित्य	14	6
क्या गांधीजी सवा सौ वर्ष नहीं जिए	जीवन साहित्य	9	4
काव्य कल्पलता वृत्ति	श्रमण	9	5
क्या कृष्णगच्छ स्थापना 130 में हुई?	श्रमण	24	2
कल्पसूत्र का हिन्दी पद्य अनुवाद	श्रमण	6	12
कतिपय प्राचीन राजस्थानी गद्य कथाएँ	मरु भारती	14	9
कवि छल्ल कृत अरडकमल्ल का चार भाषाओं में वर्णन मरु भारती		16	1
कथात्मक पद्यानि	मरु भारती	20	1
कथा रत्नाकार की कुछ कथाएँ	मरु भारती	23	1
कवि मालदेव रचित विक्रम चौपाई के सुभाषित	मरु भारती	23	4
कच्छ में रचित संगीत का उल्लेखित हिन्दी ग्रंथ	संगीत	40	7
काम रूप कथा महाकाव्य में राम प्रकरण	संगीत	30	12
लौकागच्छ के कतिपय आचार्य सम्बन्धी	सुधर्मा	6	4
केवल कहना ही नहीं, करना भी सीखिए	सुधर्मा	6	5
कम्प्यूडी और उसकी रचनाएँ	श्रमणोपासक	15	15
कन्नड़ साहित्य में जैन दर्शन	सम्पति वाणी	1	4
कवि ममरेज रचित विरचित अजिर्ण नाथ	वरदा	17	3
कवि कुशल धीर विरचित उधम कर्म संवाद	वरदा	17	3
कवि कीर्तिवर्द्धन रचित दीपक बत्तीसी	वरदा	18	4

कवि जायसी उल्लिखित पदमावती की कथा	समालोचना पत्रिका	2	9
कडवा साह रचित करमसी चहुआन रास	शोध पत्रिका	8	4
कवि रोड कृत ऋषभदेव छन्दोलक घटना का एक अन्य सार्थक परिणाम	शोध पत्रिका	15	1
कवि जयसिंह रचित हरिरासु	शोध पत्रिका	15	4
कविराजा बांकीदास की अज्ञात रचना	शोध पत्रिका	23	4
कवि रत्न कृत गोरा-बादल चौपाई तथा अन्य रचना	शोध पत्रिका	26	1
कवि बेला रचित चित्रकूट चैत्य परिपाटी	शोध पत्रिका	31	1
कथा-साहित्य मानव के चरित्रोत्थान का एक सबल साधन	अध्ययन अनु.	मार्च 1977	
कवि देपाल रचित एक अज्ञात ऐतिहासिक रचना : भीमशाह रास	जैन संदेश	जून 1976	47
क्या संदेश रासक का रचयिता मत्स्य देश का था?	साहित्य संदेश	25	3
क्या भैया भगवतीदास बनारसीदास के पाँच मित्रों में से थे?	साहित्य संदेश	25	12
कवि सुख सारण रचित मीरा बाई की परची का रचनाकाल	साहित्य संदेश	27	3
क्या भक्तमाल के रचयिता राघवदास चाण्डाल गौत्र के थे?	साहित्य संदेश	26	3
कच्छी भाषा में रचित महावीर बावनी	अहिंसा वाणी	30	5-6
कवि पदम रचित महावीर रास	जैन संदेश	31	44
कम्पित्यपुर तीर्थ	कुशल निर्देश	4	9
कम्पिलाजी के अभिलेख	कुशल निर्देश	4	10
कुलपति मिश्र की दो अन्य रचनाएँ	साहित्य संदेश	28	12
कवि लच्छीराम की अन्य रचनाएँ	सम्मेलन पत्रिका	57	4
क्या हियहुलास तानसेन की रचना है?	सम्मेलन पत्रिका	56	2-3
कलकत्ता में भगवान शांतिनाथ जन्मोत्सव और अष्टकारी पूजा	कुशल निर्देश	5	5
कतिपय अज्ञात फागु काव्यों की खोज	सम्मेलन पत्रिका	51	3-4
कई भाषाओं एवं बोलियों की मिश्रित रचनाएँ	सम्मेलन पत्रिका	46	4
कवि मेघ रचित गोपीचन्द कथा	साहित्य संदेश	18	9
किशोरदास कृत गीता-भाषा टीका	साहित्य संदेश	19	10
कतिपय हिन्दी कवियों के पद्य का एक संग्रह	साहित्य संदेश	20	4
कालकाचार्य	कुशल निर्देश	7	11
कायस्थ गोत्रावली	सरस्वती	66	24
कवि लच्छीराम रचित ज्ञान कहानी	सरस्वती	75	21
कच्छ सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण सचित्र गुजराती ग्रंथ	सरस्वती	75	23
क्रांतिकारी महावीर और उसके धर्म शासन की विशेषताएँ	सरस्वती	76	12
कविवर जान और उनका कायमरासो	हिन्दुस्तानी	15	2

कविवर जान का सबसे बड़ा ग्रन्थ बुद्धि	हिन्दुस्तानी	16	1
कविवर जान रचित आलिखा की पैडी	हिन्दुस्तानी	16	4
कवि वाजिद और उनकी रचना	हिन्दुस्तानी	23	1
कटु प्रश्न	कुशल निर्देश	3	10
कुछ प्रबोधक पद	कुशल निर्देश	3	11
कविवर जटमल नाहर और उनका ग्रन्थ	हिन्दुस्तानी	8	2
कुलपति मिश्र की एक अज्ञात रचना अन्याक्ति शतकम	हिन्दुस्तानी	35	2
कई भाषाओं में रचित लौकिक राज और रत्नकला चरित्र	हिन्दुस्तानी	36	2
कवि मतिराम रचित छन्द सार संग्रह	परिषद् पत्रिका	16	1
कविवर बिहारी की एक अज्ञात रचना कवित सवैया	परिषद् पत्रिका	14	4
कवि विजय शेखर के कतिपय अनुपलब्ध रास	परिषद् पत्रिका	7	4
एक अज्ञात ग्रन्थ	बल्लभीय सुधा	4	2
कवि लक्ष्मण रो देवी विलास	मरु वाणी	1	4
कवयित्री ताज की ग्रंथ संबंधी आपत्तियों पर विचार	ब्रज भारती	14	2
कवि जगतानन्द संबंधी कुछ विशेष जानकारी	ब्रज भारती	18	1,2,3
क्या श्रीपावन नरहड है	भार. साहित्य	2	4
कतिपय हिन्दी कवियों का परिचय	भार. साहित्य	4	4,5,6
कुशलधीर अर बोरी रचना	मरु वाणी	2	12
कठेई बल कठेई कल	मरु वाणी	2	12
कवि दामोदर रचित मदन शतक	भार. साहित्य	7	3,4
कवि हीरचन्द रचित रागमाला	भार. साहित्य	8	1
कवि जौन कृत ज्ञान दीप	ब्रजभारती	2	10
कृष्ण नाममाला डिंगल कोश की भूमिका	वरदा	4	4
काजी मुहम्मद के अप्रकाशित पद	वरदा	4	4
कवि धनसुख रचित साहित्य शिरोमणि	परिशोध	1969	9
कवि बुलाकीचन्द रचित वचन कोस और जैसवाल जाति	रसवन्ती	1	4
कवि आसिग कृत कवि जीवदया रास	भार. विद्या	1945	-
कटक में रचित हिन्दी जैन ग्रंथ	राष्ट्र भारती	14	10
कलिकाल सर्वज्ञ आचार्य हेमचन्द्र	राष्ट्र भारती	11	2
कच्छ में रचित संगीत विषयक 4 हिन्दी ग्रंथ	युग प्रभात	9	16
कवि बुलाकीचंद रचित वैताल्य कथा	युग प्रभात	10	5
कृष्ण रुकमणि वेलि का ब्रज भाषा में प्राचीन पद्यानुवाद	ब्रज भारती	10	2
कवयित्री ताज रचित एक महत्त्वपूर्ण अज्ञात ग्रंथ	ब्रज भारती	13	2
कवि पद्मनाथ विरचित डूंगर बावनी	वरदा	13	3
कमाल सेख वहावपीन और बाहबल के अप्रकाशित पद वरदा		8	3
काजी मुहमद के और अप्रकाशित पद तथा साखियाँ	वरदा	8	1
कविवर जान और उनके ग्रन्थ	राज. भारती	1	1

कवि हीरकलश और उनके ग्रन्थ	राज. भारती	2	2
एक अज्ञात ग्रन्थ	राज. भारती	3	2
कतिपय वर्णनात्मक राजस्थानी गद्य-संग्रह	राज. भारती	3	3,4
कुम्भा आसन की स्थापना और प्रस्तुत अंक	राज. भारती	3	2
कृष्ण रुक्मणि वेलि री टीकाएँ	राज. भारती	7	3
कर्म सत्ता आधार	विजयानन्द	6	11
कांगड़ा तीर्थ का एक अप्रकाशित प्राचीन स्तवन	विजयानन्द	8	9
कविवर बनारसीदास उल्लिखित भगोनीदास			
पं. भगवतीदास से भिन्न है	वीर वाणी	25	20-21
कवि दानतराय और उनके ग्रन्थ	वीर वाणी	2	19-20
क्या हमारी संस्था और विद्वान अब भी ध्यान नहीं देंगे	वीर वाणी	3	16
केशरिया तीर्थ के समझौते का सही रास्ता	वीर वाणी	2	11
कविवर विनोदीलाल और उनके ग्रंथ	वीर वाणी	2	5
कवि-परिचय में संशोधन	वीरवाणी	10	5
कविवर बनारसीदास के मित्र कोरपाल के ग्रंथ	वीरवाणी	11	20
कृष्णा बत्तीसी के रचयिता मुंशी माधोराम	वीणा	45	7
कविराज रसिक गोविंद कृत लक्ष्मण चन्द्रिका और			
उसका रचनाकाल	वीणा	35	4
कृपाराम बणसूर कृत सगुणा सत्रसाल री बात	मरु भारती		
कविया करनीदान की दो अप्रकाशित रचनाएँ	मरु भारती	11	1
कह बतिया दूहा	मरु भारती	5	1
कवि लालचंद रचित मुख्य सोलंकी और बुद्ध			
सुधा वंश	मरु भारती	5	1
कवि मंडल के 5 हिन्दी ऐतिहासिक काव्य	नागरी प्रचा.	73	1-4
क्या कवि जटमल नाहर मुसलमान थे?	नागरी प्रचा.	61	4
कवि नरहरिदास का अवतार चरित्र	प्रेरणा	8	1
कविवर समयसुंदर की अबोधक वाणी	जैन भारती	12	11-12
कविवर सूरचन्द्र रचित अज्ञात काव्य की उपलब्धि	जैन भारती	13	6
कवि बुलाकीचंद रचित वचन-कोश	जैन संदेश	22	33
कटक में रचित एक हिन्दी जैन ग्रन्थ	जैन संदेश	22	33
कविवर बनारसीदास के गुरु भानुचन्द्र			
रचित मृगांक लेखा चौपाई	जैन संदेश	28	1
कविवर समयसुंदर का प्रेरणादायक संदेश	जैन जगत	9	4
कवि विनोदीलाल के अप्रकाशित पद	जैन जगत	16	12-13
केशव रचित कलजुग चौपाई	जैन जगत	17	2
कवि आनन्दवर्द्धन रचित भक्तामर और			
कल्याण मन्दिर की रचना	वीर वाणी	17	6-7
कवि शान्तराज रचित पंच संधान महाकाव्य	वीर वाणी	20	21
क्या बीस पंथ का नाम विषम पंथ था	वीर वाणी	23	8

क्या दिगम्बर समाज में तपागच्छ और खरतरगच्छ थे? जैन सिद्धान्त	4	4	
कवि हीरकलश रचित जोई साहिर	जैन सिद्धान्त	20	2
क्या पावागढ़ दिगम्बर तीर्थ है?	जैन सिद्धान्त	6	3
कहानी की जन्मकथा	भारती	2	18
कविवर लावण्यसमय रचित महालक्ष्मी गीत	जैन सिद्धान्त	66	42
कापरड़ा तीर्थ का वास्तविक इतिहास	श्वेताम्बर जैन	19	38
कुंभारिया तीर्थ का कलापूर्ण महावीर मन्दिर	मंगल ज्योति	3	6
कल्याण तीर्थ और जैन लेखकों का कर्तव्य	जैन सिद्धान्त	55	23
क्या कल्पवृक्षों की कहानी झूठी है	विशाल राज.	1960	-
कविवर विजयचन्द का वर्ष वर्णन	अमर ज्योति	9	5
कतिपय अप्राप्त जैन ऐतिहासिक रास	जैन	59	43
कालकाचार्य और उनकी कथाएँ	जैन	44	34
केशरिया तीर्थ के समझौते का सही रास्ता	जैन	46	39
कोटा के चन्द्रप्रभु की प्रतिष्ठा और उसके प्रतिष्ठा-पत्र	स्वदेश	3	38
कहानियों का भण्डार-राजस्थान	अमर ज्योति	9	13
कल्पसूत्र के हिन्दी ग्रन्थ पद्यानुवाद	जैन भारती	12	44
करुणा के प्रतीक सेठ आनन्दराज सुराणा	करुणा दीप	8	10
कडुआ मत की मान्यताओं पर प्रकाश	जैन भारती	6	2
कवि रघुपति और उनकी रचनाएँ	जैन भारती	6	24
कल्पसूत्र हिन्दी	जैन भारती	6	51
कुंभारिया तीर्थ का कलापूर्ण महावीर मन्दिर	युगवीर	6	35,36
कतिपय दिगम्बर प्रतिमा लेख	जैन संदेश	11	20
कलाधाम देवगढ़ की जैन मूर्तियाँ	वीर	48	7
कल्याण मंदिर स्तोत्र के रचयिता	जैन संदेश	10	33
काष्ठा संघ की भट्टारक परम्परा की नामावली	जैन संदेश	11	2
कल्याण का तीर्थ और जैन लेखकों का कर्तव्य	वीर	31	23
क्या जैनों में अहिंसा सिद्धान्त भागवत सम्प्रदाय से लिया है?	जैन संदेश	20	28
कल्पसूत्र वृत्ति (कलकत्ता) की प्रशस्ति पर विशेष प्रकाश	जैन संदेश	12	4
केरल में जैन धर्म	जैन दर्शन	17	31
कतिपय प्राचीन ग्रन्थकारों के समय सम्बन्धी नवीन ज्ञातव्य	जैन संदेश	12	29
कवि सम्राट पीथल की साहित्य-साधना	लोकमत	12	11
केसर विक्रेताओं से	जैन संदेश	14	45
करुणा वात्सल्य की साक्षात् तस्वीर : सेठ आनन्दराज सुराणा	जैन प्रकाश	63	10
कल्याण मंदिर स्त्रोत के रचयिता कौन और कब हुए	कुशल निर्देश	10	10

रुद्रा

खुमान रासो लेख संबंधी कुछ संशोधनीय बातें	नागरी प्रवा.	82	1-2
खरतरगच्छ का श्रमण समुदाय	सेवा समाज	5	31-34
खरतरगच्छ की स्थापना का सही समय व स्थान	श्री जिनदत्त सूरि		
	सेवा संघ स्मारिका	1960	14-15
खरतरगच्छ के आचार्यों द्वारा प्रतिबोधित			
जैन जातियाँ व गौत्र	स्मारिका	8 फरवरी 1073	
खरतरगच्छीय साध्वी समुदाय	कुशल निर्देश	7	6-7
खोडा अर चोटियाला दूहा	मरु वाणी	5	5
ख्यालों की पूर्व परम्परा	लोककला	1	2
खुमाण रासो का रचनाकाल	राष्ट्र भारती	7	7
खण्डेलवाल उत्पत्ति और गौत्र सूची	जैन सन्देश	25	45
खीष्टीयान धर्म में मान व उदार की दो बातें	अहिंसा वाणी	13	6
खंभात के दो महत्त्वपूर्ण जैन ग्रन्थ भण्डार	जीवन साहि.	24	11
खंजाची कला भवन में दि. हस्तलिखित ग्रन्थ	वीर वाणी	5	11-12
खेड़ का जैन शिलालेख	जैन सत्य प्रकाश	18	10
खेड़ के शान्ति जिनालय संबंधी उल्लेख	जैन सत्य प्रकाश	18	10
खरतरगच्छीय दो आचार्यों के रास का			
ऐतिहासिक सार	जैन सत्य प्रकाश	3	4
खरतरगच्छ के आद्य पुरुष श्री वर्धमानसूरि	कुशल निर्देश	11	9
खलखलिया सेठ	कुशल निर्देश	12	1

ग

गवालेरी भाषा में रचित अन्योक्ति बावनी	हिन्दुस्तानी	37	4
गुजराती साहित्यकार श्री धीरजलाल टी. शाह	सरस्वती	67	2
गुजराती साहित्य के विशिष्ट लेखक जय भिक्षु	जीवन साहित्य	फर. 1977	
गजनामा ख्यात में पृथ्वीराज तथा ईसर रो एक प्रसंग	जागती जोत	1	3-4
गुरुमत संगीत संबंधी डॉ. जयराम मिश्र का विवरण	संगीत	39	8
गोपालगढ़ में रचित एक प्राचीन ग्रंथ विलहण	भारती	3	3
गोरखनाथजी का एक अप्रकाशित प्राचीन पद	योग वाणी	4	1
गणेश और सूर्योपासना संबंधी अन्य रचनायें	ब्रज भारती	26	2
ग्रन्थानुसंधान अंबिका देवी पूर्व भव वर्णन	हिन्दी अनु.	8	4
गांधीजी के जीवन से हम क्या सीखें : सेवा और श्रम गांधी जयन्ती	विशेषांक		
	स्मारिका		
गुजराती लोक साहित्य समिति का महत्त्वपूर्ण प्रकाशन राष्ट्र भारती		21	3
गुजरात में मीरा बाई संबंधी संशोधन कार्य	राष्ट्र भारती	21	3
गुजरात के हस्तलिखित संग्रहालयों में हिन्दी ग्रंथ	राष्ट्र विद्या	12	3
गौरव सम्पन्न महातीर्थ-श्री नगर (कोट कांगड़ा)	बल्लभ संदेश	6	4
गुप्तकालीन एक भव्य पार्श्वनाथ मूर्ति	तित्थयर	6	11

गोहत्या एक राष्ट्रीय ज्वलंत प्रश्न है	विजयानन्द	29	10
गुजरात में प्राप्त हमीर सम्बन्धी दो रचनाएं	मधुमती	4	6
गुरुनानक के समकालीन जैनाचार्य	तीर्थंकर	2	6
गुरु पदावली चौपाई संबंधी स्पष्टीकरण	जैन धर्म प्रकाश	91	7-8
गुजरात श्वे. जैन मूर्ति विधान सम्बन्धी एक			
महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ : गुजरात नुं मूर्ति निधान	शाश्वत धर्म	30	1
गुणवान कैसे बनें	स्मारिका	सितम्बर 1973	
गुणों की कीमत	कुशल निर्देश	2	1
गाँधीजी के जीवन से हम क्या सीखें	समिति पत्रिका	9	9-10
गोगादे चौहान	भारती	3	8
गीता के राजस्थानी अनुवादक जैन कवि थिरपाल	श्रमण	26	10
गुजरात एवं राजस्थान के भवाई	रंगायन		अगस्त 1979
गुरुमत संगीत सम्बन्धी डा. जयराम मिश्र का विवरण			
गीता में अहिंसा सम्बन्धी महत्त्व के उल्लेख	अहिंसा दर्शन	1	7
गंगादास के लिये रचित हिन्दी रागमाला	संगीत	38	9
गोरखनाथ रचित जोग पावड़ी	सप्त सिन्धु	15	7
अग्रवाल जैन जाति का इतिहास			
शीघ्र प्रकाशित हो	अग्रवाल संदेश		
ग्रहण शक्ति और निर्मलता बढ़ाइये	कल्प वृक्ष	35	8
गोधा रासो	मरु भारती	2	3
गौडी पार्श्वनाथ तीर्थ और पाकिस्तान व			
बंगलादेश के जिनालय	तित्थयर	13	5
गुरु चेला संवाद	राजस्थान भारती	2	1
गुढाओं के संकेत	राजस्थान भारती	3	4
गोपाल नायक उलाउद्दीन के समय में ही हुए	सरस्वती	61	24
गोस्वामी रसालगिरी रचित स्वरोदय भाषा			
का रचनाकाल	साहित्य संदेश	25	4
गुजरात लोक साहित्य समिति का महत्त्वपूर्ण प्रकाशन	राष्ट्र भारती	21	3
ग्रन्थानुसंधान रुद्रपल्लीय पृथ्वीचन्द्र रचित रस विलास	हिन्दी अनुशीलन	8	3
गोरखवाणी के पुनर्सम्पादन की आवश्यकता	साहित्य संदेश	16	4
गुजरात के भक्त कवि दयाराम की ब्रज भाषा			
की रचनायें	राष्ट्र भारती	8	10
गोरखनाथ गोरख पंथ	मध्यप्रदेश संदेश	61	34
गुण कीर्ति रचित रामसीता रास	राष्ट्र भारती	14	2
ग्रन्थानुसंधान नागजी नागवन्ती वार्ता	हिन्दी अनु. पत्रिका	8	1-2
ग्रन्थानुसंधान संस्कृत टीकावली 11वीं शती			
की एक अपभ्रंश रचना	हिन्दी अनु. पत्रिका	7	4
गौऊवाच	गौरक्षण	4	9
गुजरात में लोक कथा संबंधी कार्य	आजकल	10	1
गोपीचन्द आख्यान और राज. लोकगीत	अजन्ता	7	8

गुणानुरागी बनिए	कल्याण	32	3
गुजरात में प्राप्त हमीर संबंधी दो रचनाएँ	मधुमती	4	5
ग्रहण शक्ति का विकास	कल्याण	5	10
गृहस्थ का सामान्य धर्म	दिव्य ध्वनि	57	1-2
गुजरात के एक महान भक्त सन्त	जीवन साहित्य	33	2
गुजराती लोकागच्छ के आचार्य रतनसी	जिन वाणी	23	5
गजनामा ख्यात में पृथ्वीराज तथा ईश्वरदास के प्रसंग	जिन वाणी	1	3-4
गुलाब पंथ और उसकी मान्यता	जिन वाणी	18	10
गीता संज्ञक कतिपय और जैन रचनायें	वीर वाणी	6	3-4
गोपीचन्द आख्यान और राज. लोक गीत	अजन्ता	7	8
गीतकार समयसुन्दर और उनके प्रयुक्त गीत	अजन्ता	10	6
गीता के राजस्थानी पद अनुवाद	अजन्ता	12	2-3
ग्रन्थ प्रशस्ति संग्रह और दिगम्बर समाज	अनेकान्त	5	1
गुणों की कीमत	कुशल निर्देश	2	1
गुरु पारत श्रय (अपरहिय)	कुशल निर्देश	1+	7
गुजराती शतावधानी प. धीरजलाल टी. शाह	कुशल निर्देश	11	1
गुरु मनसुखलाल ताराचन्द मोहता :			
पाप का मूल परिग्रह	कुशल निर्देश	11	1
गुजरात की एक महत्त्वपूर्ण संस्था	अवन्तिका	2	1
गुणवान कैसे बने	जीवन यज्ञ	2	11
गुणग्राही बनिये	शांति संदेश	2	9
गर्भापरण संबंधी बातें	श्रमण	23	10
गीता संज्ञक जैन रचनायें	श्रमण	2	9
ग्यारह गणधर संबंधी ज्ञातव्य बातें	श्रमण	24	5
गांधीजी की शिक्षायें	जीवन साहित्य	अक्टू. 1974	
गुजराती साहित्य के विशिष्ट लेखक जय भिक्षु	जीवन साहित्य	फरवरी 77	
गंगादास के लिखे रचित हिन्दी ग्रन्थ	संगीत	38	9
गृहस्थ का सामान्य जीवन	सुधर्मा	5	8
गुडराज (पंचमी शदी अज्ञात काव्य)	स्वाध्याय	11	2
गुजरात सोरठ देश तीर्थमाला	स्वाध्याय	14	4
गुणपाल रचित चहुआण रायसल गीत	वरदा	19	1-2
गोस्वामी रसालगिरी रचित स्वरोदय भाषा			
का रचनाकाल	साहित्य संदेश	25	4
गोरखवाणी के पुनर्सम्पादन की आवश्यकता	सरस्वती	67	21
ग्रन्थानुसंधान : अंबिकादेवी पूर्वभव वर्णन	हिन्दी अनु.	8	4
ग्रन्थानुसंधान : हीरानंद सूरि रचित कलिकाल रास	हिंदी अनु. पत्रिका	10	1
ग्वालेरी भाषा में रचित अन्योक्ति बावनी	हिन्दुस्तानी	37	4
गुरु परम्परा प्रशस्ति	कुशल निर्देश	10	8
गैरो पंडित ओछो सेठ	राज. वीर	19	5

गुजराती का एक महान शब्द कोष	भाषा	2	2
ग्रन्थानुसंधान-बारहमासा की परम्परा	हिन्दी अनु. पत्रिका	6	4
ग्रन्थानुसंधान-तेरहवीं शताब्दी का एक अप्रसिद्ध ग्रन्थ	हिन्दी अनु. पत्रिका	6	4
ग्रन्थानुसंधान-संस्कृत टीकावाणी 11वीं शताब्दी की एक अपभ्रंश रचना	हिन्दी अनु. पत्रिका	7	4
ग्रन्थानुसंधान-तीखी रात की रचभूयद्र रास	हिन्दी अनु. पत्रिका	7	3
गौड़ में ही झौड़	हिन्दी अनु. पत्रिका	7	3
गुजरात के भक्त कवि दयाराम की ब्रज भाषा की रचना	राष्ट्रभारती	8	10
गुरुनानक रचित जपुजी का परमार्थ	परिशोध	1968	4
गुणकीर्ति रचित रामसीता रास	परिशोध	14	2
गोपालगढ में रचित एक प्राचीन ग्रंथ विलहण चरित्र	भारती	3	3
गुरु का महत्त्व	भारती	4	12
गद्यसुकुमाल रास	राज. भारती	3	2
गुण विलास और वीर विलास के रचयिता			
नथमल भिन्न-भिन्न है	वीरवाणी	25	15
गुटका नं. 262 का विशेष विवरण	वीरवाणी	8	13
ग्राम संस्कृति और जैन साहित्य	वीणा	44	4-5
गुमान कुंवर रचित तीन पद	प्रेरणा	8	4-5
गौतम रास के रचयिता विनयप्रभ संबंधी संशोधन	वीर वाणी	17	5
गुजराती भाषा में दिगम्बर साहित्य	जैन सि. भास्कर	9	1
गोशालक के शब्दों में महावीर स्तुति	पत्र सि. भास्कर	10	1
गऊ पुकार	हिंसा विरोध	19	8
गौडीय सम्प्रदाय के मंदिर	अमर ज्योति	10-1-65	
गिरीराज तीर्थों के रास्ते	वीर संदेश	2	1
ग्रन्थावल के प्राचीन जैन शिल्प कला व अवशेषों के संरक्षण की आवश्यकता	जैन सन्देश	18	38
गम्भीर समस्या	श्वेताम्बर जैन	24	36
गोष्मावकाश में शिक्षण और साधनादि शिविरों की आवश्यकता है	जैन शासन	3	21
गुप्तकाल और पूर्व मध्यकालीन जैन धर्म पर वासुदेव उपाध्याय का वक्तव्य	जैन भारती	2	12
घ			
घृत के विविध लाभकारी प्रयोग	स्वास्थ्य सरिता	3	9
च			
चूंची	राज. भारती	1950	1
चाय का बढ़ता हुआ प्रचार और उसका शरीर पर पड़ने वाला प्रभाव	अणुव्रत	मार्च 1968	

चौरासी जातियों की विभिन्न नामावलियां	जैन सन्देश	31	26
24 तीर्थकरों के नामों में नाथ शब्द का प्रयोग कब से	श्रमण	22	1
चम्पापुरी तीर्थ	कुशल निर्देश	3	1
चरम तीर्थकर भगवान महावीर	अहिंसा वाणी	26	11
चौहान फकीरचन्द्र कृत बाघ विलास की उपलब्धि	संगीत वाणी	40	12
चमत्कारिक प्रतिभा के धनी : श्री भंवरलाल नाहटा	कथालोक	12	1
चित्र और रंग बनाने की प्राचीन पद्धतियाँ	आकृति	जुलाई 1977	
चन्द्रलाल गुंसाई कृत भगवत सार प्रणिनी	राष्ट्रभाषा	-	-
चार परीक्षक	कथालोक	2	3
चेले की अक्लमंदी	कुशल-संदेश	1	2
चम्पक सेठ	कुशल-संदेश	10	6
चंदेरी के राजा देवीसिंह की हिन्दी साहित्य सेवा	मध्य प्रदेश संदेश	2	26
चारण भक्त कवियों सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण पद	चारण साहित्य	1976	-
चार अकल बहादुरों की बात	वरदा	2014 प्रथमांक	
चौसठ योगिनियों की नामावली	शोध पत्रिका	14	1
चित्तौड़ की रानी पद्मनी सम्बन्धी एक प्राचीन सूचना	1962	12	1
चित्त की प्रसन्नता का सर्वोत्तम उपाय भजन	श्री गुरुदेव	स्पिट 1980	
चित्रकूट चैत्य परिपाटी	शोध पत्रिका	18	4
चार कालकाचार्य	कुशल निर्देश	7	11
चारण कवि दानै आसिये रो विरद प्रकाश	मरु वाणी	7	11-12
चौधरी काल काव्यो	मरु वाणी	3	3
चौहान फकीरचन्द्र कृत वाद विवेक विलास की उपलब्धि	संगीत	40	12
चण्डकोशिक असंग-स्थान योगी पहाड़ी	श्रमण	22	12
चित्तौड़गढ़ का नामकरण चित्त-तोड़ शब्द नहीं हुआ	वीर वाणी	34	8
चारण कवयित्री पदमा के तीन अप्रकाशित गीत	चारण बंधु	15	5
चारण कवयित्री श्री सोभाग्यवती देवी रचित करणी करुणा कुंज के कतिपय पद्य	चारण	7	2.3
चारण कवि दुरसा आढा की पीतल मूर्ति	-	3	3-4
चौदहवीं शती का एक राजस्थानी गद्य ग्रन्थ	-	3	3-4
चौधरी की चतुराई	मरु वाणी	2	1
चार आवश्यक बातें	कल्याण पत्रिका	50	3
14वीं शताब्दी के महावीर जन्माभिषेक और वीरजिन कलश	स्मारिका महावीर	1973	-
14वीं शताब्दी की कतिपय राज. जैन गद्य रचनाएं	देवनगर पत्रिका	1	3
चारों श्रेष्ठ विशिष्ट कौन कानड़ कठियारा	गुरुदेव	1965	नवम्
चैतन्य सम्प्रदाय का एक प्राचीन हिन्दी नाटक गोविन्द हुलास	गोडिय	4	9

चलचित्र और चरित्रहीनता	चरित्र निर्माण	5	5-6
चक्रवर्ती तीर्थकर शान्तिनाथ	कुशल संदेश	1	3
चारण कवि नरहरि दास रचित ऋषभदेव चरित्र	जिनवाणी	25	3
चारणों संबंधी जैन दृष्टिकोण	-	15	8
चन्दन मलयागिरि	कल्पना	8	12
चन्दन षष्ठि व्रत कथा पर प्रकाश	वीर वाणी	7	34
चिंतामणीजी के मंदिर की मूर्तियों के लेख	राजस्थानी	3	2
चित्तौड़ के जैन कीर्ति स्तम्भ का निर्माण काल एवं निर्माता	अनेकावत	8	3
चमत्कारी तीर्थ स्थान नाल	कुशल निर्देश	6	3
चमत्कार	-	6	4
चार : प्रत्येक बुद्ध		11	7
चार लाख श्लोकों का सार एक श्लोक में	अग्रगामी	2	7
चाहक द्वारा बेबेरक विजय कर पट्टकालिकों को पाटन में बसाना	कुशल निर्देश	12	7
चितारे की चतुर बेटी	-	5	7
चन्द्रसखी के अप्रकाशित भजन	-	3	3
चन्द्र विधायक आदि	श्रमण	5	6
चौबीस श्लोकों पर चौबीस लोक कथाएं	मरु भारती	15	1
चतुरदास कृत भागवत एकादश स्कंध का रचनाकाल सं. 1652 नहीं 1692 है	मरु भारती	21	4
चारों श्रेष्ठ पर विशिष्ट कौन	सुधर्मा	6	6
चिन्तावाणी जोग	संतवाणी	3	3
चिदानंदजी रचनाओं में प्रयुक्त दृष्टांत उपमाएं	संतवाणी	3	13
चम्पक सेठ कहानी	शाश्वत धर्म	12	3
चक्रवर्ती तीर्थकर जय	शाश्वत धर्म	8	1
चंद कालीन बुन्देल खण्ड के इतिहास में जैन संबंधी विवरण	सन्मति वाणी	2	11
चित्तौड़ की रानी पद्मनी संबंधी एक प्राचीन रचना	शोध पत्रिका	12	1
चित्तौड़ के प्राचीन जैन मंदिर	शोध पत्रिका	12	1
चंद्रावती की दो प्रशस्तियां और पीढ़ियां की हकीकत	शोध पत्रिका	19	4
चित्रकूट चैत्य परिपाटी	शोध पत्रिका	18	4
चून्डी के रचयिता विनयचन्द्र का समय	जैन संदेश	27	78
चेतन कवि सम्बन्धित विशेष जानकारी	जैन संदेश	29	7
चौरासी जातियों की विभिन्न नामावलियाँ	जैन संदेश	31	267
14वीं शताब्दी का राजतिलक कृत शालिभद्र रास	सम्मेलन पत्रिका	55	1-2
चार वर्णों सम्बन्धी ज्ञान दृष्टिकोण	सिद्धान्त	14	24
चौरासी संख्यात्मक बातें	हिन्दुस्तानी	18	1-2
चर्चरी संज्ञक अप्रकाशित रचना	परिषद पत्रिका	9	2

चंदेरी के महाराजा दुर्गासिंह रचित ज्योतिष रत्न	रसवर्ती	2	19
चौधरी काल काव्यों	मरु बाणी-2	3	3
चाव कुंवारी बाई	प्रेरणा	10	10
चार अक्ल बहादुरों की बात	वरदा	10	10
चित्र परिचय	भारती विद्या	1945	-
चौदहवीं सदी का एक राजस्थानी गद्य ग्रंथ			
तत्त्व विचार	राज भारती	3 *	3-4
चंद और पेमला लच्छी की कथा	मरु भारती	6	156
चकरिये के सोरठे	प्रेरणा	7	1
14वीं शती के विनय प्रभोपाध्याय के			
उल्लेखनीय श्वेताम्बर जैन तीर्थ	-	7	2
चार वर्षों सम्बन्धी भारतीय दृष्टिकोण	जैन जगत	14	8
चौरासी आगमों की नामावलियाँ	जैन भारती	11	14
चेइअ शब्द का अर्थ	जैन	58	1
चिन्तामणी मंदिर के निर्माता अग्रचन्द कोठारी			
निवास स्थान सम्बन्धी खोज	श्वेताम्बर जैन	19	29
चौरासी लक्ष जीव योनि	जैन भारती	12	36
चारणी साहित्य	अमर ज्योति	16	4
चैत्य वन्दना स्तोत्र प्रसिद्ध व प्रकाशित है	जैन सन्देश	30	23
चतुर्विंशति स्तवन का पाठभेद और एक			
अतिरिक्त गाथा	वीर	49	14
चौथ माता री काणी	लाडेसर	1	82
चातुर्मास पद्धति	श्वेताम्बर जैन	16	18
चार कषाय संबंधी एक उल्लेखनीय कृति	श्री जैन धर्म प्रकाश	81	5
चतुर्विंशति जिन स्तवनम्	जैन भारती	3	40

छ

छोती रास (छुआछूत विरोधी एक प्राचीन राजस्थानी रचना)	वरदा	3	3
छठा निहवव रोहगुप्त	कुशल निर्देश	9	9
छन्द कोष और शील संरक्षण नो उपाय	अनकोन्त	14	7
छः बादशाही चुटकला	कुरजो	1	12-10
छः धर्म कथाएँ	कुशल निर्देश	10	4
छोटी-सी डिबिया में चार लाख विचार	वीर संदेश	3	5
छैं और सिलोक	जैन सत्य प्रकाश	13	2
छतीसे री कथा	वरदा	19	1-2
छह दशों के तैंतालीस भेद	सिद्धान्त	20	10
छह दर्शन और एक पाखंड आदि के उल्लेख	कुशल निर्देश	18	10-11
छिताई वार्ता	विशाल भारत	31	1

ज

जैन-आगमों में श्रीकृष्ण द्रोपदी	सरस्वती	75	1
जैन-ग्रन्थों में नारद सम्बन्धी उल्लेख	सरस्वती	69	2
जैन-कवि कुशललाभ और उनका पिंगल शिरोमणी छंद शास्त्र	राज. भारती	1	4
जैनाचार्य इन्द्र नंदी सूरी का ऐतिहासिक वृत्तान्त	जैन सिद्धान्त	29	1
जयसिंह सूरी रचित अप्रसिद्ध ऋषभदेव और			
वीर चरित्र युगल काव्य	श्रमण	30	3
जोनपुर की बड़ी मस्जिद क्या जैन मन्दिर है	श्रमण	30	6
जिनराज सूरी विरचित नैषध महाकाव्य कृति	श्रमण	20	8
जिनदत्त सूरी का शकुन शास्त्र एवं			
हरिभद्र सूरी का व्यवहार काव्य	श्रमण	30	9
जैन-दर्शन में मुक्ति-साधना	स्मारिका	-	-
जैन-बाल कथा साहित्य के प्रकाशन की परम आवश्यकता	सुधर्मा	20	5
जैन-धर्म में भावना योग	सुधर्मा	21	7
जैसलमेर के महत्त्वपूर्ण जैन-ज्ञान-भण्डार	संस्कृति	23	4
जैन-धर्म प्रचारकों की आवश्यकता	वीतराग वाणी	2	12
जैन-ग्रन्थों का एक विशाल केन्द्र स्थापित किया जाना आवश्यक	वीतराग वाणी	2	10
जोधपुर के महाराजा जसवंत कृत विवेकसिंधु रा दूहा	सम्मेलन पत्रिका	59	1
जैन-विद्वानों की बौद्ध साहित्य की सेवा	सरस्वती	91	2
जैन-चित्रकला की विशिष्ट उपलब्धि	संस्कृति	18	1
जैन-धर्म प्रचार के लिये प्रचारकों की अनिवार्यता	बालाश्रम	1	9
जैनागमों में श्रीकृष्ण	विश्व भारती प.	3	4
जैन-धर्म में नैतिकता का आदर्श	विजयानन्द	9	11
जैन-विद्वानों की राजस्थानी सेवा	जैन भारती	9	11
जैन सन्त सहजानन्दजी की अनुभव वाणी	जैन भारती	11	7
जैन-धर्म में सम्प्रदायों का उद्भव एवं विकास	जैन भारती	28	29
जैन-धर्म का प्रचार और जैन समाज	जैन भारती	23	29
जैन-धर्म में नैतिकता व आदर्श	विजयानन्द	9	6
जैन-कवियों के संगीतमय भक्ति पद	संगीत	36	2
जैन-मिशन प्रचार कर रहा है	अहिंसा वाणी	14	23
जैन-धर्म की विशेषतायें	श्री अमर भारती	17	5
जीवन के कुछ चमत्कारिक प्रसंग	कथालोक	6	2
जयपुरी कला का एक विशिष्ट रुचिक विज्ञप्ति लेख	आकृति	10	1-2
जैन-चित्रकला की एक विशिष्ट उपलब्धि सचित्र विज्ञप्ति पत्र	आकृति	जनवरी 1976	
जैन-धर्म में नारी	महिला जागरण	28	1
जैन-साहित्य के पाश्चात्य सेवक	जैन जगत	11	2

जैसलमेर के कवि जगन्नाथ रचित कोक भूषण	राष्ट्र भाषा	15	2
जैन कवियों द्वारा नारी प्रशंसा	सुधर्मा	18	8
जैन सम्प्रदायों की एकता का पहला कदम	जैन जगत	11	11
जैन सम्प्रदायों की एकता की भूमिका	जैन जगत	11	10
जैन कथा कोश आवश्यकता	ओसवाल	8	1
जैन तीर्थों के विकास में खरतरगच्छ का योगदान	कुशल संदेश	1	4
जैनागमों का सांस्कृतिक महत्त्व	कुशल संदेश		
जैन मंदिरों के व्यवस्थापकों से दो जरूरी बातें	कुशल संदेश	1	2
जैन संस्कृति का मूलाधार त्याग-धर्म	श्री अमर भारती	8	3
जिन वाणी नये रूप में	जिन वाणी	24	11
'जाट की मूर्खता' कहानी की सार्थकता	साधना	1970	
जैन धर्म की विशेषता	श्री अमर भारती	17	5
जौनपुर लिखित भगवती सूत्र प्रशिष्ट	अनेकान्त	18	5
जैन सिद्धान्त का सार तत्व समत्व	जैन जगत	34	11
जैन धातु मूर्तियों की प्राचीनता	अनेकान्त	10	7-8
जैन चम्पू काव्यों का अध्ययन	अनेकान्त	19	6
जीवन कस कलैरी रचित गीता भाषा	मरु वाणी	3	3
जैन आगमों में ज्योतिष लोक एवं 88 ग्रहों का वर्णन	ज्योतिष्मती	14	4
जयपुर के कवि रसरसि के पद्य में दिवान जीवराज सिंघी का उल्लेख	वीर वाणी	29	1
जैन संस्कृति का मूलाधार : त्याग	दिग. जैन संस्कृत विद्यालय बीना	स्मारिका	
जेठवा के अप्रकाशित सोरठे	वरदा	6	1
जयपुर में रचित खरतरगच्छीय श्वे. साहित्य	वीर वाणी	19	20
जैन आगमों में ज्योतिष विज्ञान	ज्योति कलाद्रुम	1	1
जैन कथा कोश की आवश्यकता	राज. भारती	1	4
जैन कवि कुशललाम और उनका पिंगल शिरामणि छन्द शास्त्र	राज. भारती	1	4
जैन कवि उदयचन्द रचित बीकानेर गजल	वैचारिकी	1	2-3
जड़मती होत सुजान	ब्रह्मज्ञानी	12	3
जैन विश्वविद्यालय की अनिवार्यता एवं आवश्यकता	वल्लभ संदेश	7	7
जैनेतर विद्वानों से सहयोग लेना अनिवार्य	वल्लभ संदेश	2	12
जैन मूर्तियों की प्रतिष्ठा और अष्ट प्रकारी पूजा की परम्परा प्राचीन है	वल्लभ संदेश	10	3
जोधपुर इतिहास के कुछ विचारणीय प्रश्न	वैचारिकी	2	3-4
जैन धर्म के सम्प्रदायों की एकता के सम्बन्ध में सुझाव	जैन जगत	13	2-3
जीवन शुद्धि का राज मार्ग	बलदेव वन्दना	संवत् 2023	
जुफील्लाह के वचन से रचित रत्न प्रदीप			
जैन ज्योतिष ग्रंथ	वीर वाणी	26	21

जैन दर्शन में समता का स्वरूप	मनोपासक समता विशेषांक		
जैन धर्म और साहित्य में संकीर्तन	संकीर्तनीक	15	9
जगन कवि रचित सबरस नाममाला	साहित्य संदेश	33	7
जैनागमों व गीता में समत्व योग का समान महत्त्व	जमथीपासक	5 जनवरी	
ज्योतिषर्व दीपावली	सुधा बिन्दु	23	10-11
जयाचार्यजी	कर्म, राजस्थान	1	18
जोसी राई कृत दंपति विनोद	कुरजां	1	10-11
जैन शिल्प का विशिष्ट प्रकार का सहस्रकूट	जैन निबंधमाला	-	197
जैन संत साहित्य की उपेक्षा और हमारा कर्तव्य	वीर वाणी	6	6
जैन योगिराज स्व. मोतीचन्द्रजी महाराज	जैन जगत	13	9,10,11
जैन साहित्य के पाश्चात्य सेवक	जैन जगत	11	4
जैन पत्रकारों में सहयोगिता की आवश्यकता	जैन जगत	6	4
जैन साधु साध्वियों की संख्या	विजयानंद	26	7
जैन संत श्री चिदानंदजी की अनुभव वाणी	-	16	50
जैन साहित्य और कला में लक्ष्मी	पीयूष	19	1975
जिनवर सूरिजी की प्राकृत सेवा	श्रमण	14	4
जैन रास और स्तवनों में लोक संगीत	संगीत	1969 अप्रैल	
जैन इतिहास में धार नगरी	भारती	1	2
जोरावरमल पंचोली रचित जयमल चोढालिया	सुधर्मा	11	11
जैन पुरातत्व की खोज एवं संरक्षण	सन्मति वाणी	5	5
जैनागमों का सांस्कृतिक महत्त्व	श्री अमर भारती	20	2
जैन धर्म में ज्ञान महिमा	कुशल निर्देश	7	5
जैन साहित्य और कला में लक्ष्मी	पीयूष	सन् 1974-75	
जैसलमेर के महत्त्वपूर्ण ज्ञान भण्डार	संस्कृति	23	4
जैन कवियों द्वारा नारी प्रशंसा	अखिल भार. दिग.		
	परिषद् स्मारिका	नव. 1978	
जैन संस्कृति की विश्वोपकारिता एवं सर्वोपकारिता	अरुणोदय		
जिम सो तीम पच्चास	कुशल निर्देश	8	2
जैसलमेर के पार्श्वनाथ विधिचैत्य का प्राचीन चित्र	कुशल निर्देश	1	5
जीव देव सूरि	कुशल निर्देश	8	9
जैन समाज अपने कर्तव्य का पालन करे	सुधर्मा	21	5
जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि	ब्रह्मवाणी	13	1
जीवन को जागरणशील बनाओ	ब्रह्मवाणी	13	2
जैन कवि विद्याकुशल कृत राजस्थानी रामायण	मान समयुख	1	4
जैन मूर्ति कला विचार	तीर्थकर	7	2
जैनाचार्य विजयानंदसूरि और उनकी शासन सेवा	विजयानंद	16	9
जयपाहुड़ प्रश्न व्याकरण नामक एक महत्त्वपूर्ण कथा	तुलसी प्रज्ञा	7	5-6
जीवन शुद्धि का राजमार्ग	प्राच्य भारती	मई 1968	
जैन धर्म में भावना-योग और तत्सम्बन्धी साहित्य	सुधर्मा	21	7

जैन साहित्य के इतिहास सम्बन्धी कतिपय महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	सुधर्मा	21	10
जैन धर्म और वर्तमान विज्ञान	सुधर्मा		
जैन पत्र-पत्रिकाएं कैसी हों	तीर्थकर	5	9
जैन पत्र पत्रिकाएं पहली परख	तीर्थकर	7	4-5
जैन चित्रकला की एक विशिष्ट उपलब्धि			
सचित्र विज्ञप्ति पत्र	तुलसी प्रज्ञा	जन. 1975	
जीवन कलहे री रची गीता भाषा	मरु वाणी	3	3
जीवन शुद्धि एवं क्षमापना	विजयानंद	20	6
जैन समाज विद्वानों का आदर-उपयोग करना सीखें	जैन भारती	23	23
जैन साधु साध्वी और प्राकृत चिकित्सा	जैन भारती	23	22
जैन धर्म का प्रचार एवं जैन समाज	जैन भारती	23	36-37
जैन धर्म में प्रभु भक्ति का रहस्य	जैन भारती	27	5-6
जैनेतर कवि रचित महावीर महाकाव्य विरायण	स्मारिका	1980	
जैन कवि जयहर्ष रचित मान कौतुहल	वाखर	1968 संयु.	
जोसी राय रचित पंचदेह की वार्ता	मरु वाणी	5	8
जैन सिद्धान्त भवन की चिरस्मरणीय सेवायें	श्री जैन सिद्धान्त	23	1
जाखू मणिहार कृत हरिचंद पुराण	प्रतिकल्पा	जून 1958	
जैन धर्म मा सम्प्रदायां नो उद्भव अर विकास जनराज	जैन प्रकाश	60	21-22
	अग्रगामी	10	2,3,4
जैन सम्बन्धी शोध कार्य की विशेष प्रगति के लिए कतिपय सुझाव	दिव्य ध्वनि	3	1
जोधपुर के श्री मिश्रीमलजी जैन और उनकी हास्य रचनाएं	ओसवाल	16	3
जीवन शुद्धि का राजमार्ग अपने दोषों का स्वीकार एवं संशोधन	अणुव्रत	दिस. 1966	
जैन रास के महत्त्व पर साहित्य	श्रमण	7	4
जैन धर्म में मर्यादाओं की परम्परा	जैन भारती	28	44-45
जैनागमों में उल्लिखित भारतीय लिपियाँ	नागरी प्रचारणी	57	4
जैमिनी अबूब मेघ का राजस्थानी रागानुवाद	नागरी प्रचारणी	11	2
जती रूपचंद रा कहिआ तीन गीत और गीत के प्रकारों की सूची	मरु भारती	23	2
जयपुर के राघव पाटनी रचित यात्रा प्रकाश	सन्मति वाणी	7	9
जयाचार्यजी	कर्मठ राजस्थान	1	18
जैन स्तोत्र साहित्य का डॉ. रामसागर त्रिपाठी लिखित विवरण	अहिंसा वाणी	15	1
जैन रास और स्तवनों में प्रयुक्त लोक संगीत	कलानुसंधान	1 प्रवेशांक	
जयपुर पोथीखाने में संस्कृत संगीत ग्रंथ	कला सौरभ	5	6-7
जिनचन्द्र सूरि कृत क्षमक शिक्षा का विषय	श्रमण	22	9
जैन धर्म में गुरु का महत्त्व	भारती	4	12

जयप्रभ सूरि रचित कुमार सम्भव टीका	श्रमण	21	7
जैन कथा साहित्य	सुधर्मा	18	6
ज्योतिष सम्बन्धी कतिपय अज्ञात जैन ग्रंथ	जैन सा. सिद्धान्त	21	2
जैसे को तैसा	कुशल निर्देश	13	2
जैन शोध कार्य की प्रगति हेतु सुझाव	श्री अमर भारती	26	1
जैन साहित्य में अंजना चरित्र	श्री अमर भारती	26	4
जैन कवियों का हियाली साहित्य	मरु भारती	18	3
जिन समुद्रसूरि रचित कतिपय रास	मरु भारती	3	1
जयपुर की महारानी की आज्ञा से श्रीकृष्ण मिश्र रचित धर्म नौका ग्रंथ	मरु भारती	24	2
जैन मुनिराज रचित शिवरात्रि कथा	मरु भारती	24	2
जैन कवि कुशलचंद और उनका पिंगल शिरोमणि छंद शास्त्र	राजस्थान भारती	1	4
जालौर में रचित 13वीं शताब्दी का एक अप्रसिद्ध रास	राजस्थान भारती	3	3-4
जैन चित्रकला की एक विशिष्ट उपलब्धि	संस्कृति	18	1
जैन धर्म में मोक्ष का मार्ग	विश्व धर्म	3	2
'जयति हुअण स्तोत्र' इन्द्रभूति का नहीं अभयदेव सूरि रचित है	वीर वाणी	28	16
जैन ग्रंथों में महावीर निर्वाण (दीपावली) का वर्णन	वीर वाणी	32	1-2
जैन कवि और सन् 1957 की दिल्ली	जीवन साहित्य	22	9
जैन समाज कला को प्रोत्साहन दे	जैन जगत	10	9
जैनागमों का सांस्कृतिक महत्त्व	कुशल संदेश	-	-
जैन धर्म और जातिवाद	धर्मदूत	4	3
जैनागमों में बौद्ध पिटक की असाधारण समानता	धर्मदूत	13	1-2
जैन मुनियों के नामांत पद	तुलसी प्रज्ञा	5	3-4
जैन कवि विद्याकुशल कृत राजस्थानी रामायण	दिव्य ध्वनि	2	1
जैन सम्बन्धी शोध कार्य की विशेष प्रगति के लिए सुझाव	दिव्य ध्वनि	3	1
जीवन का साध्य आत्म ज्ञान	गीता का संदेश	2	4
जीवन धारण के लिए रक्षा की आवश्यकता	दिगम्बर जैन	58	1-2
जीवन-महानता का मापक यंत्र : त्याग	दिगम्बर जैन	44	3
जगन्नाथ रचित संक्षिप्त रामायण	तुलसीदास	4	10
जीवन की सार्थकता अपने आपको पहचानना	गुरुदेव पत्रिका	14	5
जिनचंद्र सूरिजी का महाराजा अनूपसिंहजी को दिये दो पत्र	जैन सि. भास्कर	17	2
जोधपुर इतिहास का एक आंतरिक पृष्ठ	जिन वाणी	10	3
जिन स्तुति पद	कुशल संदेश	-	-
जीवन शोधन का महापर्व पर्युषण	जिन वाणी	11	11

जैन कथा साहित्य के प्रति शिक्षित का कर्तव्य	जिन वाणी	8	5
जैन गुरासां के महाराजा जोधपुर को दिये पत्र	जिन वाणी	9	10
जोधपुर के कतिपय ओसवाल साहित्यकार	जिन वाणी	9	3
जैनागमों के प्रचार के कुछ सुझाव	जिन वाणी	2	6
जैनागमों में मांसाहार के प्रतिकार सम्बन्धी कतिपय सुझाव	जिन वाणी	2	8
जैन धर्म के दो धार्मिक अनुष्ठान	जिन वाणी	3	1-3
जैनागम ज्ञाता सूत्र में द्रोपदी चरित्र	जिन वाणी	6	4
जैनागमों का महत्त्व और हमारे मुनिराज	जिन वाणी	12	1
जैन समाज के वर्तमान पत्र	ओसवाल नवयुवक	8	1
जगत सेठ सम्बन्धी ऐतिहासिक ग्रंथ	ओसवाल नवयुवक	19	12
जैन साहित्य के प्रति जैन युवकों का कर्तव्य	ओसवाल नवयुवक	13	4
जैन कवि श्री जिनराज सूरिजी	ओसवाल नवयुवक	7	12
जिन समुद्र रचित हिन्दी ग्रंथ	वीर वाणी	7	13
जैन कीर्ति कुशल लिखित मुसलमानों का किस्सा	जैन सत्य प्रकाश	20	10
जैन इतिहास या धारनगरी	जैन सत्य प्रकाश	20	11
जैन कवियों की संवाद संज्ञक रचनाएं	जैन सत्य प्रकाश	12	1
जैन तत्व सार का रचना स्थल अमरसर कहा है	जैन सत्य प्रकाश	8	3
जसकीर्ति कृत सम्मेलित शिखर रास का सार	जैन सत्य प्रकाश	7	11
जैन साहित्य में राम कथा	अजन्ता	6	3
जैन वैद्यक ग्रंथ कल्याणकारक पर अत्रिदेव विद्यालंकार का वक्तव्य	जैन संस्कृति	1	11-12
जैन समाज के लिए अनुकरणीय आदर्श	अनेकान्त	3	4
जैनागमों में समय गणना	अनेकान्त	3	8-9
जैसलमेर के भण्डारों में प्राप्त कुछ नवीन ताड़पत्रीय प्रतियां	अनेकान्त	8	1
जैन समाज अब भी चेत जाए	अनेकान्त	1	9
जैन जातियों के प्राचीन इतिहास की समस्या	अनेकान्त	5	8-9
जैन परिवारों के वैष्णव बनने सम्बन्धी वृत्तान्त	अनेकान्त	15	6
जैन धातु मूर्तियों की प्राचीनता	अनेकान्त	10	7,8
जौनपुर में लिखित भगवती सूत्र-प्रशस्ति	अनेकान्त	18	5
जैसलमेर के पार्श्वनाथ विधि चैत्य का चित्र	कुशल निर्देश	8	8
जातिवाद और जैन धर्म	अहिंसा वाणी	11	1
जैन धर्म में स्वधार्मिक वात्सल्य की भावना की कमी	अहिंसा वाणी	22	2
जैन सन्त साहित्य	अहिंसा वाणी	9	3
जैन अपभ्रंश का ग्रंथ शक्ति मुक्तक	अहिंसा वाणी	15	2-3
जयचन्द्र सूरि रचित संबोध रसायन	अहिंसा वाणी	15	7
जैन योगीराज आनंदधन निरूपित शक्ति का मार्ग	अहिंसा वाणी	5	7-8
जिनदत्त कथा सम्बन्धी श्वेताम्बर और दिगम्बर साहित्य	अहिंसा वाणी	5	12

जीवन का राजमार्ग : दोषों की स्वीकृति व सुधार का प्रयत्न	अहिंसा वाणी	6	6
जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान	आत्मरश्मि	1	5
जैन कवियों के संगीतमय भक्ति पद	कुशल निर्देश	5	3
जैन धर्म में भक्ति और कीर्तन	कुशल निर्देश	11	8
जैन धर्म में प्रभु भक्ति रहस्य	कुशल संदेश	5	3
जैन धर्म के व्यवस्थापकों से दो जरूरी बातें	कुशल संदेश	1	2
जैन संस्कृति साहित्य का इतिहास एक महत्त्वपूर्ण प्रयत्न	जिन वाणी	29	7
जयपुर के विद्वान दलपतराय और उनकी रचनाएं	जिन वाणी	26	2
जीवन-शुद्धि का राजमार्ग	शांति संदेश	4	1
जीवन की सार्थकता अपने को पहचानना	शांति संदेश	4	1
जन-जन पूज्य करणी माता	समाज वाणी	8	5
जयदेव और कंकाली में कवित्त	साधना	7	7
जैन ग्रंथों और पुराणों में भौगोलिक वर्णन	श्रमण	23	7
जैन शिल्प का विशिष्ट प्रकार	श्रमण	25	12
जयसिंह रचित अप्रसिद्ध ऋषभदेव और वीर चरित्र	श्रमण	30	3
जिनदत्त सूरि का सकुशल शास्त्र	श्रमण	30	9
जिनराज सूरिश्वर रचित निषद महाकाव्य	श्रमण	20	8
जिनचन्द्र सूरि कृत क्षेपकर्णशाला का वर्णन	श्रमण	22	9
जैन रास साहित्य	श्रमण	7	4
ज्योतिधर दो जैन विद्वान	श्रमण	7	5
जैन धर्म के भगवान महावीर के जीवनवृत्त की झांकी	श्रमण	7	6-7
जैन कला प्रदर्शनी	श्रमण	8	5
जिनराज सूरि रचित निषेध	श्रमण	20	8
जिन धर्म का तमाशा	श्रमण	5	7
जयधर्म सूरि कृत कुमार संभव टीका	श्रमण	21	7
जैन साहित्य का वृहद् इतिहास	श्रमण	21	9
जिनचन्द्र सूरि रचित श्रावक समाचारी की खोज	श्रमण	19	4
जगन्नाथ रचित संक्षिप्त रामायण	जीवन साहित्य	16	10
जीवन का साध्य आत्म-ज्ञान	अखंड ज्योति	21	7
जो मुझे प्रेरणा देते हैं	जीवन साहित्य	18	5
जैन दर्शन में वस्तु परिणाम का महत्त्व	अणुव्रत	1	3
जैन धर्म में देवी उपासना	मरु भारती	18	3
जैन कवि आगमसागर रचित सादड़ी गजल	मरु भारती	28	4
जैन कथा साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ हेमविजय रचित कथा रत्नाकर	मरु भारती	23	1
जैन विद्वान मदन रचित संगीत मंडन	संगीत	36	12
जैन धर्म में मोक्ष का सरल मार्ग	सुधर्मा	1	1
जिनराज सूरि के पद	संत वाणी	5	4

जगन्नाथ रचित चौरासी बोल	संत वाणी	4	8
जैन मुक्ति साधन	संत वाणी	4	5
जीवन की सार्थकता	सन्मती संदेश	2	10
जैन संग्रहालय की स्थापना अत्यावश्यक	सन्मति संदेश	5	10
जौनपुर के इतिहास में कविवर बनारसीदास	सन्मति संदेश	17	12
जैन धर्म का आध्यात्मिक संदेश	शाश्वत धर्म	3	2
जैन धर्म के सिद्धान्त और विश्व शांति	सन्मति वाणी	1	8
जैन पुरातत्व मूर्तियों की दुर्दशा और जैन समाज साहित्य	सन्मति वाणी	3	8
जैन साहित्य और चित्तीड़	शोध पत्रिका	1	1
जैन कवियों के गीतों में प्रयुक्त कतिपय दोशिया	वरदा	19	1-2
जिनसमुद्र सूरि कृत पाबूजी सम्बन्धी पद	वरदा	16	4
जैन भावणी ने सौभाग्य सुन्दरी कथा	वरदा	21	1
जैन समाज में विद्वानों की कमी क्यों है	जैन जगत	8	9
जैन धर्म व जैन प्रतिमाएं	तित्थयर	5	1
जोधपुर के कवि हाथीराम कला और उनकी रचना	शोध पत्रिका	19	2
जैन साहित्य के प्रकाशन का एक सरल उपाय	अमर भारती	10	7
जैन धर्म प्रचार के दो सबल माध्यम रेडियो एवं सामाजिक पत्र	अमर भारती	10	10
जैसलमेर बीकानेर के जिनालयों में बाहुबली मूर्तियां	कुशल निर्देश	10	8
जूनागढ़ में सेठ के तालाब पर दादाजी की छतरी	कुशल निर्देश	10	12
जैन कवि केशव रचित भ्रमर बत्तीसी	परिषद् पत्रिका	3	4
जसमा ओडण सम्बन्धी रचनाएं	परिषद् पत्रिका	6	1
जिसने तिसो	राजस्थानी वीर	19	5
जैन विद्वानों द्वारा रचित संस्कृत के शब्दकोश	भाषा	8	3
जोधपुर के मुंशी भण्डारी उदयचन्द्र और उनका ग्रंथ	राष्ट्र वाणी	12	5
जिनप्रभसूरि और उनकी अपभ्रंश रचनाएं	हिन्दी अनुशीलन	6	1
जोधपुर के महाराजा मानसिंह रचित श्रीनाथ चरित्र	रसवंती	4	12
जैसलमेर रा भोला राजा	भक्त वाणी	1	9
जैन साहित्य में चंदराज की कथा	भारतीय साहित्य	4	28
जैन कवि विनय विजय का भ्रमर गीत	भारतीय साहित्य	6	1
जीवन कलह रचित गीता भाषा	मरु वाणी	3	3
जनगोपाल के माह विवेक का छूटा हुआ पाठ	भारतीय साहित्य	8	2
जन दीन भट्ट का बधरल ग्रंथ सम्बन्धी कुछ आवश्यक तथ्य	भारतीय साहित्य	8	2
जयतराम रचित जोग प्रदीपिका	परिशोध	1971	14
जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह और उनके ग्रंथ	रसवंती	1947 नव.	
जैनेतर ग्रंथों पर जैन विद्वानों की टीकाएं	भारतीय विद्या	2	3
जैन विनिमय विषय पर भ्रमर गीत	भारतीय विद्या	7	3-4

जयपुर के गलता सम्बन्धी प्राचीन कवित	भारती	1	2
जैन कवि कुशललाम और उनका पिंगल शिरोमणि			
छन्द शास्त्र	राज. भारती	1	4
जैन धर्म की एक विशिष्ट उपासना पद्धति			
पद आराधना	विजयानंद	4	8
जडलै आदि के स्थानों के प्राचीन गुर गीत	विजयानंद	8	4
जयपुर के दिवान रामचन्द्र छावड़ा का महत्त्वपूर्ण उल्लेख	वीर वाणी	22	20
जीवन शोधन का महापर्व पर्यूषण	वीर वाणी	22	23-24
जयपुर के दिगम्बर जैन ज्ञान भंडार	वीर वाणी	2	4
जयपुरी कलम का एक सचित्र विज्ञप्ति-लेख	वीर वाणी	8	1-2
जैन साहित्य परिशीलन पर मेरे विचार	वीर वाणी	8	20-21
जयपुर का अन्य सचित्र विज्ञप्ति-पत्र	वीर वाणी	9	17
जैन कवियों के रचित बाल लीला के गीत	मरु भारती	8	3
जैन केशव कृत चतुर प्रिया	वीर वाणी	11	5
जैमनी अश्वमेध का राजस्थानी पद्यानुवाद	मरु भारती	11	2
जिनसमुद्र सूरि द्वारा रचित कतिपय रास	मरु भारती	3	1
जैनागमों में उल्लिखित भारतीय लिपि	नागरी प्रचारणी	54	4
जैन साहित्य के महान सेवक			
स्व. कस्तूरमलजी बांठिया	जैन भारती	2	8
जैन संत श्री बुद्धिसागरजी सूरिजी	जैन भारती	13	7
जैसवाल जाति के कुछ अन्य उल्लेख	जैन संदेश	26	30
जिन वल्लभ सूरि रचित चित्रकूटिक प्रशस्ति	जैन संदेश	26	30
जैन आगम साहित्य में गुजरात परिचय	जैन जगत	10	6
जैन साहित्य महारथी स्व. मोहनलाल दुलीचन्द्र देसाई	जैन जगत	10	8
जैन सम्प्रदाय की एकता का पहला कदम	जैन जगत	11	4
जैन समाज का प्रचार और जैन समाज	जैन जगत	7	1
जैन साहित्य में परशुराम	जैन जगत	16	5
जैन समाज बौद्धों से प्रेरणा ग्रहण करे	जैन जगत	21	6
जैन धार्मिक पाठ्यक्रम की आवश्यकता	जैन जगत	21	10
जैन धर्म के सम्प्रदायों की एकता के सम्बन्ध में सुझाव	जैन जगत	12	2-3
जैन धर्म में ज्ञानयोग का महत्त्व	जैन जगत	14	1
जैन समाज में गुणग्राहकता और उदारता तथा वर्तमान जैन समाज	जैन जगत पत्रिका	14	2
जैन साहित्य शोध संस्थान का कार्य			
तेजी पर लाया जाय	जैन जगत	17	1
जयपुर में रचित खरतरगच्छीय श्वेताम्बर साहित्य	-	-	-
जैन ज्योतिष और वैद्यक ग्रंथ	जैन सि. भास्कर	4	3
जैन ज्योतिष और वैधानिक ग्रंथ	जैन सि. भास्कर	4	2

झ

झाणाजझय या ध्यान शतक के रचयिता			
योगीश्वर नहीं जिनभद्र गणि क्षमाश्रमण हैं	अहिंसा वाणी	14	12
झुंझनू में रचित ब्रह्मरायमल्ल का नेमीश्वर रास	विश्वम्भरा	10	4
झुंझनू सम्बन्धी कतिपय उल्लेख	विश्वम्भरा	10	2
झुंझनू में रचित अपभ्रंश काव्य रिठगेमि चरित्र	सरसरारंग	वार्षिक	
झालावाड़ संग्रहालय के महत्त्वपूर्ण पाषाण	अहिंसा वाणी	14	12
झुंझनू में रचित गुरुधर्म कुमार चौपाई	वरदा	10	3-4
झुंझनू सम्बन्धी एक और प्राचीन उल्लेख	वरदा	7	1
झुंझनू के जैन अभिलेख	वरदा	7	1
चार लाख श्लोकों का सार एक श्लोक में	जैन भारती	5	32

ट

टाई कलेक्शन की पृथ्वीराज रासो की महत्त्वपूर्ण प्रति	अजन्ता	7	3
टीकम कवि की चन्द्र हंस कथा	अहिंसा वाणी	7	6
टेकचन्द रचित श्रेणिक चरित्र	सन्मति संदेश	13	12

ठ

ठक्कर फेरु और उसकी युगप्रधान चतुष्पादिका	राज. भारती	6	3-4
ठक्कर फेरु और उनके विशिष्ट ग्रंथ	जर्नल ऑफ हरयाना स्टडीज	11	1-2

ड

डामर दूत का वाक्-चातुर्य	कथालोक	5	2
डामर ब्राह्मण कृत वेणी वत्सराज रास	सम्मेलन पत्रिका	59	3
डा. भार्गव का प्राचीन भारत में जैन धर्म संबंधी विवरण	जैन भारती	23	29-30
डा. भीखनलाल आत्रेय रचित जैन-दर्शन की नीति	अहिंसा वाणी	18	1
डा. गोविन्द त्रिगुणा कथा जैन दर्शन व संत कवि सम्बन्धी वक्तव्य	श्रमण	16	1
डा. एल.पी. तैस्सीतोरी के अप्रकाशित पत्र	राज. भारती	9	2
डा. वासुदेव शरण का जैन साहित्यानुसंग उनकी स्वयं की कलम से	राज. भारती	9	4
डूंगरपुर में रचित शकुन दीपिका चौपाई	वाग्बर	2	1
डा. दशरथ शर्मा के कुछ संस्मरण और पत्र	विश्वम्भरा	14	1
डा. ब्रजेन्द्रनाथ शर्मा का एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ-जैन प्रतिमाएँ	तित्थपर	6	3
डूंगरपुर राज्य में हुमडो द्वारा निर्मित जैन मन्दिर	वाग्बर	1	3
डूंगरपुर राज्य के दि. जैन प्रतिमा लेख	वाग्बर	1	4
डूंगरपुर सम्बन्धी कतिपय उल्लेख	वाग्बर	1	2

डा. नेमीचन्द ज्योतिषाचार्य मतानुसार अग्रवाल जैनोत्पत्ति	अग्रपंथ	8	3-4
डा. देवेन्द्रकुमार शास्त्री के लेख सम्बन्धी कतिपय संशोधन	तीर्थकर	2	9
डा. रामकुमार गुप्त के शोध प्रबन्ध में जैन संबंधी वक्तव्य	अहिंसा वाणी	21	1
डिंगल का कृष्ण काव्य किसन किलोल	मरु भारती	10	2
डा. प्रेमसागर जैन की अविचार पूर्ण व अयुक्त टिप्पणी	वीर वाणी	17	21
डा. घिमनलाल माहेश्वरी के संशोधन प्रबंध में जैन धर्म सम्बन्धी वक्तव्य	वीर वाणी	23	17
डा. हरदेव बाहरी का ग्रंथ प्राकृत और उसका साहित्य श्रमण		10	3
डूंगरपुर राज्य के दि. जैन प्रतिमा लेख	जैन संदेश	11	18
डूंगरपुर सम्बन्धी कुछ ज्ञातव्य बातें	जैन संदेश	17	33

ढ

ढोला-मारु चौपाई का रचनाकाल	वैचारिकी त्रैमासिक	1	1
ढूढाड़ी गद्य ग्रंथ-अमृत सागर	मरु वाणी	13	11
ढोला-मारु रा दूहा के अर्थ संशोधन पर विचार	नागरी प्रचारिणी	66	1
ढूढाड़ नाम की प्रसिद्धि का कारण	अमर ज्योति	11	13

ण

णमोकार मंत्र साहित्य : एक अनुशीलन	तीर्थकर	10	7-8
णमो लोए सव्वं साहूणो	सेवा समाज	14	39-42
णमुक्कार मंत्र में परिवर्तन का अधिकार किसने दिया	तेरापंथ भारती	1	4
णमो अरहंताणं और णमो अरिहंताणं में मूल और प्राचीन पाठ कौनसा है?	जैन दर्शन	25	43
णमो अरहंताण या अरिहंताणं?	जैन संदेश	25	16

त

तू तेरा संभाल, मूकी अन्य जंजाल	श्रमणोपासक	14	9
त्यागवीर भगवान महावीर	विजयानंद	9	10
तप के साथ संयम का मेल है	श्री अमर भारती	9	12
ती. पार्श्वनाथ भक्ति गंगा ग्रंथ के कतिपय संशोधन	सन्मति संदेश	18	3
तलघर में प्राप्त 160 जिन प्रतिमाएँ	अनेकान्त	19	1-2
तीर्थकर महावीर का समत्व-भाव	सतरंगी चैमिल	1	1
तुलसी रामायण के माहात्म्य संबंधी रचनाएँ	राष्ट्र वाणी	23	7-8-9
ताला जुडी की जैन प्रतिमा	जैन जगत	13	9-11
तपागच्छीय दयाकुशल को प्राप्त शाही फरमान	जर्नल झोंक	1976	
तरंगवती	कुशल निर्देश	8	9
तीन कथाएँ	कुशल निर्देश	9	10

तपस्विनी आर्या मयाकंवरजी की सझाय	सुधर्मा	12	4
तेज कवि रचित स्वराज बावनी	प्रेरणा	4	1
त्रिभुवन तिलक	जैन भारती	23	4-5
तेलगु भाषा के अवधानी विद्वानों की परम्परा	श्रमण	11	2
तारा तंबोल के यात्रा सम्बन्धी कतिपय			
उल्लेख एवं पत्र	नागरी प्रचारिणी	64	2
तीन अपूर्ण प्राप्त महत्त्वपूर्ण राजस्थानी ग्रंथ	मरु भारती	2	3
तीर्थंकर विमल अनन्त धर्म की संक्षिप्त जीवनी	अहिंसा वाणी	10	9
तीन सौ वर्ष पूर्व के छः राजस्थानी लोकगीत	लोक साहित्य	3	1-2
तपागच्छीय दयाकुशल को शाही फरमान	जर्नल ऑफ		
	पूरणचंद	1976	2
तीर्थवन्दन संग्रह	वीर वाणी	31	8
तेरहवीं सदी में रचित फागणी पोथियाँ	जैन सत्य प्रकाश	20	7
तुलसीदास पर वृथा आरोप	तुलसी दल	5	5
13वीं शताब्दी की हस्तलिखित प्रतियाँ	अजन्ता	6	4
तेरहवीं शती के जैन महापुरुष	ओसवाल नवयुवक	9	2
तमिलनाडु के जैन अवशेष	अहिंसा वाणी	12	2
तीन नवीन ग्रंथ	जैन सत्य प्रकाश	20	7
त्रिभुवन गिरि व उसके विनाश के सम्बन्ध			
में विशेष प्रकाश	अनेकान्त	12	8
तेरह काठिया सम्बन्धी श्रेष्ठ साहित्य	अनेकान्त	12	8
त्रिलोक प्रकाश का रचना-समय और रचयिता	अनेकान्त	7	5-6
तीर्थंकर मल्लीनाथ और उनसे सम्बन्धित साहित्य	अहिंसा वाणी	8	6-7
तक्षक नाग	कुशल निर्देश	11	6
तीर्थंकर चन्द्रप्रभ और पुष्पपंत	अहिंसा वाणी	12	9
तीर्थंकरों के नामों में नाथ शब्द क्यों?	श्रमण	22	1
तीन सौ पाँच कथाओं की एक सूची	मरु भारती	14	3
तीन चार सौ वर्ष पुराने कतिपय लोकगीत	मरु भारती	18	1
तीर्थयात्रा सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण प्राचीन ऐति. लेख	वरदा पत्रिका	16	1
हेम रचित बीसुजी री बावनी	वरदा पत्रिका	16	3
त्रिया चरित्र	कुशल निर्देश	4	7
तेरहवीं शताब्दी का नेमी बारहमासा	सम्मेलन पत्रिका	19	1
तत्त्वार्थ वार्तिक में जैनतर दर्शनों का उल्लेख	सिद्धान्त	14	8
तृतीय निह्नव आषाढाचार्य के शिष्य	कुशल निर्देश	9	8
क्षमा कल्याणजी कृत जयति हुआण भाषा	कुशल निर्देश	7	3
तेजयउ स्तोत्र हिन्दी पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	10	11
तीजो काम कोई करलो	राजस्थानी	3	2-3
तीन हजार जबाबी	मरु वाणी	2	1
त्यामु बाबो	राजस्थान भारती	7	1
तत्त्वार्थ सूत्र की स्वर्णाक्षरी विशिष्ट प्रति	जैन संदेश	21	9

तमिल भाषा के एक जैन महाकाव्य का हिन्दी			
भाषा अनुवाद	जैन संदेश	21	43
तेरापंथ समुदाय की राजस्थानी साहित्य-सेवा	जैन भारती	10	52
तेजा गद हीया	प्रजा सेवक	13	10
तीर्थ रक्षा कमेटी के लिए अनुकरणीय आदर्श	जैन मित्र	सं. 2035	
आदिकालीन राजस्थानी जैन साहित्य	परम्परा		
त्याग जैन सन्देश	20		19
तमसो मा ज्योतिर्गमय का अमर संदेश देने वाला			
प्रकाश का पर्व : दीवाली	जनगण	4	12
तमिल भाषा का प्रकाशित जैन साहित्य	जैन संदेश	22	37
तेलगु भाषा के जैन साहित्य की खोज की			
आवश्यकता	जैन संदेश	29	28
थ			
थुल्ल वंश की एक अपूर्ण प्रशस्ति	श्रमण	18	1-2
थली की सीमा सम्बन्धी ज्ञातव्य	मरु भारती	24	4
थली-वर्णन	मरु भारती	2	1
थुली भट्ट फागु	शोध पत्रिका	23	2
थोड़ा-सा राजस्थानी चुटकला	औक्तमो	15 जन. 62	
द			
दम्पती वाक्य-विलास के दो प्रकाशित संस्करण	सरस्वती	64	2
दुर्ग प्रशस्ति	सरस्वती	70	2
दान, शील, तप, भाव के रचयिता और			
दान कुलक का पाठ	श्रमण	24	10
दशाश्रुत स्कन्ध की बृहद् टीका और			
टीकाकार मतिकीर्ति	श्रमण	29	5
देवचन्द्र कृत यन्त्र पद्धति का वस्त्र टिप्पणक	श्रमण	31	1
दि. सम्प्रदायानुयायी जैन जातियाँ और 70 वर्ष			
पूर्व की उनकी जनगणना	सन्मति वाणी	7	3
दि. ग्रंथत्रयी का गुजराती पद्यानुवाद	सन्मति वाणी	6	7
दीपमालिका के दो आध्यात्मिक भजन	सन्मति वाणी	9	5
दादा श्री जिनदत्तसूरि के ग्रंथों का प्रकाशन हो	श्रमण भारती	3	2-3
दानवीर भामाशाह अग्रवाल नहीं, ओसवाल ही थे	श्रमण भारती	3	10
दिगम्बर जैन कवियों के रचे पाँच अज्ञात राग काव्य	स्वाध्याय	1	4
दिव्य सागर रचित चौबीस जिन चरित्र	जैन भारती	1	7
दो जैन संतों के वैष्णव संत हो जाने के उल्लेख	सन्मति संदेश	11	1
दृढ़ संकल्प की महती शक्ति	हिन्दू विश्व	11	12
दुःख का मूल है ममत्व, सुख का मूल है समत्व	वल्लभ संदेश	1	2
दिगम्बर कवियों के रचित फागु काव्य	अनेकान्त	16	4

दिल्ली और योगिनीपुर नामों की प्राचीनता	अनेकान्त	13	3
दिगम्बर-श्वेताम्बर मान्यता भेद	अनेकान्त	2	10
दो जैन बने विद्वानों को हम अपना नहीं सके	वल्लभ संदेश	7	4
दहेज एक ज्वलंत समस्या और उसका व्यावहारिक समाधान	समाज विकास	31	3
दीपावली रो एक प्रसिद्ध जैन भजन	कुरजां	1	9
दीवो परतख देवता	ओलमो	2	10-11
देवकीनन्दन रचित वैष्णव वन्दना	गौड़ीय	3	8
दिखावा और आत्मप्रशंसा	चेतन प्रहरी	2	1
दृढ़ श्रद्धा	विजयानन्द	26	5
देना सीखिए	विजयानन्द	26	3
दीपावली का दिव्य संदेश—हृदय में प्रकाश हो	जैन जगत	सित. 1980	
दीर्घकालीन नित्य सामाजिक स्वाध्याय का महान सुफल	जैन जगत	34	8
दिगम्बर-श्वेताम्बर जैन मूर्तियों में पहले भेद नहीं	सन्मति वाणी	7	6
दादा जिनकुशल सूरिजी की स्वर्ग तिथि और स्तूप पर नया प्रकाश	कुशल निर्देश	4	3
दिलमा दिवङ्गो थाय	श्रमण	11	12
दस धर्मों में प्रथम व श्रेष्ठ धर्म—क्षमा	हिंसा विरोध	33	8
द्वितीय निह्नव तिथि गुप्त	कुशल निर्देश	9	7
दो क्षणिकाएँ	कुशल निर्देश	7	3
दान-महिमा	कुशल निर्देश	10	4
दिगम्बर सम्प्रदाय में प्रचलित लोगस्स सूत्र	कुशल निर्देश	8	4
दादागुरु और दादावाङ्गियों का महत्त्व	स्मारिका	सं. 2033	
दादावाङ्गियों का महत्त्व और उपयोगिता	स्मारिका	2033	
दो महत्त्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान	वन्दे वीरम	1	6
दलपति राय कृत ग्वालेरी भाषा-व्याकरण	भाषा	11	1
दशा श्रुतस्कंध के विविध संस्करण एवं टीकाएं	श्रमण	29	2
दिवंगत हिन्दी सेवी जैन	जैन भारती	27	36-38
दीपावली हृदय में प्रकाश फैलाएँ	श्री पल्लीवाल		
	जैन पत्रिका	10	11-12
दीपावली का राजस्थानी लोकगीत	अहिंसा संदेश	65	49
देश-वर्णन	मरु भारती	2	2
दस्सा-बीसा भेद का प्राचीनत्व	ओसवाल हितेशी	4	11
दीवान दौलत खां रचित हिन्दी वैद्यक	सम्मेलन पत्रिका	37	3
दान सम्बन्धी मान्यता पर विचार	श्रमण	6	3
दादा श्री जिनकुशलसूरि : जीवन दर्शन	स्मारिका		
दो पद्यानुकारी कृतियाँ	राज. भारती	फटी हुई	
द्रव्यानुयोगतर्कणा का रचनाकाल	वीर वाणी	31	21

दिगम्बर प्रतिमा लेखों का संग्रह ग्रंथ

शीघ्र प्रकाशित हो	वीर वाणी	31	10-11
देलवाड़ा के मन्दिर : कतिपय संशोधन	सरस्वती	66	6
दृढ़ प्रतिज्ञा महावीर	जिनवाणी	25	5
दिगम्बर आर्यिका जिनमती की मूर्ति	श्रमण	10	12
दिणयर सागर रचित चौबीस जिन चरित्र	साहित्य संदेश	20	10
देसाई	जैन जगत	10	8
देवर्द्धिगणि और लोकाशाह के बीच की परम्परा	जिनवाणी	13	5
देवर्द्धिगणि क्या 27वें पट्टधर थे?	जिनवाणी	4	13
दो और फागु काव्य	जैन सत्य प्रकाश	11	12
दीपावली और जैन साहित्य	कल्याण		
दिगम्बर श्वेताम्बर सम्प्रदायों में मान्य प्राचीनतम तीर्थ की स्तुति	तीर्थकर	1	2
दान धर्म की आवश्यकता और महत्त्व	कल्याण	34	9
दीपावली और श्वेताम्बर जैन साहित्य	दीपा. अंक		
दहेज प्रथा की प्राचीनता	चरित्र निर्माण	8	7
दुःखों का मूल—ममत्व	जीवन दर्शन	7	8
दादा साहब के अद्भुत चमत्कार	कुशल निर्देश	1	3
दीवाली और वर्तमान जैन समाज	जिनवाणी	10	12
दुःखों का बाप—ममत्व	जिनवाणी	7	2
दो राजस्थानी रामायण	जिनवाणी	12	8
दिगम्बर तैरापंथ सम्बन्धी तीन कविताएँ	वीर वाणी	4	5-6
दो विवाहलों का ऐतिहासिक सार	जैन सत्य प्रकाश	16	9
देवास के मालवी ऋषि और मिलादीन	रुषा	फरवरी 1958	
दशा श्रुत स्कन्ध—सूत्र की एक अज्ञात टीका की खोज की आवश्यकता	जैन सत्य प्रकाश	13	9
दो ऐतिहासिक रासों का सार	जैन सत्य प्रकाश	2	12
दूसरी शताब्दी की एक प्रेम कथा तरंगवती	अजन्ता	8	11
दिगम्बर जैन ग्रंथ सूची	अनेकान्त पत्रिका	4	5
देवाणुप्पिय	राजस्थानी	3	3
दिगम्बर जैन कवियों के रचित फागु काव्य	अनेकान्त		4
दिगम्बर कवियों के रचित वेलि साहित्य	अनेकान्त	17	2
दो ताड़पत्रीय प्रतियों की ऐतिहासिक प्रशस्तियाँ	अनेकान्त	18	2
दृष्टि भेद का परिणाम	कुशल निर्देश	11	9
देवचन्द सूरि रचित अपभ्रंश काव्य—सुलसाख्यानक धर्माधर्म	अहिंसा वाणी	15	12
दिगम्बर भण्डारों की प्राचीन स्वर्णाक्षरी सचित्र प्रतियाँ	अहिंसा वाणी	7	10
दो जैनतर विद्वानों के जैन दर्शन और साहित्य सम्बन्धी अभिमत	अहिंसा वाणी	20	2
देव शक्ति का प्रताप	कुशल सन्देश		

दुर्गादास रचित उत्तरागच्छ की दो गुर्वानशिनषां	जिन वाणी	26	5
दलपत राय की दो अन्य अज्ञात रचनाएँ	जिन वाणी	26	6
देवचन्द्र कृत यंत्र पद्धति	श्रमण	31	1
दशाश्रुत विधि की वृहद् टीका	श्रमण	29	5
दोष नहीं, गुण ग्रहण कीजिए	अखण्ड जयोति		
दान सम्बन्धी मान्यता पर विचार	श्रमण	6	3
दिगम्बर ग्रंथत्रयी का गुजराती पद्यानुवाद	सम्मति वाणी	6	7
दो सौ दो कथाओं की सूची	मरु भारती	21	4
द्वीप सागर प्रज्ञप्ति	श्रमण	16	3
दलपत रचित राज विधि	श्रमणोपासक	5	18
दीप कवि विरचित सुदर्शन सेठ कवित	श्रमणोपासक	1	24
दादूपंथी नरसिंह दासी	संतवाणी	5	5
दादूजी के बावन शिष्यों की नामावली	संतवाणी	6	10
दानवीर जगदेव पंवार	समिति पत्रिका	11	3
दिल्ली का हिन्दू सम्राट जैन नहीं था	सन्मति संदेश	5	12
दागन्नक कथा	शाश्वत धर्म	14	7
दलराज की भ्रामक बातें	शाश्वत धर्म	7	11
देवराज भट्ट रचित काशी विलास	स्वाध्याय	4	2
दिगम्बर जैन कवियों रचित पाँच आप्त काव्य	स्वाध्याय	1	4
दवावैत संज्ञक रचनाओं की परम्परा	शोध पत्रिका	12	2
दरिया पुत्री सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य श्री धर्मसिंह रचित टिब्बे	जिन वाणी	39	3
दान-धर्म का प्रभाव	कुशल निर्देश	4	11
दो हिन्दी ग्रंथों की संस्कृत टीकाएँ	सम्मेलन पत्रिका	35	1-2
227 वर्ष पूर्व कवि गिरधारीलाल भजन सार	सम्मेलन पत्रिका	56	1
दो क्षणिकाएँ	कुशल निर्देश	7	3
दिगम्बर सम्प्रदाय में प्रचलित लोगस्स सूत्र की पहली और अतिरिक्त गाथा	सम्यक् दर्शन	5 जन. 80	
दो. शताब्दी पहले के अपने समाज	ज्ञानपीठ पत्रिका	4	3
दलपति मिश्र का जसवंत उदात्त	हिन्दुस्तानी	16	3
दुग्गड़जी के ग्रन्थ की समीक्षा	कुशल निर्देश	10	1
दो जैन ग्रंथों के वृंदावन उल्लेख	श्री संप्रेश्वर	5	1-5
दिखाऊ बिरामण नकली साधु	राज. वीर	24	11
देश री भारी बेकारी समस्या का एकमात्र हल	राजस्थानी	2	10
दिगम्बर जैन विद्वानों का एक आवश्यक कर्तव्य	प्रवार बंधु	9	9
दौलत रामकृत अध्यात्म बारहखड़ी	युग प्रभात	12	10
कामरां का बीकानेर पर आक्रमण	राज. भारती	1	2-3
दो पद्यानुकारी कृतियाँ	राज. भारती	भाग-2	
दशवैकालिक सूत्र-गीतों में	विजयानन्द	10	21
दामोदर विरचित रात्रि प्रवीण यंत्र	विश्वभरा	7	4

दिगम्बर एवं श्वेताम्बर समाज में एकता	वीर वाणी	1	22
दिगम्बर ग्रंथों की श्वेताम्बर विद्वानों द्वारा टीकाएँ एवं अनुवाद	वीर वाणी	1	23
दिगम्बर श्वेताम्बर एकता का पहला कदम	वीर वाणी	2	2-3
देव कुमार चरित्र	मरु भारती	9	1
दो लोक कथाएँ	मरु भारती	10	1
दिगम्बर और श्वेताम्बर साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता	जैन जगत	25	5
दिल्ली जैन डायरेक्टरी : एक महत्त्वपूर्ण प्रकाशन	जैन जगत	4	6
देवीदास रचित मालिका नाम	वीर वाणी	16	6-7
दो हिन्दी ग्रंथ	वीर वाणी	9	3
दीपमालिका के दो आध्यात्मिक भजन	वीर वाणी	9	5
दिगम्बर जैन व्रत कथायें	जैन सि. भास्कर	13	2
दूत काव्य सम्बन्धी कुछ ज्ञातव्य बातें	जैन सि. भास्कर	11	1
दीपावली के दिन दिए गए भगवान महावीर के अन्तिम सन्देश	वीर शासन	1	7
दीवाली की दन्त कथा	प्रजा सेवक	14	8
दान-धर्म उत्पत्ति और उसके प्रकार	जैन संदेश	23	20
दीपावली का दिव्य संदेश	जैन प्रकाश	41	1
दो जरूरी बातें	जैन	19	46
दादाजी श्री जिनकुशलसूरिजी	श्वेताम्बर जैन	19	11
दुःखों का कारण पाप या अधर्म है, सुख और आनन्द धर्म से मिलेगा	करुणा दीक्षा	10	7
देवगढ़ के जैन अवशेषों के सम्बन्ध में श्री हरगोविन्द गुप्त का वक्तव्य	जैन संदेश	21	28
दीवाली के महत्त्वपूर्ण स्तवन	जैन	75	37-38
दिगम्बर जैन इतिहास के साधनों के संग्रह की आवश्यकता	महावीर संदेश	1	4
दीपावली स्वच्छता सफाई का पर्व है	बीच का आदमी	1	5
दर्शन तत्त्व रत्नाकर में जैन मत का खंडन	जैन संदेश	14	6
देवचन्द्र सूरि रचित अपभ्रंश काव्य मूल आख्यानक	अहिंसा वाणी	15	12
दो जर्मन विद्वान	जैन भारती	6	10
दादावाड़ियों का विवरण भेजकर सहयोग दीजिये	श्वेताम्बर जैन	10	15
दिवंगत हिन्दी सेवी जैनों के परिचय प्रकाशन का एक संयोग	जैन संदेश	53	26-27
दानवीर भामाशाह	जैन प्रकाश	60	10
दिगम्बर प्राचीन हिन्दी गद्य ग्रंथों के अन्वेषण की आवश्यकता	जैन संदेश	11	23
दक्षिण भारत के जैन मन्दिर व शास्त्र संग्रह	जैन संदेश	21	33
दर्शन और धर्म का पारस्परिक सम्बन्ध व अन्तर	जैन भारती	5	33

दृढ़ संकल्प की महत्ता	जैन जागरण	1	13
दश धर्मों में उत्तम-क्षमा	दिग. जैन	4	13
दस लक्षणी पर्व में नित्य स्वाध्याय की प्रतिज्ञा हो	जैन दर्शन	24	14
दक्षिण भारत का जैन इतिहास और दिगम्बर समाज	जैन संदेश	11	11
दिल्ली के शास्त्र भण्डारों की सूची शीघ्र प्रकाशित की जाए	जैन संदेश	28	12
दिगम्बर श्वेताम्बर साम्प्रदायिक समन्वय	जैन प्रकाश	61	9
दानवीर भामाशाह	जैन शासन	64	48
दादूपंथी संत (तरस) का रचित जंबू स्वामी चरित्र	जैन भारती	2	4

ध

धर्म प्रचार में जैन समाज सबसे पीछे है	अहिंसा वाणी	13	11
धार्मिक शिक्षा और साधु-साधवियों का कर्तव्य	जैन प्रकाश	99	34
धार्मिक द्रव्य को बढ़ाड़िए ही नहीं, उसका उपयोग भी कीजिये	विजयानन्द	20	7
धर्मदास रचित मदन युद्ध	सन्मति संदेश	12	11
धर्म की उत्पत्ति और वृद्धि के कारण	हिन्दू विश्व	12	2
धातुमय जैन प्रतिमाएँ	तित्थयर	6	8
धर्म की दृढ़ श्रद्धा	कथा लोक	14	22
ध्यान योगी भगवान महावीर	शाश्वत धर्म	26	5
धर्कट जाति का वर्तमान अस्तित्व	सन्मति संदेश	17	6
धर्मचक्र माहात्म्य और परम्परा	सन्मति संदेश	5	10
धर्ममूर्ति विरल विभूति राजेन्द्र बाबू	भोजपुरी	11	2-3
धनविमल के प्रज्ञापना सूत्र टर्बों का रचनाकाल	जैन भारती	21	16
धर्म शासन की विशेषताएँ	प्राच्य मुक्ता	1975	1
धर्म की उत्पत्ति, वृद्धि और स्थिति	धर्म पंथ	1	12
धर्म पुरुष महावीर और उनके शासन की विशेषता	आत्म रश्मि	7	1
धूम्रपान : एक बढ़ता हुआ रोग	अणुव्रत	1968 अप्रैल	
धरती री धणियाप किसी	मरु भारती	7	2
धर्म स्थानों तथा उनकी सम्पत्ति की सुरक्षा की आवश्यकता	ओसवाल नवयुवक	14	22
धोधा के नवखंड पार्श्व जिनालय की प्राचीनता	जैन सत्य प्रकाश	14	2
धमाल एवं फागु संज्ञक कतिपय और रचनाओं की उपलब्धि	जैन सत्य प्रकाश	14	6
घाणेशाव री गजल	वरदा	22	4
ध्यान विषयक महत्त्वपूर्ण जैन ग्रंथ ध्यान शतक और उसके विविध संस्करण	अनेकान्त	32	3-4
धर्मचक्र की उत्पत्ति और महिमा	कुशल निर्देश	13	9
धनपाल कथा	राज. भारती	3	2
धर्मनिष्ठ श्री प्रतापसिंहजी दुग्गड़	जैन जगत	20	4

धर्म सम्बन्धी विभिन्न व्याख्याएँ और जैन धर्म का स्वरूप	जैन भारती	2	6
धर्म पद और श्वेताम्बर जैनागम	जैन सि. भास्कर	6	1
धार्मिक शिक्षा त्यागियों का कर्तव्य	श्वेताम्बर	21	23
ध्यान विषयक दो महत्त्वपूर्ण जैन ग्रन्थ	जैन	60	45
धर्मोपदेशमाला विवरण का रचनाकाल 915			
विक्रम संवत् है	जैन संदेश	30	39
धर्म शिक्षकों का सम्मान आवश्यक	जैन प्रकाश	58	11
धार्मिक शिक्षण शिविरों के संयोजक से	जैन दर्शन	25	47
धर्मारोपना का महान पर्व-पर्युषण	तरुण जैन	24	11
धुन के धनी ब्र. शीतलप्रसादजी के दो विशिष्ट कार्य	वीर	58	10
धान विलास और परमानन्द स्तोत्र	जैन संदेश	29	32
धनदत्त कथा	जैन भारती	1	49
धन्म पद और जैनागम	तेरापंथ भारती	4	13-14

न

नमस्कार महामंत्र सम्बन्धी साहित्य	स्मारिका	1965 अगस्त	
नागौर के जैन मन्दिर और दादावाड़ी	स्मारिका	10.2.1977	
नेमी दूत काव्य के पूर्ववर्ती संस्करण	सन्मति वाणी	6	8
नये सात्विक प्रकार का अनुभव	श्रमणोपासक	15	2
नेमीनाथ-राजीमती भावना बारहमासा	सम्मेलन पत्रिका	58	1
नयचन्द्र सूरि रचित सम्बोधि रसायन	अहिंसा वाणी	15	7
नैतिक ह्रास के तीन मुख्य कारण	हिन्दू विश्व	11	10
न्यामत खाँ रचित अजीर्ण नाश	राष्ट्र भाषा	10	11-12
नकली भगवान की असली लीला	कथा लोक	2	7
नारी सुकुमारी	कादम्बिनी	अप्रैल 1964	
नमस्कार मंत्र सम्बन्धी विशाल जैन साहित्य	शाश्वत धर्म		
नेत नगर एवं पुजारी पाली की जैन मूर्ति	सन्मति संदेश	23	1
नाम-मोह	विजयानन्द	29	9
नेमी नाह चरित्र	जिन वाणी	17	5
ऋषभदेव अवतार वर्णन (नरहरिदास रचित)	जिन वाणी		
	अनेकान्त	31	3
नंदी सूत्र की एक जैनैतर टीका	श्रमण	16	7
नवरात्रि कथा की एक सचित्र प्रति	विश्वम्भरा	3	2
नवहर के आदिचैत्य के निर्माण का महत्त्वपूर्ण उल्लेख	विश्वम्भरा	12	3-4
नमस्कार मंत्र सम्बन्धी विशाल जैन साहित्य	शाश्वत धर्म		
नटबुध आवे पण जट बुद्ध को आवे नीं	मरु वाणी	3	2
नैतिक जीवन और जैन धर्म	जैन जगत	22	11
निःस्पृही बनिए	सन्मति वाणी	5	4
नाथिया रा सोरठा	कुरजां	2	5-6

नियम धारण का फल	कुशल निर्देश	2	6
नागौर का महत्त्वपूर्ण जैन शास्त्र भण्डार	स्मारिका दादाबाड़ी		
	प्रतिष्ठा महोत्सव		
निर्विकल्प बनने के तीन महामंत्र	प्रेक्षाध्यान		
निह्नव वाद	कुशल निर्देश	9	6
नागौर का महत्त्वपूर्ण भट्टारकीय जैन शास्त्र भण्डार	अम्रता	1974	
नालंदा	कुशल निर्देश	2	1
नियुक्तिओं के रचनाकाल पर पुनर्विचार	धर्म ज्योति	14	2
नाथ सम्प्रदाय के बारह पंथ	प्राच्य भारती	5	47
नवपद माहात्म्य	विजयानन्द	25	9
नैतिक और औद्योगिक शिक्षा	सुधा बिन्दु	15	5
नगरकोट आदिनाथ स्तवन	विजयानन्द	20	12
नवाब दौलत खाँ सम्बन्धित घटना : एक प्राचीन प्रमाण	सन्त वाणी	2	8
निन्दा का त्याग	जीवन साहित्य	30	4
नाहटा कला भवन की सचित्र पंजाबी प्रति	सप्त सिंधु	8	7
नवीं शती का एक महत्त्वपूर्ण अमूल्य ग्रंथ-धूर्तराख्यान	अजन्ता	10	11
नाथ सम्प्रदाय के 12 पंथ	बासन्ती	8	1-2
नेमीदत्त काव्य के पूर्ववर्ती संस्करण	अनेकान्त	30	3-4
नाहटा गौत्र इतिहास संग्रह में योग दीजिए	युवक संदेश	31	9
नागराज डिंगल कोश	मरु भारती	2	2
नवांगी वृत्तकार श्री अभयदेवसूरि	आत्मानंद प्रकाश	69	5-6
नगरकोट के 5 स्तवन और विशेष जानने योग्य बातें	विजयानन्द	1	5
नाथिये रा सोरठा : शिक्षा-सार	मरु भारती	14	2
नरहड नरभट के प्राचीन उल्लेख	मरु भारती	4	4
नारी रासो व पद्मिनी छंद	मरु भारती	4	2
नरहरि महापात्र का सोने का झगड़ा	नागरी प्रचारणी		
	पत्रिका	63	1
निरंजनी सम्प्रदाय और उसका साहित्य	सप्त सिंधु	नव. 1962	
नाजर आनन्दराम रचित अज्ञान बोधिनी भाषा	साहित्य संदेश	4	10
नागौर नव जिन मन्दिर स्तवन	जैन सत्य प्रकाश	21	3
नागौर लोकागच्छ के कतिपय आचार्य संबंधी ज्ञातव्य	सुधर्मा	6	4
नव आचार्यों की एक संयुक्त मूर्ति	जैन सत्य प्रकाश	19	2-3
निन्दा-एक महापाप	कल्याण	33	9
नरवर नरेश सामसिंहजी की रचना और प्रकाश	गवेषणा	3	6
नाम मोह-एक महासंग	गुरुदेव पत्रिका	6	7
नित्य एवं नियमित स्वाध्याय की प्रतिज्ञा लें	दिगम्बर	65	1-2
नारी का उत्थान आवश्यक	चरित्र निर्माण	6	2
नरसी मेहता कौन थे?	जीवन साहित्य	40	10
निन्दा का त्याग	जीवन साहित्य	30	1-2

नागौरी लुकांगच्छ के आचार्य श्री वयरागजी	जिन वाणी	12	11
नागौरी लोकागच्छ के स्थापक हीरासाह और रूपचन्द	जिन वाणी	23	1
नागौर चैत्य परिपाटी	जैन सत्य प्रकाश	12	4
नागौर के भट्टारकीय भण्डार का अवलोकन	अनेकान्त	11	2
नेमीनाथ चरित्र	अनेकान्त	17	5
नगर कोट कागड़ा के जैन यात्री	अहिंसा वाणी	10	12
नाम विचक्षण, व्यक्तित्व विचक्षण	कुशल निर्देश	10	5
नाकोड़ा पार्श्वनाथ तीर्थ	कुशल निर्देश	4	5
नागौर के प्राचीन जैन श्वेताम्बर मन्दिर	कुशल निर्देश	4	5
न्याय की कमाई	कुशल संदेश	4	9
नाट्यशास्त्र सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण जैन ग्रंथ नाट्य पद	कुशल संदेश	26	8
नाव की सद्वृत्तियाँ एवं	शान्ति संदेश	8	7
नवाब दौलत खाँ	संत वाणी	2	8
नेमी-राजुल-एक बृहद् बारहमासा	सन्मति संदेश	9	4
नर रत्नसाहूजी और जैन संस्कृति का उद्धार	अनेकान्त	30	3-4
नैषधीय चरित की पुष्पिका में उल्लिखित अजितदेवसूरि जैन संदेश	जैन संदेश	28	14
नीति की कमाई बरकत देती है	कुशल निर्देश	4	12
नवो उपलब्ध फागु काव्य	सम्मेलन पत्रिका	53	1-2
नकली-असली लोभनंदी	कुशल निर्देश	7	5
नव रसों का एक प्राचीन विवरण	सरस्वती	60	15
नागजी-नागवंती वार्ता	हिन्दी अनुशीलन	8	1-2
नरसी मेहता : व्यक्तित्व व कृतित्व	हिन्दुस्तानी	26	3-4
नाजर आनन्दराम और उनकी रची हुई दो गद्य टीकारें	हिन्दुस्तानी	10	4
नवरात्रि की पशुबलि बंद करना अत्यावश्यक	हिंसा विरोध	12	8
नवयुवकों से	हंस	11	1
नकली विष्णु की लीला	कुशल निर्देश	10	8
न्याय अन्याय रो पड़लो	राजसीनी	18 जुलाई 53	
नेहरू रो मनोरंजन	राजस्थानी	4	5
नेताजी माथुर री गीता और भागवत भाषा	मरु वाणी	3	2
नागौर के बंशीलाल मन्दिर की प्रशस्ति	विश्वम्भरा	4	1-2
नवकोटि सम्बन्धी कतिपय महत्त्वपूर्ण उल्लेख	विश्वम्भरा	4	3
नेहरूजी की भस्म	रसवन्ती	1964	17
नाइक गोविन्द प्रसाद रचित गोविन्द वल्लभ काव्य	ब्रज भारती	24	3
निश्चलदास के प्रति प्रभाकर का विशेष परिचय		14	12
नारी उत्थान के प्रेरणादायक सुझाव	विजयानन्द	21	8
नागरीदास कृत जैन विलास	वीर वाणी	10	9-10
नागराज पिंगल के कुछ और पद	मरु भारती	7	3
नव पेड़ा तेरह लागदा कहावत संबंधी प्राचीन उल्लेख	मरु भारती	11	4
नल-दमयन्ती की वार्ता	मरु भारती	12	3

नर रत्न मोती शाह	जैन जगत	18	12
नैतिक जीवन और धर्म	जैन जगत	22	11
नरेन्द्र कीर्ति रचित मिच्छामिदुकुडं और समयसुन्दर की पद्मावली ढाल	वीर वाणी	23	24
निर्ग्रन्थ विद्यापीठ	जैन	59	23
नागौर के दिगम्बर हस्तलिखित जैन ज्ञान भण्डार	जैन संदेश	15	35
निर्वाण महोत्सव के विरोधी आ. रामचन्द्रसूरिजी और चन्द्रविजय श्री अब भी सोचे क्या खोया क्या पाया	जैन संदेश	46	2
निर्वाण-भक्ति हरिवंश पुराण में महावीर निर्वाण कल्याणक का वर्णन	जैन संदेश	52	16-18
निर्वाण-महोत्सव पर योजनाबद्ध कार्य हो	जैन गजट	79	35
निर्वाण-महोत्सव पर क्या खोया क्या पाया	शाश्वत धर्म	22	25-26
नवकार महामंत्र के अचिंत्य फल की अनुभव कथा	जैन मित्र	76	44
नरहड़ की पार्श्वनाथ सांतिशय प्रतिमा की खोज की आवश्यकता	अभय संदेश	3	1
निर्वाण भूमि अभय प्रदेश घोषित की जावे	चौराहा	7	1
निर्वाण महोत्सव की अमर यादगार-विश्वविद्यालय की स्थापना	जैन संदेश	45	48
नेम से महातम	ओक्तमो	20 फर. 59	
नाकोड़ा पार्श्वनाथ का एक प्राचीन स्तवन	जैन तीर्थकर	2	8
नाकोड़ा पार्श्वनाथ	जैन तीर्थकर	1	9
न्याय अन्याय रौ पर्सेसो	जैन भारती	1	38-39

प

पाशुपताचार्य वामेश्वरनाथ के दो ग्रंथों की ताड़पत्रीय प्रतियाँ	राज. भारती	1/1946	2
प्राचीन राजस्थानी साहित्य में डिंगल वीर गीत	राज. भारती	1	2
पापों से बचिए और सत्कर्मों में लगे	कल्याण	55	11
प्रवासी घासीराम शर्मा लिखित मारवाड़ियों का विनोद भूषण	जागती जोत	7	1
प्राणप्रिय काव्य के रचयिता व रचनाकाल	श्रमण	23	9
प्राकृत भद्रबाहु संहिता का अर्हकाण्ड	श्रमण	27	9
पर्युषणों में स्वाध्याय व ध्यानाभ्यास बढ़ाएं	सुधर्मा	21	1
पार्श्वनाथ के संगीत समयसार का नया संस्करण	सन्मति वाणी	10	1
पूज्य उपाध्याय मुनि श्री विद्यानन्दजी	सन्मति वाणी	6	4
प्राणिमित्र श्री आनन्दरामजी सुराणा की महान सेवाएँ	गोधन	25	4
पर्युषण पर्व आत्मा का पर्व है	विजयानन्द	26	8
प्रभावशाली आचार्य	श्रमणोपासक	14	6
पंजाब में रचित हिन्दी जैन साहित्य	श्रमणोपासक	9	1
प्रकाशित-अप्रकाशित स्मृति ग्रंथों की सूची	सिद्धान्त	24	6

पहली कृत कविताएँ	सम्मेलन पत्रिका	52	3-4
प्रविणाशय पातुर नाम की एक और कवयित्री	सम्मेलन पत्रिका	11	1
पौने छः सौ वर्ष प्राचीन विज्ञप्ति पत्र	विकास	1	1
पच्चीस सौवीं जयन्ती में जैनेतर लेखकों का सहयोग अत्यावश्यक है	जैन भारती	3	8
पूर्व देश के जैन मन्दिर	सन्मति संदेश	8	8-9
प्राचीन जैन लेख संग्रह	तित्थयर	10	2
पर्युषण पर्व और जैन सम्प्रदायों की एकता	जैन जगत	13	7
पूर्वकालीन ओसवाल ग्रंथकार	ओस. नवयुवक	8	8-9
प्राकृत भाषा का मदन मुकुट कामशास्त्र	भार. विद्या	2	2
प्राचीन जैनेतर ग्रंथों पर जैन टीकाएँ	भार. विद्या	2	4
पाणी पीजे छाण	कुशल निर्देश	10	3
प्रतिमा विज्ञान	सन्मति वाणी	4	9
प्राक्ष्य विशेष कहानी	मध्य प्रदेश संदेश	2	19
प्रद्युम्न चरित्र का रचनाकाल व रचयिता	अनेकान्त	14	6
पोथीखाने में बनारसीदास की कोई अज्ञात रचना नहीं है	वीर वाणी	30	18-19
पद्मचारियों में तीर्थकर माता के स्वप्नों की संख्या पर विचार	वीर वाणी		
प्राचीन जैन आगमों में ज्योतिष	ज्योतिषमति	2	3
प्रकाश का पर्व दीपावली	राज. समाज	16	41-43
प्रेम, सहिष्णुता और सेवा	समाज विकास	18	2
प्रवासी राजस्थानी बन्धुओं से	समाज विकास	18	2
पार्श्वनाथ चतुर्विंशति प्रतिमा का चित्र	सन्मति संदेश	4	11
श्री फूलचन्द महाराज का एक विशिष्ट व्यक्तित्व	आत्म रश्मि	सित. 1982	
पल्लू में जैन प्रतिमाओं की आवश्यकता	वल्लभ संदेश	10	11
पूजा-प्रतिष्ठा श्वेताम्बर आगम सम्मत है	वल्लभ संदेश	10	9
पं. जीवधर कृत अमरसार	शोध पत्रिका	27	1
प्राचीन जैन राजस्थानी गद्य साहित्य	शोध पत्रिका	6	2-3
प्राचीन जैन ग्रंथों में सं. गणना	विज्ञान	93	2
पर्युषण पर्व आत्म विशुद्धि का महान पर्व है	महावीर मिशन	पर्युषण पर्व विशेषांक	
पंजाब में रचित 17वीं शताब्दी की एक अप्रकाशित प्रेम कथा	पंजाब सौरभ	8	5
पंजाब जैन ज्ञान भण्डार, वहाँ के जैन संघ का कर्तव्य विजयानन्द		7	5
पूज्य वर्णीजी एक महान् आत्मा थे	वीर वाणी	28	5
प्राचीन राजस्थानी हस्तलिखित ग्रंथों में श्री महालक्ष्मीजी की कथा	हरावल		
पं. हरगोविन्ददास सेठ	जैन जगत	13	9,10,11
पर्वधिराज पर्युषण	शाश्वत धर्म	22	17

प्राचीन जैन गद्य साहित्य में राजस्थानी	श्रमण	7	10
प्रभु श्री महावीर	विजयानन्द	26	4
पुण्य प्रसंग	सुधर्मा	17	3
पर्युषणों में स्वाध्याय और ध्यानाभ्यास बढ़ाएं	जैन जगत	34	6
प्राकृत भाषा के चार कर्म ग्रंथ	श्रमण	13	10
पन्द्रहवीं शताब्दी का एक ऐतिहासिक रास कुमार देवरास	सम्मेलन पत्रिका	65	1-2
प्रस्तावना	स्नान पूजा		
पं. रामचन्द गणि रचित सुमुख नृपति काव्य	श्रमण	19	8
पूजा का फल	कुशल निर्देश	7	11
पिता की पहचान	कुशल निर्देश	5	11
पल्लू में दो जैन प्रतिमाओं की घोर आसातना	कुशल निर्देश	10	4
पू. पादलिप्त सूरि	कुशल निर्देश	7	12
पदम चरित्र में महावीर चरित्र और उपदेश	महावीर जयन्ती	1976	
पूज्य श्री शान्तिसूरिजी द्वारा प्रचारित			
ॐ अर्हम् नमः की महत्ता	रजत जयंती स्मारिका		
पंच परमेष्ठी नमस्कार	कुशल निर्देश	9	4
पदमिन्दर रचित बालावबोध प्रवचन सार का नहीं,			
प्रवचन सारोद्धार का है	श्रमण	21	5
पंडित मुनि विनयचन्द रचित ग्रह दीपिका	श्रमण	21	3
पाँच सीख	मरु वाणी	7	4
पंजाब के हिन्दी के आचार्य अमीरदास रचित			
अज्ञात कृष्ण कोश	परिशोध	1968	8
परमात्म-प्राप्ति का सरल उपाय-अर्हन्नाम	सुधर्मा	20	8
प्रजाब के जैन कवि जटमल नाहर और उनकी रचनाएं पंजाब सौरभ		6	11
पंजाब के जैन हिन्दी कवि नन्दलाल और उनकी रचनाएँ	पंजाब सौरभ	5	7
पुत्र की बुद्धिमानी	पंजाब सौरभ	4	8
प्रश्न व्याकरण सूत्र में छः शब्दों की पर्यायवाची नामावलि	भाषा	10	3
पक्षधर रचित संगीतकल्प और उसकी टीका	संगीत	44	10
पारिवारिक जीवन की दृढ़ भित्तियाँ-प्रेम, सहिष्णुता, सेवा	समाज विकास	5	33
पृथ्वीराज रासो में उल्लिखित शूरवीरों की नामावली	सन्मति वाणी	2	2
पीयूष वर्षी कवि बखतावर के अप्रकाशित पद	सन्मति वाणी	1	1
5वीं शती के प्राकृत ग्रंथ वसुदेव हिन्दी की राम कथा	जैन भारती	23	13
पूर्व भारत के जैन तीर्थ एवं मन्दिर	स्मारिका	1975	
पल्लीवालों के मातृभूमि त्याग की कहानी	ऐतिहा. लेख संग्रह	1965 जनवरी	
पूर्व देश के जैन मन्दिर	सेवा समाज	14	1-4
पर्याधिराज में नित्य स्वाध्याय की प्रतिज्ञा लें	ओस. समाचार	2	1

पर्युषण आत्मालोचन का पर्व है	आत्म रश्मि	4	5
पूज्य मनजी ऋषि	जिन वाणी	24	10
पल्लीवाल कवि मनरंगलाल की नेमी चंद्रिका	श्री पल्लीवाल	11	1
पंजाब में रचित कतिपय अज्ञात हिन्दी ग्रंथ	सप्त सिंधु	1	10
पूर्वकालीन ओसवाल ग्रंथकार	ओस. नवयुवक	सित. 77	
पर्युषण पर्व में क्षमापना और मैत्री भाव का महत्त्व	समाचार पत्रक		
पर्यटन : ज्ञान-वृद्धि का एक साधन	लोक सम्पर्क	1	7
पर्युषण पर्व नो पावन संदेश	आत्मानंद प्रकाश	63	10-11
प्राचीन भाषा काव्यों की विविध संख्याएँ	नागरी प्रचारिणी	58	4
15वीं शती की एक महत्त्वपूर्ण रचना	मरु भारती	2	3
पुण्य नंदि रचित रूपक माला महापर्व	अहिंसा वाणी	15	10
प्राचीन राजस्थानी लोककथाओं की सूची और दो कहावती कहानियाँ	लोक साहित्य	4	1
प्राकृत और उसका साहित्य	श्रमण	10	3
पावापुरी के अतिरिक्त पूर्व भारत के जैन तीर्थ एवं मंदिर	तित्थयर	12	4
पाटण का श्री बाडी पार्श्वनाथ जिनालय	कुशल निर्देश	13	10
पाँच सीख	कुशल निर्देश	13	10
पंजाब के हिन्दी जैन कवि मेघ	विश्लेषण	2	1
पेरोज खान प्रशस्ति	राज. भारती	10	4
प्रियमेलक तीर्थ-एक प्राचीन लोक कथा	मरु भारती	3	4
पल्लू की जैन सरस्वती मूर्ति	मरु भारती	2	1
पंजाबी भाषा की एक प्राचीन एवं महत्त्वपूर्ण रचना-मान सात	साहित्य मार्ग		
	स्मारिका	जुलाई 70	
पंचाख्यान रो राजस्थानी अनुवाद	मरुवाणी		53
प्राचीन श्वेतांबर जैन ग्रंथों में जैनतर ग्रंथों का उल्लेख	ज्ञानोदय	2	20
पवाड़ों की प्राचीन परम्परा	कल्पना	1	5
प्राचीन चित्रित वस्त्रपट	ज्ञानोदय	6	3
प्रीतिकालिका काव्य में संगीत-चर्चा	संगीत	28	4
पौने छः सौ वर्ष के अधिक मास	ज्ञानोदय	2	24
प्रत्येक अहिंसा-प्रेमी का कर्तव्य	कल्याण	36	12
परमात्म-प्राप्ति का सरल उपाय	कल्याण	51	7
पयन्ना साहित्य	मंगल पत्रिका	1	2
पं. सुखलालजी का अभिनव ग्रंथ	धर्मदूत	4	7
पांच सौ वर्ष प्राचीन एक आध्यात्मिक गीत	महा. जयंती	1970	
परिषद् के अधिवेशन पर स्वागत भाषण	दार्शनिक	5	17
प्रत्येक अहिंसा प्रेमी का कर्तव्य मांसाहार के बढ़ते प्रचार का रोकना	दिगम्बर	दिस. 68	
पल्लीवाल जैन जाति के इतिहास के बारे में दो शब्द	धर्मरत्न	1	12

प्राकृत हिन्दी कोश के महान् प्रणेता पं. हरगोविन्ददास	वीणा श्रमण	29-30	12
परिवार प्रथा का विकास	चरित्र निर्माण	7	3
प्रश्नोत्तर	जैन धर्म प्रकाश	49	1
प्रश्नकार	जैन धर्म प्रकाश	50	9
पूज्य वरसिंहजी (दतिज)	जिन वाणी	25	1
पूज्य नाथूरामजी का संक्षिप्त परिचय	जिन वाणी	14	8
पं. रामकरणजी आसोपा	जिन वाणी	1	1
प्राचीन हरियाणवी काव्य कूकड़ा में जरीचन्द्र बाई	जिन वाणी	जन. 69	1
पुरुषोत्तम श्री कृष्ण के विशिष्ट पराक्रम	श्रीकृष्ण संदेश	7	2
पंचतंत्र के उद्धारक पूर्णभद्र जिनपतिसूरि के शिष्य थे	जैन सत्य प्रकाश	16	2
पर्वाधिराज पर्युषण आराधना के महत्त्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान	आत्मानंद प्रकाश	67	10-11
पूर्व देश चैत्य परिपाटी	जैन सत्य प्रकाश	18	4-5
श्री चरित्र वर्णन	जैन सत्य प्रकाश	20	4
पृथ्वीराज रासो और उनकी हस्तलिखित प्रतियाँ	राजस्थानी	3	2
प्रद्युम्न चरित्र का रचनाकाल व रचयिता	अनेकान्त	14	6
प्राडवार जाति का निकास	अनेकान्त	14	6-7
पंजाब और सिंध की दादावाडियाँ	विजयानन्द	2	2-3
प्राचीन जैन तीर्थ मथुरा का महत्त्वपूर्ण...	अनेकान्त	14	6
पंचासजी कहते थे कि	कुशल निर्देश	11	2
पाप-पुण्य सज्जाय (मेघराज नाहटा)	कुशल निर्देश	11	9
पूज्य श्री मोहनलाल महाराज की गुरु परम्परा	कुशल निर्देश	11	11
पुण्यनन्दि रचित रूपकमाला	अहिंसा वाणी	15	10
पावापुरी राजग्रही तक का प्रदेश अभय प्रदेश घोषित कराया जाय	अहिंसा वाणी	4	7
पुस्तक शब्द की प्राचीनता और उसके पाँच प्रकार	अवन्तिका	2	2
पंचों के संघ का वर्णन और श्री पूज्यजी महाराज का विहार	कुशल निर्देश	11	12
प्रवासी की पीड़ा	कुशल निर्देश	12	5
प्रमाद-त्याग और पूजा का परिणाम	कुशल निर्देश	5	3
पुण्यात्मा सेठ श्री रावतमलजी बोधरा	कुशल निर्देश	5	66
परमानंद सूरिजी कृत बदनौर चैत्य की परिपाटी	कुशल निर्देश	4	6
पाटण के चार नाम	कुशल निर्देश	5	1
प्रमाद-त्याग और पूजा का परिणाम	कुशल निर्देश	5	3
पूज्य श्री रामचन्द्रजी महाराज और उनकी रचनाएँ	जिन वाणी	28	8
प्राचीन ग्रंथों का सम्पादन प्रत्येक का कर्तव्य	साहित्य संदेश	7	4
प्रश्न व्याकरण नाम के कुछ अन्य ग्रंथ	जिन वाणी	37	12
पशुबली तो बन्द हो ही जानी चाहिए	जीवन यज्ञ	2	1
प्राचीन राजस्थानी की महत्त्वपूर्ण कृति	शोध पत्रिका	3	3
45 आगम और मूल मंत्र	श्रमण	32	6

पतन का प्रवाह रोका जाय	अखण्ड ज्योति	18	1
पर्युषण और हमारा कर्तव्य	श्रमण	8	11
पूज्य श्री सहजानन्दजी और आत्मकीर्ति	श्री कृष्ण संदेश	25	7
प्रेमवली के दोहे	मरु भारती	16	2
प्रज्ञाचक्षु राजकवि श्रीपाल की महत्त्वपूर्ण अज्ञात रचना	श्रमण	18	5
पंडित रामचन्द्र गणि रचित समुख 2 प्रति काव्य	श्रमण	19	8
प्रतिकालिका काव्य भी था	संगीत	28	4
पद्यबद्ध हिन्दी संगीत के ग्रंथों के निर्माण में	संगीत	25	9
पंचम गणधर सुधर्मा स्वामी	सुधर्मा	1	3
प्रश्नोत्तर रत्नमाला	संत वाणी	4	6
पंचम काल में मोक्ष क्यों नहीं?	सन्मति संदेश	3	2
प्राचीन एवं अर्वाचीन प्रगति पर एक दृष्टि	सन्मति संदेश	3	10
पिंगल शिरोमणि रचनाकाल पर पुनः विचार	वरदा पत्रिका	16	3
प्राचीन राजस्थानी काव्य संग्रह	वरदा पत्रिका	17	1-2
प्राचीन हियाली संग्रह	वरदा पत्रिका	19	4
पृथ्वीराज रचित बेलि का एक और पद्यानुवाद	वरदा पत्रिका	20	1
परसराम तीर्थ गजल	वरदा पत्रिका	21	4
15वीं शती की मेवाड़ में चित्रित एक विशिष्ट प्रति	शोध पत्रिका	5	2
प्राचीन जैन राजस्थानी ग्रंथ साहित्य	शोध पत्रिका	7	2-3
15वीं शती का एक महत्त्वपूर्ण अज्ञात ग्रंथ	शोध पत्रिका	9	3
पार्श्वनाथजी और उनकी रचना	शोध पत्रिका	10	1-2
प्राकृत और उनका साहित्य	सन्मति वाणी	1	10
पृथ्वीराज कृत वेलि की 3 महत्त्वपूर्ण प्रतियाँ	शोध पत्रिका	15	2
पाटण के श्वेताम्बर ज्ञान भण्डारों में दिगम्बर ग्रंथों की ताड़पत्रीय पत्रिका	अनेकान्त	33	3
पाण्डे जिनदास रचित जोगी रासो	जैन संदेश	सित. 79	9-10
पं. हीरानंद उल्लिखित भगवतीदास ज्ञाता कौन थे?	जैन संदेश	सित. 79	9-10
पृथ्वीराज रासो में उल्लिखित अमरसिंह सेवग	साहित्य संदेश	25	6
पुरातत्त्वाचार्य पदमश्री मुनि जिनविजयजी	कुशल निर्देश	4	7
पूज्य सहजानंदधनजी रचित दिगम्बर ग्रन्थत्रय का गुजराती अनुवाद	कुशल निर्देश	4	10
पूजनीय मुद्राओं की परम्परा	कुशल निर्देश	4	10
परमाल प्रभु पद प्राप्ति का सरल उपाय—लघुता	कुशल निर्देश	4	12
पाटलीपुत्र नगर कल्प	कुशल निर्देश	5	5
पंजाब के जैन ज्ञान भण्डार और रूप नगर मन्दिर का संग्रह	सम्मेलन पत्रिका	62	1
पंजाब में रचित हिन्दी जैन वैद्यक ग्रंथ साहित्य	सप्तसिंधु	1	7
पंजाब में रचित कतिपय अज्ञात हिन्दी ग्रंथ	सप्तसिंधु	1	10
25 सूफी सन्तों के मार्मिक और प्रेरणादायक उपदेश	सप्तसिंधु	10	4
पंजाब के प्रथम जैन हिन्दी कवि मालदेव	सप्तसिंधु	12	9

प्रश्न करने वाली राजकुमारी	कुशल निर्देश	5	2
प्राचीन जैन ग्रंथों में कुल और गौत्र	सम्मेलन पत्रिका	86	2
पदमावली की अप्राप्त लोककथा-सामनावली	सम्मेलन पत्रिका	43	2
पृथ्वीराज रासो के वृहद् संस्करण के उद्धारक			
अमरसिंह द्वितीय थे	साहित्य संदेश	17	5
पंच प्रतिक्रमण सूत्र	कुशल निर्देश	7	6-7
प्राकृत भाषा का एकमात्र अलंकार शास्त्र-			
अलंकार दर्पण	सरस्वती	66	13
प्राचीन हिन्दी वर्णमाला से सम्बन्धित नई जानकारी	सरस्वती	65	11
पंजाब में रचित जैन संस्कृत साहित्य	सरस्वती	63	25
प्राचीन श्वेताम्बर जैन ग्रंथों का उल्लेख	ज्ञानपीठ पत्रिका	2	28
पौने चार सौ वर्षों से अधिक मास	ज्ञानपीठ पत्रिका	2	29
पंजाब के कतिपय हिन्दी ग्रंथ	हिन्दी अनुशीलन	10	4
पृथ्वीराज रासो की सभा में जैनाचार्यों के शास्त्रार्थ	हिन्दुस्तानी	10	11
पुण्य-पाप की शुभाशुभता	कुशल निर्देश	10	7
प्राकृत भाषा का हस्तलिखित ग्रंथ कोष्ठक चिन्तामणि	परिषद् पत्रिका	50	4
पाप से बाप	मरु वाणी	1	1
पदमावती पदमसी रास	वरदा	1	4
परिचय संज्ञक कतिपय अन्य रचनाएँ	राष्ट्र भारती	12	1
पृथ्वीराज और उनकी रचनाएँ	राष्ट्र भारती	2	8
परिचयी संज्ञक रचनाओं की जानकारी	राष्ट्र भारती	12	9
पोस्ती रासो का गद्य	राष्ट्र भारती	5	1
पृथ्वीराज रासो के लघुतम संस्करण	राष्ट्र भारती	10	3
प्रेम रत्नाकर के रचयिता और उसका रचनाकाल	ब्रज भारती	12	4
प्रश्नोत्तर रत्नमाला का राजस्थानी पद्यानुवाद	वरदा	12	4
प्रबन्ध पंचशती के कुछ शब्दों पर विचार	वरदा		
प्राचीन राजस्थानी गद्य सुकुमाल रास	राज. भारती	3	2
पंजाब के जैन ज्ञान भण्डार	विजयानन्द	4	5
पंजाब में रचित जैन साहित्य	विजयानन्द	7	12
प्रत्येक जैन का पहला कर्तव्य एवं युग-धर्म	विजयानन्द	23	9
पारसी भाषा की जैन रचनाएँ	वीर वाणी	2	13
पाटलिपुत्र नगरकल्प	कुशल संदेश	5	5
परमात्मा प्रकाश वचनिका के रचयिता जीवराज नहीं,			
धर्मवर्द्धन हैं	वीर वाणी	11	8
पुरन्दर कुमार की कथा	मरु भारती	3	4
पाँच मित्रों की कथा	मरु भारती	5	2
प्राचीन भाषा काव्यों की विविध संज्ञाएँ	नागरी प्रचारिणी	58	4
प्राचीन राजस्थानी का एक महालक्ष्मी गीत	प्रेरणा	11	12
पूज्य सहजानन्दजी महाराज	जैन जगत	24	10

पृथ्वीराज रासो का रचनाकाल	विशाल भारत	6	228
पंचक काल और मोक्ष	वशाल भारत	8	11
प्रताप चरित्र काव्य में भामाशाह का वर्णन			
प्राकृत हिन्दी कोष के प्रणेता पं. हरगोविन्ददास थे	जैन जगत	18	5
प्राचीन जैन कथा व सुधिर चरित्र कथा	जैन जगत	14	7
फ			
फल कौतूहल और कुसुम कौतूहल आदि रचनाएँ	वरदा	7	2
फगवाड़े के जैन कवि मेघ और उनकी रचनाएँ	पंजाब सौरभ	4	6
फलौदी और हमीरपुर संबंधी कतिपय अप्रकाशित लेख लहर		1	2
फतमल का प्राचीन लोकगीत	मरु भारती	3	1
फलोत्पादन-वृद्धि का प्रयत्न	जैन जगत	7	3
फलौदी के पार्श्वनाथजी के प्रतिष्ठापन	जैन सत्य प्रकाश	4	4
फगवाड़े के जैन कवि मेघ रचित गोपीवचन कथा	विजयानन्द	1	10
फोगती सवाल की चामत्कारिक बातें	वरदा	5	4
फलौदी की कुटिल टिप्पणी	नागरी प्रचारिणी	49	3
पावा समीक्षा की परीक्षा	जैन भारती	20	50
फुटकर पन्ना और गुटकों की सूची बनाना आवश्यक	जैन भारती	65	52

ब

बीकानेर के प्राचीन राजस्थानी और हिन्दी कवि	स्मारिका	2027	
बीकानेर के दिगम्बर ओसवाल जैतराज बाफना			
की रचनाएँ	स्मारिका	1967-68	
बीसलदेव रासो की कतिपय नवीन प्राप्त प्रतियाँ	राज. भारती	1950	1
बीकानेर के सचित्र विज्ञप्ति-पत्र	राज. भारती	1	4
ब्रजवासी और उनका ब्रजदास भगवत	वनस्थली 1968	3	10
बीकानेर का 400 वर्ष प्राचीन महत्वपूर्ण पत्र	राज. भारती	3	10
बीकानेर के प्राचीन राजस्थानी और हिन्दी कवि	परिषद् पत्रिका	17	1
बारहवीं शताब्दी की एक तीर्थमाला	श्रमण	27	10
बालकवत निश्छल एवं निर्विकार बनिए	जिन वाणी	36	7
बालक-राष्ट्र के भावी कर्णधार	संस्कृति	21	2-4
बीकानेर का राजस्थानी जैन कवि वाचक विनयसमुद्र	राज. भारती	5	1
बीकानेर चित्र-शैली का एक सर्वाधिक चित्रों वाला			
विशिष्ट कल्पसागर	आकृति	11	4
बीकानेर की मथुरेल चित्रशैली	आकृति	जनवरी 78	3
बौद्ध ग्रंथों में अरिहन्त का स्वरूप और अरिहन्त			
बनने की प्रक्रिया	जैन प्रकाश	1980	15
बंगला भाषा में जैन साहित्य	ओसवाल	8	10
बुद्धि की परीक्षा	कथालोक	2	7
बीजा की प्रेमिका सोरठ का वास्तविक नाम	साधना	11	11

ब्रजभाषा का प्राचीन व्याकरण	ब्रज भारती	28	4
बल्लभ जिनदास सम्बन्धी विशेष ज्ञातव्य	अनेकान्त	35	1
बारहवीं काना की परीक्षा	कुशल निर्देश	1	2
बंगीय विद्वानों की जैन साहित्य में प्रगति	अनेकान्त	3	2
बिहारी सतसई की जैन मरु भाषा	अनेकान्त	21	4
बात केवलसी साखला नै भारमल री	राज. भारती	6	3
बीबी बांदी का झगड़ा	वरदा	4	4
बीकानेर में दौलत कीर्ति रचित सीता चउढालियो	विश्व भारती	12	2
बीकानेर क्षेत्र के सर्वप्रथम जैन संस्कृत टीकाकार और उनकी रचनाएँ	विश्व भारती	10	3
ब्रज साहित्य का संग्रह व संरक्षण परमावश्यक	ब्रज समाचार	2	9
बालकोपयोगी मासिक और दैनिक जैन पत्र	वल्लभ संदेश	7	10
बीकानेर का त्रैलोक्य दीपक प्रसाद	जैन जगत	9	3
बीकानेर के चार महावीर मन्दिर	वीर वाणी	26	13
बात का मोल	कुशल निर्देश	6	6
बहुत गई, थोड़ी रही	कुशल निर्देश	4	3
बुद्धि : सबसे बड़ा धन	धर्म ज्योति	14	3
बुद्धिशाली ग्राहक	कुशल निर्देश	8	2
बुद्धिमान बहू	कुशल निर्देश	3	5
बाल साहित्य के निर्माण एवं प्रकाशन की आवश्यकता	सुधर्मा	22	4-5
बालकों के लिए संगीत की उपयोगिता	बाल संगीत अंक	47	1-2
बंगाल में जैन धर्म	जैन भारती	21	31
बंगाल के जैन पुरातत्त्व के शोध में	जैन भारती	21	21
ब्राह्मणबाड़ा और नोदिया	स्मारिका	1975	
बीकानेर का अप्रकाशित ख्यात गजनामा	जर्नल ऑफ राज.	6	3
बीकानेर की माता सती माणिका के दो गीत	ओसवाल समाचार	7	1
बांगड़ प्रदेश के कतिपय दिगम्बर विद्वान और उनकी रचनाएँ	वाग्वर	15	2-9
बढ़ता हुआ दुर्गुण-धूम्रपान	वीर बालक	5	10
बिहारी सतसई के टीकाकार मानसिंह कवि कौन थे?	नागरी प्रचारिणी	46	1
बणिये रे धके को चढ़ी नी	नैणसी	5	11
बालभाषा का एक प्राचीन व्याकरण	भाषा		2
बीकानेर का कलाधाम त्रैलोक्य दीपक प्रसाद	युग प्रभात	13	19
बीकानेर एक आदर्श संग्रहालय	राज. भारती	1	1
ब्रह्मलाल चरित्र	जैन सा. भास्कर	12	2
ब्रजभाषा सेवी कुंवर कुशल के दो द्वन्द्व ग्रंथ	ब्रज भारती	13	1
बेटी आप करमी के बाप करमी	कालीदास	1961 दिस.	
बीकानेर के पर्युषण में कसाईबाड़ा बंदी के लिखापढ़ी री नकल	जिन वाणी	10	11
बाल विकास और जैन साहित्य में बुद्धिवर्द्धक दृष्टांत	बाल विकास अंक	फर. 40	

बीसलदे रास सम्बन्धी कतिपय भ्रांतियों का संशोधन	अजन्ता	6	11
बेकारी की समस्या का हल-छोटे उद्योग			
धंधों का विकास	दैनिक लोकवाणी	दिपावली विशेषांक	53
बंगला भाषा में राजस्थानी सम्बन्धी साहित्य	मधुमति	6	4
बीकानेर के जैन मन्दिर	आत्मानन्द	4	1
बापू के उत्तराधिकारी	चरित्र निर्माण	नव.-दिस.55	
बुद्धि-बल	चरित्र निर्माण	6	9
बहत्तरवीं कला की परीक्षा	कुशल निर्देश	1	2
बाईस संघाड़ा नाम पटावली	जिन वाणी	24	12
बेलि संज्ञक काव्यों की रूप परम्परा	कल्पना	7	4
बीकानेर के ज्ञान भण्डार में प्राप्त तीन डिंगल अपभ्रंश काव्यों की प्रतियाँ	वीर वाणी	5	9-10
ब्रज विलास सारावली	श्रीकृष्ण संदेश	7	7
बांकीदास की ऐतिहासिक बातां ग्रंथ में ओसवाल सम्बन्धी ज्ञातव्य	ओसवाल नवयुवक	8	10
बनारसी विलास का नया संस्करण	वीर वाणी	7	9
बम्बई चिन्तामणिजी मन्दिर के अभिलेख	जैन सत्य प्रकाश	21	8
बा बेला तो बो बागी	ओलभो	फर. 64	
बम्बई मण्डल श्री चिन्तामणि प्रतिष्ठा स्तवन	जैन सत्य प्रकाश	18	12
बारह भावना के साहित्य के बारे में विशेष ज्ञातव्य	जैन सत्य प्रकाश	13	5
बारह भावना सम्बन्धी विशाल साहित्य	जैन सत्य प्रकाश	13	12
बृहद् गच्छीय गुर्वावली	जैन सत्य प्रकाश	7	5
बंगाल के एक जैन हिन्दी कवि-चेतन विजय	अजन्ता	8	6
बीसलदेव रासो और उसकी हस्तलिखित प्रतियाँ	राजस्थानी	3	3
बादीचन्द्र रचित अम्बिका कथा सार	अनेकान्त	16	6
बनारसीदास का मोह विवेक युद्ध जनगोपाल की कृति है	अनेकान्त		
बुद्धिशाली रोहक	कुशल निर्देश	8	2
ब्रह्म जिनदास-एक अज्ञात रूपक काव्य	अनेकान्त	11	9
बिहारी सतसई की एक अज्ञात जैन भाषा टीका	अनेकान्त	21	4
बनारसी विलास के नये संस्करण की आवश्यकता	अहिंसा वाणी		96
बुद्धि-धन सबसे बड़ा	कुशल निर्देश	3	6
बिल्ली की रक्षा का प्रतिफल	कुशल निर्देश	6	9
बीज का असर	कुशल निर्देश	6	10
ब्रज के सांस्कृतिक इतिहास में जैन सम्बन्धी विवरण	अहिंसा वाणी	17	1-2
बारहवीं शताब्दी की एक तीर्थमाला	श्रमण	27	10
बंगला आदि भाषाओं के सम्बन्ध	श्रमण	22	12
बडगच्छ के युग प्रधान दादा मुनि सोसड़सूरि	श्रमण	24	11
बीसवीं सदी का जैन साहित्य	श्रमण	5	3
बखतराम रचित बुद्धि-विलास	सन्मति संदेश	13	4

बीसा बोली री बात	मरु भारती	13	1
बुन्देलखण्ड के जैन तीर्थ	सन्मति संदेश	17	6
बंगला ग्राम और हिंगलाजगढ़ की जैन मूर्तियाँ	सन्मति वाणी	8	6
बुद्धि विलास और वर्द्धमान पुराण के कर्त्ता क्या पदकार नवल हैं?	जैन संदेश	28	32
बुद्धिमान बहुत	कुशल निर्देश	4	3
बंघल वंशावली दृश्य	परिषद् पत्रिका	17	1
बीकानेर युद्धवीर मुहता रामचन्द्र राठी	परिषद् पत्रिका	20	7
बिरामण देवता निरखो ठाकर	राज. वीर	24*	11
ब्रजदासी भागवत	बल्लभीय सुधा	6	3
बीकानेर के कविवर राठौड़ पृथ्वीराज की खोज	बल्लभीय सुधा	8	2
बिरमाजी खने डेपुटेशन	राजस्थानी	2	7
बारठजी री चतराई	राजस्थानी	2	7
ब्रजभाषा का एक महत्त्वपूर्ण प्राचीन गद्य ग्रंथ	ब्रज भारती	14	4
ब्रज भाषा के कुछ गद्य ग्रंथ	ब्रज भारती	15	3
बारठ बिशनसिंह रचित विजय विलास	प्रेरणा	9	11
बीसलदेव रासो के रचयिता का नाम और समय	राष्ट्र भारती	9	11
बीकानेर की अनूप संस्कृत लाइब्रेरी का संक्षिप्त परिचय	राज. चैम्बर	2	3,4,5
बीकानेर के महाराजा अनूपसिंहजी के आश्रित हिन्दी कवि	राज. दीक्षित	2	1
बंसत ललिका की अपूर्ण प्रति	ब्रज भारती	21	4
ब्रज भूमि की दो महान विभूतियाँ भ. नेमिनाथ और राजामती	ब्रज भारती	23	4
ब्रज भाषा का विशिष्ट ग्रन्थ-प्रवीण सागर	ब्रज	12	2,3
ब्रज भाषा सैनी कुंवर कुशल के दो छंद ग्रंथ	ब्रज	13	1
बीकानेर का सचित्र विज्ञप्ति पत्र	राज. भारती	1	4
बीकानेर के 408 वर्ष पुराने महत्त्वपूर्ण पत्र	राज. भारती	2	1
बिसलदेव रासो की कतिपय नवीन प्राप्त प्रति	राज. भारती	3	1
बिहार राष्ट्र भाषा परिषद् पटना के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन राज. भारती		8	3,4
विद्या विलासी महाराजा भोज सम्बन्धी राजस्थानी जैन साहित्य	राज. भारती	8	3,4
बलदेव परवणी की अन्य रचनाएँ	वीर वाणी	22	13-14
बासठिया बोल स्तवन के रचयिता कांति सागर	वीर वाणी	22	18
बख्तावरसिंह रतनलाल रचित श्री जिनदत्त सूरि	वीर वाणी	25	5
ब्रह्म बावनी एवं नभचक्र भाषा के रचयिता निहाल नहीं, भिन्न-भिन्न दो लेखक हैं	वीर वाणी	25	8
बद्रीजी जगनाथजी तिरुपति बालाजी की मूर्तियाँ जैन हैं	वीर वाणी	21	22

ब्रह्म जिनदास की कतिपय अन्य गुजराती रचनाएँ	वीर वाणी	3	11
बम्बई सरकार में प्रथम पुरस्कार प्राप्त जैन आगम साहित्य में गुजरात ग्रन्थ-परिचय	जैन जगत	10	5
बर्नाड शॉ का जैन मन्दिरों के प्रति आकर्षण	जैन जगत	20	6
बालावबोध	जैन जगत	14	4
बखतराम रचित बुद्धि विलास	जैन सिद्धान्त	14	1
ब्रह्म गुलाल चरित्र	भास्कर	12	2
बुध मेघ मंगल रचित शांतिनाथ चरित्र	जैन संदेश	19	46
बौद्ध दीक्षा और साम्प्रदायिकता	तरुण	14	3-4
बड़े दादाजी श्री जिनदत्तसूरिजी के चित्रमय प्राचीन काष्ठ फलक	श्वे. जैन	20	22
बंगीय संस्कृत शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं में जैन पाठ्यक्रम	जैन संदेश	30	15
बंकचूल की कथा की प्राचीनता व तत्सम्बन्धी रचना	जैन भारती	6	33
बखताराम शाम कृत बुद्धि विलास में खण्डेलवाल उत्पत्ति	जैन संदेश	52	13,15
बौद्धों का ध्यान-सम्प्रदाय सम्बन्धी ज्ञातव्य विवरण	जैन भारती	10	6
बंगला कल्पसूत्र	जैन पत्रिका	56	32,33
ब्रह्मचारी लामधीदास की कैलाश-यात्रा	जैन संदेश	24	32
बीकानेर के साहित्योपासक	प्रजा सेवक	31 दिस. 41	
बीकानेर की कला समृद्धि	राज. समाज	20	5
बीकानेर जैन महावीर निर्वाण-समिति का एक विशिष्ट कार्यक्रम	जैन संदेश	45	33-34
बंगाल प्रान्त में जैन धर्म के प्रचार का प्रयोग व आवश्यकता	जैन संदेश	13	17
बीकानेर : दर्शनीय जैन मन्दिर	ओलभो	दिपा. 62	
बूढ़ा पीण जे कहिये बाल	जैन भारती	2	48
भ			
भगवान महावीर के जीवन एवं उपदेशों से मिलने वाली शिक्षाएँ	विजयानन्द	21	1-2
भोज चरित्र का रचनाकाल	सरस्वती	74	2
भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व	स्मारिका	1975 जून	
भगवान महावीर की मंगलमय वाणी	स्मारिका	अप्रैल 1964	
भगवान महावीर और नारी समाज	स्मारिका	27 मार्च 62	
भगवान महावीर के साधना-तत्त्व : मौन और ध्यान	श्रमणोपासक	24 मई 81	
भक्तामर की एक और सचित्र प्रति	श्रमण	24	7
भक्तामर स्तोत्र की सचित्र प्रति	श्रमण	22	4
भगवान महावीर के जीवन की सबसे प्राचीन गाथा	कुशल निर्देश	3	1

भगवान महावीर की महान शिक्षा-आत्मनिरीक्षण	कुशल निर्देश	9	11
भेद विज्ञान की साक्षात् मूर्ति पूज्या विचक्षणश्रीजी	जैन जगत	24	2
भगवान महावीर की कतिपय स्तुतियाँ	ब्रन्दावली	24	3
भगवान महावीर की महावीरता	कुसुमांजलि स्मारिका		
भक्तामर स्तोत्र और वैदिक स्तुतियों का तुलनात्मक अध्ययन आवश्यक	सन्मति वाणी	8	11
भगवान महावीर की अभय मूलक साधना	सन्मति वाणी	8	10
भगवान महावीर की अप्रतिम साधना	श्रमणोपासक	15	19
भगवान महावीर का स्थिरीकरण का प्रसंग	श्रमणोपासक	12	10
भगवान महावीर सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण नाटक और एकांकी संग्रह	सुधर्मा	19	5
भगवान महावीर के उपदेश और उनकी वर्तमान में उपयोगिता	सुधर्मा	19	4
भारतीय संस्कृति का एक उदात्त तत्त्व-परोपकार	समाज विकास	5	32
भारत जैन महामण्डल यह भी करें	जैन जगत	31	7
भली हुई जै धन गयौ	हरावल	1	17
भगवान महावीर : निर्वाण एवं दीपावली प्रसंग	विजयानन्द	18	10
भगवान महावीर के अनमोल संदेश	वीतराग वाणी	2	3-8
भगवान महावीर का धर्म है-वीतराग और हम हैं दृष्टिरागी	श्री महावीर जैन गौशाला स्मारिका		
भगवान महावीर का निर्वाण और उनके द्वारा प्ररूपित निर्वाण-मार्ग	ज्ञान मंजूषा	1	10
भगवान ऋषभदेव प्रतिमा के कंधों पर केशराशि श्वेताम्बर मान्य भी है	श्रमण भारती	2	1
भारतीय संस्कृति में सूर्य का महत्त्व	संस्कृति	22	3
भगवान नेमिनाथ का समय : एक विचारणीय समस्या	जैन भारती	23	31
भगवान पार्श्वनाथ जयन्ती	जैन भारती	28	20
भगवान महावीर की मंगलमय भावना	गुरुदेव	17	35
भगवान महावीर की पच्चीसवीं जयन्ती	अहिंसा वाणी	18	4
भगवान महावीर का निर्वाण एवं प्रकाश पर्व दीपावली	अहिंसा वाणी	26	10
भारतीय संस्कृति का एक आवश्यक अंग गोरक्षा	गोधन	5	19-20
भगवान महावीर और नारी समाज	वन्देवीरय	2	4
भाषा भारत की ऐतिहासिक प्रशस्ति	राज. भारती	6	1-2
भगवान महावीर के आध्यात्मिक सिद्धान्त	वीरदेशना		
भक्त चतुर रचित पदावली	राष्ट्रभाषा		1
भरतपुर के कवि अखेरराज और उनकी रचनाएँ	राष्ट्रभाषा		
भड्डरी : कुछ विशेष जानकारी	नवनीत	दिस. 1978	
भारंड (पौराणिक पक्षी)	नवनीत	24	15

भगवान महावीर का दिव्य जीवन	शाश्वत धर्म	24	15
भले की भलाई और बुरे की बुराई	स्मारिका	1974-75	
भीमसेन कथा	राजस्थानी	5	3-4
भेद नीति	राजस्थानी	6	
भाग्य-परीक्षा	कुशल निर्देश	1	24
भगवान ऋषभदेव का स्मारक-भारतीय महापर्व अक्षय तृतीया	कुशल निर्देश	1	2
भगवान महावीर की परम भक्त श्राविका सुलसा की दृढ़ श्रद्धा	कुशल निर्देश	10	6
भक्ति लाभो उपाध्याय का समय और उनके ग्रंथ	जैन सत्य प्रकाश	12	
भीमविजय गणिरास का सार	जैन सत्य प्रकाश	13	6
भारतीय नारी का गौरवमय अतीत	समाज कल्याण	2	9
भारत की श्वास समस्या	समाज कल्याण	11	10
भेद की दीवारें तोड़कर अभेद की ओर बढ़ें	जैन भारती	4	6
भगवान महावीर-विशुद्ध साधक	सर्वोत्तमान	11	
भगवान महावीर के समय का एक बाधक प्रसंग	श्रमण	6	6-7
भक्तामर स्तोत्र के श्लोकों की संख्या	श्रमण	22	10
भक्तामर स्तोत्र पादपूर्ति स्तवन काव्य	श्रमण	15	1
भगवतगीता और जैन धर्म	रमण	15	12
भगवान महावीर की तीन अमूल्य सेवाएँ	श्रमणापासक	1	21
भगवान सुदित रचित अनन्य माल	संत वाणी	6	12
भगवद् दर्शन और जैन धर्म	शाश्वत धर्म	7	6
भगवान महावीर की अप्रतसाधना	श्रमणोपासक	15	19
ज्ञान विनय कृत भगवन गायत्री गजल	स्वाध्याय	6	2
भीमसिंह रास	स्वाध्याय	11	3
भलाभली पृथ्वी छै	वरदा	18	4
भगवान महावीर के साधना की विशेषता	जैन जाग्रति	8	3
भरत मुनि के कुछ जैन हिन्दू साहित्यकार	जैन संदेश	33	44
भानुलब्धि रचित कर्म प्रकृति बत्तीसी	जैन संदेश	41	40
भक्तामर स्तोत्र के चार-चार अतिरिक्त पद	जैन संदेश	41	40
भगवान महावीर सम्बन्धी सबसे पहला संस्कृत महाकाव्य	अहिंसा वाणी	29	3-4
भगवान महावीर की दृष्टि में स्वाध्याय की महत्ता	अहिंसा वाणी	29	12
भगवान महावीर के उपदेश और वर्तमान में उपयोगिता	अहिंसा वाणी	26	4-5
भाग्य बिना भोग नहीं	कुशल निर्देश	4	1
भगवान महावीर और समत्व	कुशल निर्देश	2	5
भगवान महावीर का जन्म स्थान क्षत्रिय कुण्ड-एक विचारणा	कुशल निर्देश	1	1
भगवान ऋषभदेव का स्मारक	कुशल निर्देश	1	2
भारतीय महापर्व : अक्षय तृतीया			

भगवान महावीर द्वारा प्रशंसित तीन व्यक्ति	अहिंसा वाणी	11	4
भगवान श्री अजितनाथ और संभवनाथ	अहिंसा वाणी	15	8-9
भावना-विकास	अहिंसा वाणी	18	12
भामाशाह	अमर विभूति	8	1
भगवान महावीर ऋषभदेव के 11 भावपूर्ण स्तवन	अहिंसा वाणी	19	1
भगवान महावीर की केवल्य ज्ञान भूमि	कुशल संदेश	2	9
भगवान महावीर की आत्मकथा	जिन वाणी	33	4
भगवान महावीर की वैज्ञानिक देन	जिन वाणी	37	2
भारत की खाद्य-समस्या का एक सरल एवं सर्वोत्कृष्ट हल	जिन वाणी	2	4
भगवान महावीर का धर्म वीतराग	कुशल निर्देश	4	2
भगवानदास निरंजनी का कार्तिक माहात्म्य	साहित्य संदेश	26	12
भाषा उपनिषद्-जीवन प्रकाश	साहित्य संदेश	27	6
भगवानदास रचित अश्वमेध यज्ञ कथा	साहित्य संदेश	30	3-4
भक्त कवयित्री मीरा के कतिपय अप्रकाशित पद	सम्मेलन पत्रिका	46	2
भगवतगीता का सबसे प्राचीन जैन उल्लेख	सरस्वती	60	13
भुज नगर के राजकवि हमीर और उसकी रचना	सरस्वती	63	13
भामाशाह सम्बन्धी कतिपय महत्त्वपूर्ण विवरण	सरस्वती	64	42
भाग्यवती की प्रधानता	सरस्वती	71	15
भण्डारी नेमीचन्द और उनके षष्टि शतक की टीकाएँ	कुशल निर्देश	6	4
भारतीय ज्ञानपीठ का महत्त्वपूर्ण प्रकाशन	कुशल निर्देश	7	12
भगवान महावीर संबंधी नये प्रकाशित महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	कुशल निर्देश	3	5
भगवान महावीर का विशुद्ध साधक जीवन	ज्ञानपीठ	2	23
भगवान महावीर के शाश्वत संदेश	कुशल निर्देश	3	7
भाग्य की प्रधानता	कुशल निर्देश	3	7
भारत के लिए चिन्तनीय विषय-हिंसा का बढ़ता हुआ प्रचार	हिंसा विरोध	15	21
भक्तामर स्तोत्र का हिन्दी पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	10	4
भावना भवनाशिनी	कुशल निर्देश	10	8
भैंस से ब्याव	राजस्थानी	18	5
भगवत कवि पीरदान लाळस	मरु वाणी	1	5
भगतण री सूझ	राजस्थानी	3	6
भावना संधि का रचनाकाल व प्राढ़	भारतीय साहित्य	11	3-4
भगवत् प्रेम की परम आवश्यकता	परमार्थ	1	1-2
भक्ति मार्ग इन्द्रिय निग्रह	परमानन्द	9	1
भगवान महावीर के जीवन से	विजयानन्द	21	1-2
भगवती सूत्र में भगवान महावीर	विजयानन्द	21	1-2
भाग्य बिना भोग नहीं	विजयानन्द	21	8
भगवान महावीर के प्रेरणादायक संदेश	वीर वाणी	22	1

भैया भगवतीदास एवं केशवदास की समकालीनता			
पर पुनः विचार	वीर वाणी	2	1
भाव शतक के कर्ता क्या जैन थे?	वीर वाणी	8	24
भण्डारी उदयचन्द की नवोपलब्ध रचना	वीर वाणी	11	13
भडली विचार	वीर वाणी	10	6
भली बातें	मरु भारती	5	3
भगवान महावीर का विहार एवं विवाह की समस्या			
पर एक विचार	जैन भारती	10	7-8
भगवान महावीर के शासन का एक बोधक पुण्य-प्रसंग जैन जगत		5	2
भामाशाह बावनी	जैन जगत	9	1
भारतीय संस्कृति	जैन जगत	11	7
भक्त की भगवान से विचित्र तुलना	जैन जगत	7	10
भगवान महावीर सम्बन्धी दो महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	जैन जगत	17	3
भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान	जैन जगत	17	10
भूतकालीन जैन सामयिक पत्र	जैन सि.भास्कर	5	1
भावदेवसूरि एवं लाहौर के सुल्तान : विशेष ज्ञातव्य			
भगवान महावीर के प्रेरणादायी कुछ प्रसंग	अणुव्रत	25	17
भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डालने वाले जीवन चरित्र ग्रंथ	श्रमण	10	6
भारत के प्राचीन वाद्य यंत्र	लोककथा	1967	13
भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता	राष्ट्र भारती	20	9
भामाशाह विषयक जिज्ञासुओं का कुछ समाधान	वीर शासन	1	12
भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण-महोत्सव मनाया जाय	जैन मित्र	76	36
भगवान नेमीनाथजी के समय सम्बन्धी समाधान	श्वेताम्बर जैन	23	24-25
भगवान महावीर सम्बन्धी अधिकाधिक सामग्री को प्रकाशित किया जाए	जैन गजट	76	49
भगवान पार्श्वनाथ के तीर्थ तेरापुर की प्राचीनतम मूर्तियाँ	जैन मित्र	77	18
भगवान ऋषभदेव का महान व्यक्तित्व	जैन मित्र	79	12
भावनाओं सम्बन्धी जैन साहित्य	जैन भारती	13	46
भगवान महावीर की भजनमय वाणी	कल्याण आस	68	5-6
भगवान महावीर की सेवा-साधना	जैन भारती	22	7,8,9
भगवान महावीर सम्बन्धी सामग्री का अधिकाधिक संग्रह एवं प्रकाशन किया जाए	जैन मित्र	19	50
भगवान महावीर : एक निष्ठा का आदर्श प्रसंग	जैन भारती		
भगवान महावीर सम्बन्धी अप्रकाशित श्वेताम्बर साहित्य के प्रकाशन की आवश्यकता	जैन	70	47
भगवान महावीर और उनका कल्याणकारी संदेश	करसणी	1	20 अप्रैल 59
भुवन शुद्धि नो राजमार्ग-पर्युषण महापर्व	जैन प्रकाश	57	38-39
भारत की खाद्य-समस्या	मंगल प्रभात	10	2

भगवान महावीर सम्बन्धी एलबम तुरन्त ही प्रकाशित किया जाए	जैन	70	38
भगवान महावीर की दो विशेषताओं के सम्बन्ध में विनोबाजी के विचार	जैन प्रकाश	45	38
भगवान महावीर का धर्म और वर्तमान जैन समाज	महा. संदेश	1	10
भगवान महावीर के समय की सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थिति	महावीर संदेश	1	14-15
भारतीय ज्ञानपीठ के प्रकाशन	महावीर संदेश		
भूवल्य ग्रंथ और दक्षिण के जैन सिद्धान्त	जैन संदेश	15	38
भगवान महावीर सम्बन्धी दो महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	जैन भारती	11	22
भारत का एक बढ़ता दुर्व्यसन : धूम्रपान	जैन भारती	8	49
भगवत प्रेम की आवश्यकता	जैन भारती	8	17
भगवान ऋषभदेव का स्मारक	जैन प्रकाश	68	19
भगवान महावीर का जीवन और उनसे मिलने वाली शिक्षाएँ	व्यापार संदेश	19	13
भगवान महावीर का एक धर्म : केशनाम	जैन दर्शन	17	34
भारत की उन्नति में परम बाधक : ईर्ष्या	जैन प्रकाश	48	13
भिखारी बिल और सच्चे भिक्षुक	जैन संदेश	11	31
भारत में बौद्ध धर्म की पुनः प्रतिष्ठा : जैन समाज आँखें खोले	जैन संदेश	12	28
भारत का एक बढ़ता हुआ दुर्व्यसन धूम्रपान	जैन संदेश	24	40
भारतीय ज्ञानपीठ के दो नए प्रकाशन	जैन संदेश	12	20
भगवान महावीर की आयु-मर्यादा सम्बन्धी विचार	जैन संदेश	22 अगस्त 76	
भगवान ऋषभदेव के प्रेरणा का पर्व	अमर ज्योति	11	39
भैरुजी और माताजी के दो गीत	अमर ज्योति	9	20
भगवान महावीर की 25वीं निर्वाण शताब्दी और उसकी पुण्य स्मृति मृत्यु दण्ड निषेध	जैन प्रकाश	59	2
भगवान महावीरकालीन नारी समाज : वर्तमान जैन संघ का कर्तव्य	तेरापंथ भारती	3	13,14
भगवान महावीर की निर्वाण-भूमि-पावापुरी	अणुवीक्षक	1	41
भारतीय संस्कृति का सार तत्त्व : परोपकार	जैन भारती	21	9
भगवान महावीर का समकालीन प्रति ग्रंथ	जैन शासन	3	14
भक्तामर के रचयिता मानतुंग क्या मातंग दिवाकर थे	जैन संदेश	41	17
भगवान महावीर का शारीरिक वर्णन	जैन भारती	14	14
भगवान महावीर की विशेषताओं पर विचार	जैन प्रकाश पत्रिका	59	21,22
भगवान महावीर का ध्यान नित्य नियमित रूप से करें	जैन संदेश	46	29
भगवान महावीर की अनुपम शिक्षा : विकथा से बचिये	जैन गजट	88	2-2
भगवान महावीर की जीवन घटनाएँ जैन ग्रंथों में	श्री अमर भारती	12	4
भगवान महावीर की निष्पक्षता का एक विशिष्ट प्रसंग	श्री अमर भारती	12	11
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जैन कौतूहल	जैन भारती	2	8

म

मारवाड़ के ढाई घरों में से एक रीयां के सेठ	ओस. हितैषी	5	10
मानव जीवन की महत्ता : त्याग	ओस.नव. संदेश	3	
महिला वर्ष में जैन स्त्री-समाज का सर्वेक्षण हो	ज्ञान मंजूषा	नव.दिस. 76	
महावीर के समय का एक बोधक प्रसंग	श्रमण	6	6
मधुर एवं कटुभाषिणी	श्री अमर भारती	25	8
मीराबाई : जीवनी और तत्सम्बन्धी साहित्य	लोकनिधि मीरा	1969 जुलाई	
मध्य प्रांत में जैन ग्रंथों की खोज की आवश्यकता	तरुण संदेश	3	15
महाराजा अनूपसिंहजी कारित दोहा रत्नाकर	मरु भारती	7	4
महाराजा अजीतसिंहजी की अन्य रचनाएँ	मरु भारती	10	4
महान वीर हमीर देव चौहान सम्बन्धी एक प्राचीन राजस्थानी रचना	मरु भारती	4	3
मंत्रीश्वर कर्मचन्द्र का जन्म और उनके वंशज	राज. भारती	2	1
मारवाड़ी मेवाड़ी संवाद	राज. भारती	3	3-4
माकण रासो	राज. भारती	3	3-4
महत्त्वपूर्ण आठ अपूर्ण ग्रंथों का परिचय	राज. भारती	3	4
महाराजा जसवंतसिंह के मंत्री लघराज और उनके ग्रंथ	राज. भारती	2	1
मूर्ख कौन (मूर्ख प्रकाश)	राज. भारती	2	1
मूर्ख भेद चौपाई	राज. भारती	2	3
महोपाध्याय सहजकीर्ति और उनके ग्रंथ	राज. भारती	16	2
महाराजा भोज सम्बन्धी राजस्थानी लोककथाएँ	प्रेरणा	4	8
महाराव लखपत रचित शिव ब्याह	जीवन साहित्य	14	9
महाराव लखपत रचित लखपत सिंगार	जीवन साहित्य	16	5
मांडवगढ़ के श्रीमाल जसधीर की लिखाई हुई स्वर्णाक्षरी प्रति	विक्रम	6	6
महाकवि समयसुन्दर की सिन्धी रचनाएँ	विश्व ज्योति	2	22
मेवाड़ के आधार दुर्ग में सं. 1317 में चित्रित ताड़पत्रीय जैन प्रति	शोध पत्रिका	5	3
महात्मा गाँधी की अदभुत विशेषता	म.प्र. संदेश	62	8
मालव क्षेत्र का एक अज्ञात कवि टेकचन्द	म.प्र. संदेश	दि. 10, 1961	
मेघदूत के सात राजस्थानी पद्यानुवाद	म.प्र. संदेश	66	30
महावीर चर्या सम्बन्धी पंडित राहुलजी के दो पत्र	श्रमण	17	12
मानतुंग-मानवती की लोक कथा	मरु भारती	5	3
महाभारत की अहिंसा सम्बन्धी कतिपय सूक्तियाँ	अहिंसा वाणी	1	2
माहेश्वरियों के गौत्रों की प्राचीन नामावली	माहेश्वरी सेवक	4	9-10
मनभावना रचित ब्रज विनोद	देश बन्धु	1	4
मनुवती दूलहराजजी	शाश्वत धर्म	7	11
मानव जीवन का आदर्श : संयम	शान्ति संदेश	3	9

मानव की सद्वृत्तियों एवं शक्तियों को जगाना आवश्यक	जैन जगत	5	12
मंत्री धनराज के पुत्र सिंह का अज्ञात वैद्यक ग्रंथ	जैन सत्य प्रकाश	19	11
मेरुतुंग सूरि रास सार	जैन सत्य प्रकाश	13	1
महावीर-निर्वाण का 2500वां निर्वाणोत्सव और प्रत्येक जैन का कर्त्तव्य	सेवा समाज	12	1-4
मेहंदी रे पत्ते में रंग	जैन जगत	7	3
मंत्रीश्वर कर्मचन्द बच्छावत	ओस. नवयुवक	8	2
मेरी मालव यात्रा	जैन जगत	8	2
मानव की सुप्त शक्तियों और सद्भावनाओं को जाग्रत करना आवश्यक	कल्याण पत्रिका	44	10
मनुष्य पशु से भी अधिक हिंसक है	कल्याण पत्रिका	46	7
महात्मा गाँधी की अद्भुत विशेषता	कल्याण पत्रिका	40	12
मानव-कर्त्तव्य	कल्याण	41	6
मंगल कलश कथा	मधुमति	7	12
मेघदूत की भाषा टीका	मधुमति	5	6
मूर्च्छा और ममत्व-अशान्ति का मूल कारण	तीर्थकर	1	1
म.प्र. के कवयित्री रचित वाल्मीकि रामायण भाषा	तुलसीदास	6	6
मरणोत्तरकालीन क्रियाएँ	नया समाज	10	4
मानवता का फल धर्म परोपकार	कल्याण	40	1
महाभारत के दो मानवीय श्लोक	गुरुदेव पत्रिका	20	5
मृगांक पदमावती कथा	दिव्य ध्वनि	3	4
मधु की उत्पत्ति और उसका प्रचार	दिव्य ध्वनि	3	9
मानव-जीवन की महत्ता का त्याग	दिगम्बर	64	4
महावीर स्तुति	दिगम्बर	59	1-2
महावीर स्तवन 5, 6, 7, 8	धर्म रत्न	1	2
मुनि सुव्रत जैन रामायण का रचयिता नहीं	तुलसीदास	4	5
महोपाध्याय समयसुन्दर रचित कथा कोश	रमण	28	1
मेवाड़ में चित्रित कल्पसूत्र की एक विशिष्ट प्रति	श्रमण	28	8
मानव सद्वृत्ति का जागरण	जीवन साहित्य	22	3
महासती राजीमति	चरित्र निर्माण	9	9
मालव के जैन इतिहास	जैन युग	20	9
महावीर शासन की विशेषताएँ	जैन युग	20	7
महेड देश की उत्पत्ति और वंशावली	जीवन दर्शन	11	1
मणिधारी अष्टशताब्दी की बची हुई रकम का सदुपयोग अवश्य हो	कुशल संदेश	1	3
माँसाहार और जैनागम	जिन वाणी	3	11
मुनि धर्मसिंह रचित टब्बादि की खोज आवश्यक	जिन वाणी	25	8
मुणोत संग्रामसिंह रचित नीति प्रकाश ग्रंथ	जिन वाणी	6	8
मनः पर्यव ज्ञान और वर्तमान विज्ञान	जिन वाणी	16	2

मोक्ष का सरल मार्ग	जिन वाणी	16	4
महर्षि रमण का आत्म-ज्ञान	जिन वाणी	4	11
महाविदेह के बीस तीर्थकर	वीर वाणी	4	16
मुनि मिश्रीमलजी रचित गुरु-शिष्य संवाद	जिन वाणी	19	12
मदन शक्त का गुप्त रोग प्रेम-पत्र	कल्पना	6	4
महामना जगद्गुरु शाह	ओस. नवयुवक	14	10
मस्तयोगी श्री ज्ञानसूरिजी	वीरवाणी	7	6
मोहनदास श्रीमाल की दो हिन्दी रचनाएँ	वीर वाणी	6	22
मंगहड गच्छ की कालिकाचार्य कथा प्रशस्ति	जैन सत्य प्रकाश	21	2
मदन रचित सीमंघर स्तवन में ऐतिहासिक उल्लेख	जैन सत्य प्रकाश	21	3
महतिायान जाति	ओस. नवयुवक	7	6
मांडवगढ़ ना पार्श्व जिनालय नुं विशेष वर्णन	जैन सत्य प्रकाश	19	4-5
मुडाहड गच्छ की परम्परा	जैन सत्य प्रकाश	20	5
मंत्री हाकरसी शाहना रासनु पर्यालोचन	जैन सत्य प्रकाश	20	6
मेघविजयजी का एक नवीन उपलब्ध ग्रंथ—			
वृत्त मौक्तिक	जैन सत्य प्रकाश	12	5-6
मदन युद्ध के रचयिता हेम कवि का समय	जैन सत्य प्रकाश	14	8-9
मेरी रणथम्भौर यात्रा	अनेकान्त	8	12
मुल्लतान के दादागुरु चरण स्थापना का स्तवन	विजयानन्द	2	9
महावीर के जीवन का चित्र संपुट	जैन भारती	4	19
मरणोत्तर क्रियाओं पर एक दृष्टिपात	जैन भारती	4	25
मनुष्य भव की दुर्लभता पर दस दृष्टांत-प्रथम	जैन भारती	4	34
मनुष्य भव की दुर्लभता पर दस दृष्टान्त-द्वितीय	जैन भारती	4	36
मनुष्य भव की दुर्लभता पर दस दृष्टान्त-तृतीय	जैन भारती	4	37
मानव कवि रचित योग बावनी	जैन भारती	4	49
मथुरा के सेठ लक्ष्मीचन्द सम्बन्धी विशेष जानकारी	अनेकान्त	8	12
महातीर्थ श्रावस्ती नगरी	कुशल निर्देश	2	1
मथुरा तीर्थ कल्प	कुशल निर्देश	2	4
मतिसागर मंत्री	कुशल निर्देश	2	9
मानव जीवन की दुर्बलता, उपयोगिता, सफलता	अहिंसा वाणी	22	8-9
महावीर की उपासिकाएँ तेजस्वी बनें	कुशल निर्देश	6	12
मकसी पार्श्वनाथ तीर्थ और श्वेताम्बर समाज	कुशल निर्देश	6	11
मंत्री की परीक्षा	कुशल निर्देश	11	10
मूलदेव चरित्र	कुशल निर्देश	11	12
महाभारत की अहिंसा सम्बन्धी कतिपय सूक्तियाँ	अहिंसा वाणी	1	2
मथुरा की जैन कला के सम्बन्ध में वासुदेव शरण का व्यक्तित्व	अहिंसा वाणी	17	7
महाभारत की वीणा : अहिंसा के स्वर	आत्म रश्मि	8	2
महाभारत के दो मानवीय श्लोक	अमर विभूति	3	7
मनुष्य पशु से भी अधिक हिंसक है	अहिंसा वाणी	12	8

मूर्ति का आलम्बन	कुशल निर्देश	12	2
मन्दिर के सम्बन्ध में कुछ	कुशल निर्देश	12	3
महोपाध्याय श्रीमद्देवचन्द्र स्तवना पंचुनी शती	कुशल निर्देश	12	7
मुक्ति और आनन्द का स्रोत-दीक्षा	कुशल निर्देश	5	6
महान योगीराज चिदानन्दजी और उनकी रचनाएँ	कुशल निर्देश	5	1
मुनि श्री भागचन्दजी	जिन वाणी	27	7
गद्य की उत्पत्ति, प्रचार तथा दोषों के सम्बन्ध	अणुव्रत	13	6
मानव जीवन का आदर्श	अणुव्रत	4	5
महर्षि रमण का आत्मज्ञान		4	3
मो. गईद राजी की कथा	शान्ति सन्देश	5	1,2,3
मीरां के अप्रकाशित पद	समाज वाणी	6	10
मूरख लक्षण	साधना	3	8
महाराजा सुजानसिंहजी, जिनके सुख सूर्य को दिए	शोध पत्रिका	3	1
महाराजा कुमारपाल रचित ग्रंथ	शोध पत्रिका	3	4
मानव जीवन की महता त्याग	शान्ति सन्देश	18	1
महोपाध्याय समयसुन्दर का एक संग्रह-मानव सहस्र	श्रमण	23	11
महत्त्वपूर्ण जैन कला के प्रति उपेक्षा-वृत्ति	श्रमण	31	7
मीरां बाई के कुछ अप्रसिद्ध पद	जीवन साहित्य	17	2
मानव की सद्वृत्तियों एवं शक्तियों को जगाना आवश्यक	अखण्ड ज्योति	21	12
मानव जीवन का आदर्श-संयम	अखण्ड ज्योति	17	4
मनुष्य का उत्तरदायित्व और उसका कर्तव्य	अखण्ड ज्योति	19	2
मुनि मेघनाथ रचित महाकाव्य की अवचूर्णि	अखण्ड ज्योति	20	21
महावीर सम्बन्धी एक अज्ञात संस्कृत चरित्र	श्रमण	26	1-2
मानतुंग सूरि रचित पंच परमेष्ठि स्तोत्र	श्रमण	26	12
मौलिक चिन्तन की आवश्यकता	श्रमण	14	8
महाकवि जिनहर्ष रचित कवित बावनी	मरु भारती	19	3
मुनि मेहकुमार रचित किरात	श्रमण	20	2
मेघदूत की एक अज्ञात बात	श्रमण	15	18
महावीर धर्मग्रंथ सम्बन्धी महापंडित व रावलजी के दो पत्र	श्रमण	17	12
मंगल कलश कथा	श्रमणोपासक	19	7
महावीर की अभय मूलक साधना	श्रमणोपासक	14	18
महाविदेह बीस तीर्थकरों के तीन वेलि	सुधर्मा	14	2
मस्तयोगी ज्ञान सारिणी	संत वाणी	3	9
महाकवि सूर्यमल्ल की वीर सतसई	समिति पत्रिका	9	2
महाकवि समयसुन्दर रचित धनदत्त श्रेष्ठी	शाश्वत धर्म	13	6
मानव जीवन का आदर्श	शाश्वत धर्म	3	2
महाकवि समयसुन्दर रचित पुण्य सार	शाश्वत धर्म	13	7

महावीर लोर	शाश्वत धर्म	6	3-4
मथुरा में जैन धर्म	शाश्वत धर्म	9	6
महाकवि विलास का प्रेम-दर्पण	त्रिपथगा	4	30
महाराणा कुंभा का कृतित्व व व्यक्तित्व	त्रिपथगा	9	3
मखतुलजादी की बात	त्रिपथगा	10	11
मुहता रघुनाथ और उनका रघुरासो		20	4
महाराजा विक्रम के साथी बेताल सम्बन्धी एक रचना बेताल पच्चीसी	मरु भारती	23	2
मान बावनी	मरु भारती	23	3
मदन मुकट सम्पूर्ण हस्त पुतनी	स्वाध्याय	11	4
मराठी फागु काव्य	स्वाध्याय	2	4
महामंत्र नवकार, कुछ प्रसंग चिह्न का समाधान	सम्मति वाणी	8	2
म.प्र. जैन पुरातत्त्व का एक महत्त्वपूर्ण विवरण	सम्मति वाणी	11	11
महामहोपाध्याय जयसागर और उनकी रचनाएँ	शोध पत्रिका	9	1
मेघदूत की भाषा टीका	मधुमति	5	7
मूमल-महेन्द्रा री वारता	वरदा	23	4
महाराणा कुंभा के दो अप्रसिद्ध ग्रंथ की महत्त्वपूर्ण प्रशस्तियां	शोध पत्रिका	17	1-2
मीरां का अप्रकाशित पद	शोध पत्रिका	16	3-4
मेवाड़ के कवि विदुर के दो परमाधीश छंद	शोध पत्रिका	22	2
मेवाड़ महाराणाओं सम्बन्धी नवीन ज्ञातव्य	शोध पत्रिका	24	2
महान् विद्वान् हर्षकीर्ति की परम्परा	अनेकान्त	33	3
महतियान जाति और उसके कार्यकलाप	जैन सन्देश	अक्टू 76	48
मुनि केशवदास की अन्य रचनायें	जैन सन्देश	30	21
मनोहरदास कृत जस आभूषण चन्द्रिका	साहित्य संदेश	21	3
मथुरा की सरस्वती प्रतिमा का चित्र और परिचय	कुशल निर्देश	4	3
मूर्ति-पूजक एवं स्थानकवासी साधु-साधवियों के उचित जल की विचारणीय समस्या	अमर भारती	10	3
महान् योगिराज चिदानंदजी और उनकी रचनाएं	कुशल निर्देश	5	1
महान् विद्वान् जिनवल्लभसूरिजी रचित महावीर चरित्र व स्तोत्र	कुशल निर्देश	5	2
मिथिला तीर्थ कैसे विच्छेद हुआ	कुशल निर्देश	5	9
महोपाध्याय रूपचन्दजी की दो पंजाबी रचनाएँ	सप्त सिन्धु	1	5
मुलतानी भाषा के कतिपय प्राचीन पद्य	सप्त सिन्धु	1	9
महाकवि जगदीश रचित मुद्राराक्षस	सप्त सिन्धु	15	12
मध्य प्रदेश में रचित एक महत्त्वपूर्ण वैद्यक	सरस्वती	71	1
मूर्ति में कला है, इतिहास है और एकाग्रता का गुण है	कुशल निर्देश	9	6
मूर्ति पूजा की प्राचीनता और उपयोगिता	कुशल निर्देश	9	7
महिमापुर का कसौटी मंदिर प्रशस्ति	कुशल निर्देश	9	10

महाकवि धनपाल	कुशल निर्देश	9	11
मारवाड़ रा परगनां री विगत में जैन मन्दिर			
आदि उल्लेख	कुशल निर्देश	9	12
मोड़ मुखर (दुर्गादास)	क्षत्रिय दर्शन	1	11
मिथिला तीर्थ	कुशल निर्देश	3	1
माधवानल-कामकन्दला कथा सम्बन्धी			
कुछ अन्य रचनाएँ	हिन्दी अनु.	11	4
मुंशी गुमानीराम के दो महत्वपूर्ण फारसी ग्रंथों का अनुवाद	हिन्दुस्तानी	19	3
महावीर की निर्वाण भूमि अभय प्रदेश क्यों नहीं?	हिंसा विरोध	4	1
महावीर की अहिंसा और व्यावहारिक जीवन	हिंसा विरोध	4	6
मद्यनिषेध में सन्तों का योगदान	हिंसा विरोध	6	1
मौसाहार के विषय में डॉ. कुन्दनलाल अग्निहोत्र के विचार	हिंसा विरोध	15	9
मंत्रीश्वर कर्मचन्द बच्छावत का साहित्य-प्रेम	कुशल निर्देश	10	3
मातृकाक्षर चैत्य परिपाटी	कुशल निर्देश	10	3
मित्रता-निर्वाह	कुशल निर्देश	10	11
मधु-संचय-देवचन्द्र सूरि रचित अपभ्रंश काव्य	परि. पत्रिका	5	3
मुखो मक्कड़	राज. वीर	20	4
महाराणा प्रताप की बात	राज. वीर	23	1
महत्त्वपूर्ण प्राकृत शब्दकोशत्रय	भाषा	3	2
मंत्री शंभूदास रचित गणित विंशति बाल बोधक कृति	राष्ट्र दीणा	6	3
मैथी की बात	मरु वाणी	1	2
महाराजा जसवंतसिंह रचित इच्छा-विवेक	वरदा	11	2
मोहन कवि की तीन अन्य रचनाएँ	ब्रज भारती	14	3
मथुरा के कवि हरिबल्लभ	भार. साहित्य	6	3-4
महदु खिदान की रचना	मरु वाणी	3	1
मुनिनाथ कृत जिन माता स्तोत्र	वरदा	5	1
महान् सन्त आनन्दघन और उनकी रचना और विचार	दीक्षित	1	6
मानव की सुप्त वृत्तियों और सद्भावनाओं को जाग्रत करना आवश्यक	परमानन्द	8	1
मल्ह कवि रचित प्रबोध चन्द्रोदय या मोह विवेक	रसवन्ती	1958	6
मथुरा के जैन स्तूप आदि सम्बन्धी एक अज्ञात रचना	ब्रज भारती	20	1
महाराजा अनूपसिंहजी के आश्रित हिन्दी कवि	बीकानेर	5	9
मूमल और महेन्द्र की प्रेमकथा	वरदा	1957	2
मनोहरदास निरंजनी के पाँच ग्रंथों का विशेष परिचय	भार. साहित्य	1	3
मकरंद कवि रचित संत रजिनी	युग प्रभात	9	10
महासती राजमती	युग साधना	1969 फर.	
मधुमालती का एक प्राचीन संस्करण	भारती	3	1
मथुरा के जैन स्तूपादि यात्रा के महत्त्वपूर्ण उल्लेख	ब्रज भारती	11	2

मथुरा में रचित तीन हिन्दी ग्रंथ	ब्रज भारती	13	3
माधवदास रचित गज मोख	वरदा	14	3
मुनि हीरकलश विरचित बागड़ देश तीर्थमाला	भारती	1	2
मंत्रीश्वर कर्मचन्द का जन्म और उनके वंशज	राज. भारती	2	1
महाराणा कुंभा के समय की मेवाड़ी भाषा	राज. भारती	8	1-2
महाराणा कुंभा रचित चैत्री शतक वृत्ति	राज. भारती	8	1-2
महाराणा कुंभा के तीन छप्पय	राज. भारती	9	1
महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण की वीर सतसई की पूर्ति	राज. भारती	6	1-2
महोपाध्याय पं. रामकरण आसोपा	राज. भारती	6	1-2
माहेश्वरी समाज की सेवा और श्री कलेत्री	माहेश्वरी	11	6
महाराजा विक्रम और खापरा चोर	मध्यमा	1	11
महावीर स्तवन	विजयानन्द	23	5
मुनि मेघ रचित मेघ विलास	विजयानन्द	13	8
महाराजा अनूपसिंह का आण दशक	राज. भारती	7	4
महताब राम रचित मंगला बाबू का झबड़ा	विश्व ज्योति	4	12
माहेश्वरी श्री कृष्ण सादाणी रचित			
गृह लाघव सिद्धि सारिणी	विश्वभरा पत्रिका	6	2
मोहन बहत्तरी के प्रकाशित पाठ सम्बन्धी कुछ वक्तव्य	वीर वाणी	22	4
मानवीय पण्डित चैनसुखदासजी	वीर वाणी	21	9-10
मनुष्यता का अभ्यास	वीर वाणी	3	7
मोहनदास श्रीमाल रचित बहुतरी	वीर वाणी	11	7
महाकवि कालिदास की गीता पर जैन टीकाएँ	दीणा	32	3-4
महाराजा अनूपसिंह के कवित दोहा रत्नाकर	मरु भारती	7	4
मुहता भीमसिंह कारित भारत प्रकाश	मरु भारती	10	3
महान वीर हमीर देव चौहान	मरु भारती	4	3
मातृका गाथा-कोश के पाठभेद और बुद्धि			
रसायन विवरण	नागरी प्रचारिणी	72	1-4
मीरां बाई की परवी	प्रेरणा	5	4
महाराजा भोज सम्बन्धी राजस्थानी लोक कथाएँ	प्रेरणा	4	8
महान साध्वी सती मृगावती	जैन भारती	1	3-4
मुद्रित जैन ग्रंथों की सूची शीघ्र प्रकाशित हो	जैन जगत	5	12
महावीर के जीवन सम्बन्धी 35 चित्रों की एक			
विशिष्ट चित्रावली	जैन जगत	23	1
मोक्ष का सरल मार्ग	जैन जगत	12	9
मुनि कातिसागरजी के लेख सम्बन्धी संशोधन	जैन जगत	17	5
महावीर निर्वाण का 2500वां निर्वाणोत्सव और			
प्रत्येक जैन का कर्तव्य	जैन जगत	18	11
मथुरा की जैन कला के सम्बन्ध में डॉ. वासुदेव			
शरण अग्रवाल का वक्तव्य	जैन जगत	21	1

मोहन बहुतरी और उनके रचयिता सम्बन्धी विशेष ज्ञातव्य	वीर वाणी	20	2
मस्तयोगी ज्ञान सारिणी के दो प्रकाशित पद	वीर वाणी	19	17
महत्त्वपूर्ण जैन कला और जैन समाज की महान उपेक्षा	सन्मति वाणी	9	8
मुनि कन्हैयालालजी का एक प्रयत्न	जैन भारती	3	12
मुल्तान के श्रावकों का अध्यात्म	जैन सिद्धा. भास्कर	13	1
मूल संघ भट्टारक गुरु नामावली	जैन सिद्धा. भास्कर	22	1
मानव समाज का अभिशाप	जनजीवन सन्देश	1	14
महावीर के कतिपय विशिष्ट जीवन चरित्र ग्रंथ	दैनिक चेतना	-	116
महाकवि बांकीदासजी की अप्रकाशित रचनाएँ	अमर ज्योति		
महान दार्शनिक पंडित सूरजलाल	प्रजुद भवन	41	1-2
महावीर भास्कर	साप्ता. ललकार	21	8
महत्त्वपूर्ण प्राकृत शब्द कोश	जैन भारती	13	3
महावीर जयन्ती : आवश्यक सुझाव	जैन भारती	15	19
मणिधारीजी का अष्टम शताब्दी महोत्सव तिथि का निर्णय अत्यावश्यक	श्वे. जैन	20	11
मौन का महापर्व—मौन एकादशी	जैन प्रकाश	46	7
महाराजा रायसिंहजी रचित ज्योतिष रत्नमाला			
बालावबोध	कुरजां	1	5
मुनि जीवन की अनुभवों की डायरी का लिखा जाना अति आवश्यक है	जैन भारती	11	38
माँस-मदिरा का बढ़ता हुआ प्रचार और साधु-साधवियों का कर्तव्य	जैन प्रकाश	59	5-6
महावीर जयन्ती कैसे मनाएँ?	जैन	67	15
मूर्ख शतक (राज. का एक शिक्षा वचन)	विशाल मरुधर	2	6-7
मालवी साहित्य में ज्योतिष शास्त्र की रचना	म.प्र. सन्देश	20 जन. 73	
महावीर चरित्र सम्बन्धी प्रकाशित ग्रंथ	महावीर सन्देश	1	22-23
महावीर का इतिहास और हमारा कर्तव्य	ओसवाल	4	21
महावीरकालीन भारतीय भूगोल ग्रंथ की आवश्यकता	जैन भारती	12	16-17
मारवाड़ी भाषा प्रचारक मण्डल	अमर ज्योति	10	20
महावीर लोकोत्तर महापुरुष	जैन प्रकाश	65	23
महावीर जयन्ती पर जैन समाज विचार करे	विशाल राज.	13	15
माण्डवगढ़ के कोष मंत्री संग्रामसिंह और उनके रचित बुद्धि सागर ग्रंथ	जैन भारती	10	41
मालव जैन इतिहास का एक आवरित पृष्ठ	जैन युग	220	9
महाभारत में क्षमा धर्म	जैन गजट	76	43-44
महान सन्त चिदानन्दजी	शान्ति ज्योति	3	3-4
महावीर की निष्पक्षता का एक प्रसंग	जैन प्रकाश	63	45
मुनि घासीलालजी के कल्पसूत्र सम्बन्धी स्पष्टीकरण	जैन	-	-

मंदिरमार्गी और स्थानकवासी साधु-साधवियों की गणना जरूरी	श्वेता. जैन	24	33
मानव समाज के शासन की आवश्यकता कब से और क्यों?	महात्मा बन्धु	1	5
महावीर जयन्ती और वैशाली इंस्टीट्यूट	जैन सन्देश	18	1
मूर्ति पूजक जैन समाज के लिए विचारणीय श्वेताम्बर मन्दिरों में भाड़े के पुजारियों से पूजा कराने का प्रश्न	श्वेता. जैन	24	15
मुनि श्री नगराजजी का सर्वाधिक उल्लेखनीय कार्य	तेरापंथी भारती	5	2-3
मध्य प्रदेश में जैन पुरातत्त्व और जैन समाज का कर्तव्य	वीर	38	12
मोहजीत आख्यान का एक प्राचीन बोध रूपान्तर	जैन भारती	13	13
महेसरी झूगरजी	हरावळ पत्रिका	9	1
मीरां बाई रचित अप्रकाशित बारहमासा और पद	प्रगति	2	1
मानव का महान शत्रु : आलस्य	वीर	29	33
मजल सरायजी की दक्षिण के दिगम्बर जैन तीर्थों की यात्रा की चिह्नी	जैन सन्देश	11	32
मालवा के कतिपय दिगम्बर अभिलेख	जैन सन्देश	11	43
मथुरा के दिगम्बर जैन मन्दिरों का शास्त्र भण्डार	जैन सन्देश	24	4
महावीराष्टक का कवि अमर मुनिजी का पद्यानुवाद	जैन सन्देश	80	1
मूर्तियों एवं हस्तलिखित प्रतियों को जलशरण करने की प्रथा से हानि	जैन सन्देश	24	14
महावीर स्तवन	वीर	25	23-24
महासतीजी उज्ज्वल कुमारीजी	प्रभुद्व. भवन	38	1
मेवाड़ में जैन धर्म और	जैन	66	28
मातृभाषा मारवाड़ी के सुयोग्य लेखक शिवचन्द भरतिया	अमर ज्योति	9	49
मर्यादा पद्धतों की परम्परा	जैन भारती	21	4-5
मालपुरा दादावाड़ी प्रतिष्ठा-पत्र	श्वेताम्बर जैन	25	6
मोहतीज राजा की कथा और उरग जातक	जैन भारती	5	51
मध्य भारत के इतिहास में जैन धर्म	जैन भारती	5	5
महावीर-निर्वाण दिवस : एक समस्या	जैन गजट	68	4
मानव का परम धर्म—परोपकार	दिगम्बर जैन	10	4
महाकवि विल्हण की प्रेमकथा	त्रिपथगा	4	3
मुनि श्री दुलहराज की कुछ भ्रामक बातें	शाश्वत धर्म	7	11
मेरे जीवन के तीन सिद्धान्त—सूत्र	ओसवाल अजमेर	1	6
महाविदेह के बीस तीर्थकरों केरा बोल	अरिहन्त टाईम्स	1	25
महान साहित्यकार डॉ. सहलजी	उत्तर बिहार	गणतंत्र अंक 78	
मगसी पार्श्वनाथ तीर्थ सम्बन्धी दिगम्बरों का गलत वक्तव्य	जैन शासन	3	27-28

महिमाप्रभ सूरिजी रचित रति रहस्य टीका	जैन धर्म प्रकाश	76	9
मिथ्यात्व मंथन कुलकम	जैन भारती	2	50
मोहगीत आख्यान के मूल की खोज	जैन जगत	3	7
ध्यानयोगी मुनि श्री दुलीचन्दजी	तेरापंथ भारती	4	12

य

योग पावड़ी के रचयिता और छूटा हुआ पाठ	सप्त सिन्धु	11	22
यथासम्भव सभी काम स्वयं कीजिए	जन साहित्य	18	7
युगप्रधान श्री जिनदत्तसूरि का जन्म-स्थान	श्रमण भारती	2	3
योगेश्वर गोरखनाथ की हिन्दी वाणी और दो जैन ग्रंथों में उनके उद्धृत पद	योगवाणी	2	1
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दजी महाराज का प्रवचन	कुशल संदेश	1	4
योग सम्बन्धी जैन साहित्य	अनेकान्त	16	5
यामिनी भानू और मृगावती की प्रेमकथा	वरदा	6	3
योगेन्द्र युग प्रधान सद्गुरुजी सहजानन्दधन का का जैन युवक मंडल, बोरड़ी को दिया पत्र			
योगेन्द्र युग प्रधान सद्गुरुजी सहजानन्दधन के वचनमृत बोध सुधार	कुशल निर्देश	12	8
योगेन्द्र युग प्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी महाराज का श्री हीरजी भाई को दिया पत्र	कुशल निर्देश	13	5
योगानिष्ठ बुद्धिसागर सूरिजी की गुणग्राहकता	कुशल निर्देश	9	11
योगेन्द्र युगप्रधान गुरु श्री सहजानन्दजी महाराज कृत राजपद विवेचन	कुशल निर्देश	9	11
योगिनियों, देवियों और क्षेत्रपाल	परिषद पत्रिका	21	4
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी का श्रीमद् राजचंद्र के अनन्य भक्त भाई श्री पोपटलाल की जन्म शताब्दी पर प्रेषित सन्देश	कुशल निर्देश	12	9
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दजी द्वारा पूज्य गणिवर श्री प्रेममुनिजी महाराज को दिया पत्र	कुशल निर्देश	12	10
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा लिखित उपास्य पद उपादेयता	कुशल निर्देश	9	7
योग में गुरु का महत्त्व	कुशल निर्देश	7	6
योगेन्द्र युग प्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज का श्री आनन्दधनजी विजयजी को दिया पत्र	कुशल निर्देश	10	4
युगप्रधान जिनेन्द्र सूरिजी की 4 साध्वियों के गीत	सुधर्मा	12	10
युगप्रधानार्य श्री कालक	विजयानन्द	21	8
यति हेमकीर्ति रचित भक्तामर छप्पय की पूरी प्रति की खोज आवश्यक	वीर वाणी	32	9-10

योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्द महाराज का प्रवचन	कुशल संदेश	1	4
योगवाशिष्ठ भाषा का निर्वाण प्रकरण	सप्त सिन्धु	14	4
ये ठग भिखारी	दैनिक लोकवाणी	195	4
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी द्वारा श्री सुरेन्द्र बाबू को दिया पत्र	कुशल निर्देश	13	5
योगिन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दजी द्वारा बहिन मेघ बाई को दिया पत्र	कुशल निर्देश	12	12
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सजानन्दधनजी द्वारा भक्तप्रवर विजयकुमारसिंह बडेर आदि को दिये पत्र	कुशल निर्देश	13	10
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा चंदु मामासा	कुशल निर्देश	13	2
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज का मुमुक्षुवर्य श्री प्रेमाबाई को दिया पत्र	कुशल निर्देश	15	11
योगिन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा मुमुक्षु श्री लालभाई अहमदाबाद को दिया पत्र	कुशल निर्देश	18	5-6
योगनिष्ठ बुद्धिसागरसूरिजी की अनुकरणीय गुणग्राहकता	मणिभद्र	2038	23
यापनीय सम्प्रदाय	जैन जगत	27	8
योगीराज श्री चिदानन्दजी की अनुभव वाणी	शान्ति सन्देश	1	10
युग प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव का चरित्र	अहिंसा वाणी	1	11-12
यति जीवनविजय के सम्बन्ध में विशेष खोज की आवश्यकता	श्री जैन सत्य	22	2
युवाचार्य महाप्रज्ञ : एक गम्भीर चिन्तक	तुलसी प्रज्ञा	4	7-8
ये बढ़ती हुई चोरियाँ	कल्याण	27	8
ये ठग भिखारी	प्ररूपण	4	1
योगीराज विदानन्दजी के अप्रकाशित दोहे	जैन भारती	21	8
यति समाज	तरुण ओसवाल	1	5
यति निहालजी की तीन अन्य रचनाएँ	वीर वाणी	4	13
योग सम्बन्धी जैन साहित्य	अनेकान्त	16	5
यशोधरा चरित्र सम्बन्धी जैन साहित्य	अनेकान्त	9	3
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा श्री विचक्षण सूरिजी को प्रेषित पत्र	कुशल निर्देश	11	5
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी महाराज का पत्र और वियवर्या	कुशल निर्देश	11	6
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी द्वारा श्री मोहन भाई इमरा को दिया पत्र	कुशल निर्देश	11	7
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा एक बहिन को दिया पत्र	कुशल निर्देश	11	8

योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा दिया पत्र	कुशल निर्देश	11	9
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा मुनि श्री चेतनविजय को दिया पत्र	कुशल निर्देश	11	10
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा बहिन मेघबाई और हेम को दिए पत्र	कुशल निर्देश	11	11
योग परिवर्तन	कुशल निर्देश	11	11
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा श्री दिनेश भाई को न्यूयार्क दिया पत्र	कुशल निर्देश	12	1
युग प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव का चरित्र और तत्सम्बन्धी साहित्य	अहिंसा वाणी	1	11-12
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजाधनजी दशम्	कुशल निर्देश	12	4
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजाधन महाराज द्वारा मुमुक्षु श्री भागी भाई को दिये पत्र	कुशल निर्देश	12	3
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा आत्माजी शान्ति भाई को दिये पत्र	कुशल निर्देश	12	5
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी द्वारा मुमुक्षु को दिये पत्र	कुशल निर्देश	12	7
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा वकील पुरुषोत्तमजी प्रेमजी पोड़ा दहाजु को दिया पत्र	कुशल निर्देश	12	11
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज वाणी	कुशल निर्देश	5	7
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी महाराज वचनामृत बोध-सुधा	कुशल निर्देश	12	8
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु सहजानन्दधनजी का भाषण	कुशल निर्देश	5	3
योगेन्द्र युगप्रधान के वचनामृत	कुशल निर्देश	5	1
योगीराज श्री चिदानन्दजी	संत वाणी	3	10
योगेन्द्र सद्गुरु श्री सहजानन्दजी का बद्रीनारायण यात्रा सम्बन्धी पत्र	कुशल निर्देश	5	3
योगनिष्ठ बुद्धिसागर सूरिजी	कुशल निर्देश	9	11
युग प्रधानाचार्य बालक	कुशल निर्देश	3	7
योगी सम्राट आनन्दधनजी	कुशल निर्देश	10	2
यति नयनानन्द का आत्म परिचय	वीर वाणी	2	8
योगीराज चिदानन्दजी के सम्बन्ध में नया प्रकाश	वीर वाणी	2	11
युवकों का कर्तव्य	जैन जगत	3	7
युगानुकूल जैन साहित्य के निर्माण एवं प्रकाशन की आवश्यकता	नव. जैन संदेश	13	3
योगीराज श्री विजयशान्तिसूरिजी	श्वेताम्बर जैन	20	25
ये लम्बी-लम्बी आमंत्रण पत्रिकाएँ	जैन	55	32

युग-पुरुष महावीर	संस्थान	12	4-5
योगीराज आनन्दधनजी सम्बन्धी कुछ ज्ञातव्य बातें	जैन		
युगवीर मुख्तार साहब की भावना को सफल बनाया जाय/सुखद आश्चर्य	जैन संदेश	32	36
योगनिष्ठ आचार्य श्री बुद्धिसागरजी का एक मस्ती काव्य : अलख देश में वास हमारा	शान्ति ज्योति	1	19
योगनिष्ठ बुद्धिसागरसूरि का एक यौगिक चमत्कार	शान्ति ज्योति	2	9
योगीराज सहजानन्द	तेरापथ भारती	3	2-3
योगेन्द्र युगप्रधान सद्गुरु श्री सहजानन्दधनजी महाराज द्वारा मुमुक्षु श्री लक्ष्मीचन्द भाई (राजकोट) को दिया पत्र	कुशल निर्देश	13	6
यतिवर्य बालचन्दजी	कुशल निर्देश	13	6
युग प्रधानाचार्य गुर्वावली में भीम पल्ली के महत्त्वपूर्ण उल्लेख	जैन धर्म प्रकाश-बी	77	10
यशस्वी सागर गणि संकालिक मान मंजरी	जैन धर्म प्रकाश-बी	78	2
र			
राजस्थान के किसानों का स्वस्ति वाचक तेजा गीत	राज. भारती	5	2
राजस्थान के श्वेताम्बर हस्तलिखित ज्ञान भण्डार	परिषद् पत्रिका	18	3
राजस्थानी साहित्य में ऐतिहासिक सामग्री	परम्परा	सन् 1978	
राजस्थानी साहित्य की विशेषतावां	जागती जोत	5	3
राजस्थान में महावीर के दो उपसर्ग-स्थल	श्रमण	26	6
राजस्थान में महावीर मन्दिर	श्रमण	27	6
राजस्थान में हिंसा-निषेध के प्रयत्न	जिन वाणी	32	4-7
राजस्थानी साहित्य का उद्भव एवं विकास	समाज विकास	जन. 1980	
रविषेण कृत पदमपुराण का विशिष्ट अध्ययन	सन्मति वाणी	6	2
राजस्थान की राजधानी में गौड़ीय सम्प्रदाय के मन्दिर गौड़ीय		15 फर. 74	
राजस्थानी-हिन्दी के जैन सन्त कवि	परिषद् पत्रिका	22	3
राजावली संज्ञक रचनाओं की परम्परा	सम्मेलन पत्रिका	50	4
राजस्थानी साहित्य की प्रगति का सिंहावलोकन	राज. परिचायिका	-	
राजस्थानी भाषा का एक छन्दशास्त्र	राजस्थानी	3	4
रामदेव गणि की एक अज्ञात रचना-कर्म स्तवन वृहद भाष्य	जैन भारती	3	4
राजस्थानी के वीर रसात्मक दोहे	वन स्थली	6	15
राजस्थान का प्राचीन जैन साहित्य	स्मारिका	1982, 2032	
राजस्थान की मन्दिर-निर्माण कला	आकृति	जुलाई 73	
राजस्थान का जैन स्थापत्य	जैन जगत	12	5
रत्न कम्बल	कुशल निर्देश	-	-
राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान में संगीत के दो अप्रकाशित पद	संगीत	42	3

राजिया रा सोरठा : प्रकाशित संस्करण	साधना	1970-71	
राम कवि की समस्या-पूर्ति	साधना	1970	
रायसिंह सांदू कृत मोतिये रा सोरठा	साधना	2	10
राजस्थानी लोक विज्ञान में विविधता	गवाह		
	अ.मा. 78-79	2	1-2
राजस्थानी चुटकले	राजस्थानी	6	11
रत्न कम्बल : फर से भी कीमती	काद. फर. 73	13	4
राष्ट्र की भावनात्मक एकता का मूल आधार-समता	तुलसीदल	10	4
रसिक अनन्य माल में एक सरावगी जैनी का विवरण	अनेकान्त	15	5
राजस्थानी भाषा के दो महाकवि	राज. कहावतां		
राठौड़ दुर्गादास के तीन गीत	संघ शक्ति	8	8
राजस्थानी साहित्य में सृजन के रूप सिलोका साहित्य	समाज वाणी	सित. 1971	5-6
राजस्थान की मन्दिर-निर्माण कला	सृजन	1	11
राजस्थान में कहानी की प्राचीन परम्परा	मधुमती 1967	2	4
राजस्थानी संस्कृति में गो-भक्ति	गोरक्षण	4	7
राजस्थानी के कतिपय प्राचीन भावना गीत	राज. भारती	6	3-4
राव रिणमल की भावना	राज. भारती	6	3-4
राठौड़ पृथ्वीराज की पत्नी चम्पावती	राज. भारती	7	3
रणकपुर का त्रैलोक्य दीपक प्रसाद	राज. भारती	8	1-2
राजस्थानी भाषा की संत सईया	राज. भारती	8	3-4
रुकमणी मंगल	वरदा	3	2
राजस्थानी भाषा का जैन महाभारत काव्य-पाण्डव चरित्र	राष्ट्र भारती	15	10
रामजी-सीताजी कउ रास	वैचारिकी	1	1
राजस्थान के तेजस्वी कवि और सन्त पूज्य श्री जयमलजी महाराज	जय स्मारिका	अग. 82	
राजस्थानी जैन साहित्य	शोध पत्रिका	4	4
राणै रतनसी रा झूलणा	शोध पत्रिका	14	1
राजस्थानी भाषा का उल्लेखनीय महाकाव्य-कालू यशोविलास	समाज विकास	32	2
राजा सूर्यसेन के आदेश से रचित निर्णयामृत की महत्त्वपूर्ण प्रशस्ति	विश्वम्भरा	14	3
रसिक बिहारी कृत राग चक्रावली	विश्वम्भरा	16	1
राठौड़ दुर्गादास की शक्ति	संघ शक्ति	8	8
रामस्नेही सम्प्रदाय के रेण शाखा के दो सरावगी आचार्य	श्रमण	29	7

राजस्थान में एक जैन शोध संस्थान शीघ्र स्थापित हो	वीर वाणी	29	18
राजस्थान के तीन महत्त्वपूर्ण जैन संस्कृत ग्रंथ	सुधर्मा	16	4
रामस्नेही सम्प्रदाय पर जैन प्रभाव	सन्मति वाणी	7	1
राज विलास काव्य का रचयिता मान कवि जैन ही है	शोध पत्रिका	33	1
रूडे-रूडे भूंडे-भूंडी	कुशल निर्देश	12	10
राष्ट्रीय संग्रहालय की कतिपय जैन धातु मूर्तियों के लेख	सम्बोधिका	19	70
राधव पटनी रचित यात्रा प्रकाश	महा. जयन्ती स्म. अप्रैल 78		
राजस्थानी ऐतिहासिक बातों व ख्यातों की परम्परा	परम्परा	-	11
राजस्थानी साहित्य में ऐतिहासिक सामग्री	परम्परा	1978	48
राधवदास कृत भक्तमाल	मानस मयूख	1	2
रामरासो की अनोखी प्रति	मरु वाणी	12	5
राजस्थानी भाषा की एकरूपता			
राजस्थान का एक प्राचीन जैन तीर्थ-सांचौर	विजयानन्द	16	6
राव मालदेव का पश्चाताप और उनका शकुनशास्त्र	मरु श्री	1	3
रेख में मेख	समिति पत्रिका	10	1-2
राजस्थान के जैन कवियों की हिन्दी साहित्य को देन	सुधर्मा	12	11
राजस्थानी भाषा के छंद शास्त्रों की परम्परा	भाषा	9	2
राजस्थान एवं गुजरात का सांस्कृतिक सम्बन्ध	सुधा बिन्दु	12	1-2
रावत जाति में जैन धर्म के प्रचार के लिए सुझाव	विजयानन्द	24	7
रसिक बिहारी कृत राग चक्रावली	संगीत	36	4
राजस्थानी संस्कृति की सुरक्षा अत्यावश्यक	समाज विकास	33	4
राजस्थान और जैन धर्म	सुधा बिन्दु	18	1-2
राजस्थानी भाषा का सबसे पहला राम काव्य	वाग्वर	1968 संयुक्तांक	
राजस्थानी साहित्य में घृत-वर्णन	जनमन	1	3-4
राजस्थानी रत्न परीक्षा विषयक हिन्दी साहित्य	राज. साहित्य	1	1
राजस्थानी भाषा का एक उल्लेखनीय कृष्ण काव्य	सप्त सिन्धु	14	7
राचा बत्तीसी	ओ. समाचार		
राजस्थानी भाषा का जैन भक्ति साहित्य	अनुसंधान पत्रिका	अक्टू. 73	
राजस्थानी साहित्य रे निर्माण और संरक्षण में विद्वानों की सेवा	नैणसी	5	6
राम कवि रचित दो अज्ञात ग्रंथ	भारती	3	1
राष्ट्र एवं मानव विकास का मूल-पारस्परिक सहयोग	समाचार पत्रिका	जुलाई अग. 77	
रणथंभौर के मंत्रीश्वर खीमसी गर्ग	आपका समाज	1	2
राधव चेतन की ऐतिहासिकता	नागरी प्रचारिणी	64	1
राजस्थानी साहित्य में ग्रीष्म-वर्णन	मरु भारती	2	2
रत्नपाल व्यवहारी	मरु भारती	7	2
राजस्थान के कतिपय महत्त्वपूर्ण प्राचीन लोकगीत	मलानुसंधान	-	4-5

राष्ट्रीय समिति के करवाने योग्य कार्य और उनके तरीके	अहिंसा वाणी	22	6
राजस्थान में प्राप्त जीवन्त स्वामी की एक मूर्ति	जैन युग	20	2
राजस्थान से चारणी साहित्य का प्रकाशन	चारण बन्धु	15	2
राघवदास की भक्तमाल में उल्लिखित चारण भक्त कवि	चारण बन्धु	16	2
राजस्थान का जैन स्थापत्य	लहर	1	6
राजस्थानी फागु काव्य की परम्परा और विशिष्टता	सम्मेलन पत्रिका	40	3
राजस्थानी जैन साहित्य	श्रमण	6	4
राजस्थानी साहित्य और जैन कवि धर्मवर्द्धन	राजस्थान	2	2
राजस्थानी साहित्य में बसंत-वर्णन	मरु भारती	4	1
राजस्थानी हस्तलिखित ग्रंथों की खोज	मरु भारती	3	1
रतना हमीर री वारता के वास्तविक रचयिता	राज. भारती	3	3-4
रणथम्भोर के अलाउद्दीन के मंत्री धनराज का वंश परिचय	राज. भारती	3	3-4
श्री रतन	राज. भारती	3	3-4
राजस्थानी साहित्य में शीत-वर्णन	मरु भारती	2	1
राजस्थान में रचित हिन्दी का सबसे बड़ा ग्रंथ	संगीत	20	2
राजस्थानी जैन साहित्य की विशालता, विज्ञानता एवं विशेषताएं	सागर	2	8
राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान में एक प्राचीन दिगम्बर प्रति	वीर वाणी	33	14
राजस्थानी संस्कृति	मरु वाणी	आषाढ़ सं. 2010	
राजा सूर रो न्याव	मरु वाणी	2	3-4
राजस्थानी गद्य में युद्ध वर्णन	सप्त सिन्धु	11	4
राग-रागिनी की एक वृहत व विशिष्ट चित्रावली	संगीत	22	2
राजस्थान के गाने व बजाने वाली कौमें और ढाढी	संगीत	27	10
राठौड़ अमरसिंह का सिलोका	समाज हितैषी	1	16
रघुनाथ शाह रचित चार अज्ञात हिन्दी ग्रंथ	साहित्य संदेश	19	5
राव अमरसिंहजी की बात हरिदास कृत अमरसिंह बत्तीसी	भारतीय विद्या	2	1
राजस्थान में नृत्याभिनय की परम्परा	अनुराग 18	सन् 1978	
राजस्थानी भाषा का सर्वप्रथम जैन वीर काव्य—			
भरतेश्वर बाहुबली रास	राष्ट्र भारती	14	4
रघुनाथ की अज्ञात जैन टीका	श्रमण	15	1
राजस्थान का प्राचीन नगर—विक्रमपुर	जैन भारती	शोध अंक	
राजस्थानी लोक साहित्य	कर्मण राजस्थान	2	12
राजस्थानी साहित्य की विशेषताएँ	सुधा बिन्दु	11	6
रामस्नेही सन्त सुख सारण और उनकी भक्तमालादि रचनाएँ	राष्ट्र भारती	15	1

रेलुजा संज्ञक पांच रचनाएँ	जैन सत्य प्रकाश	19	10
राजस्थानी कहावतों का संग्रह एवं प्रकाशन-कार्य	राष्ट्र भारती	5	11
राजस्थानी भाषा के 60 नाटक एवं उपन्यास	अजन्ता	10	3
राजस्थानी कहानी प्राचीन परम्परा	मधुमति	2	4
राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट संग्राहक—			
श्री रघुनाथ प्रसाद सिंहानिया	मधुमति	7	11
राम वन का तुलसी संग्रहालय	तुलसीदल	3	5
राष्ट्र की भावात्मक एकता का मूल आधार	तुलसी दल	3	11
राजपूताने की बोध वस्तुएँ	धर्मदूत	9	9
रघुनाथजी विवाह उत्सव और हनुमानजी की बधाई	तुलसी दल	9	11
राघोदास के भक्तमाल में माधवाचार्य सम्प्रदाय के भक्तों का वर्णन	गोडिय पत्रिका	1963 अप्रैल	
रामस्नेही दयालदास रचित भक्तमाल श्री कृष्ण चैतन्य आदि का वर्णन	श्री गोरंग	4	1
राजस्थानी लोकगीतों का संग्रह एवं प्रकाशन-कार्य	परम्परा	चैत सं. 2013	
राजस्थानी लोककथाओं सम्बन्धी साहित्य और संरक्षण में जैनों का योग	परम्परा	6	6-7
रानी भनुमति का विचक्षणता	जैन साहित्य	11	4-5
रवि सम्प्रदाय की मध्यवर्ती परम्परा	जिन वाणी	15	2
राधो-माधो लीला विकास	कल्पना	7	11
राजस्थानी गद्य की परम्परा	कल्पना	4	3
रूपदेवी रचित रामरास और रुकमणि मंगल	कल्पना	11	6
रामजस रसायन के रचयिता और रचनाकाल	वीर वाणी	7	12
रणकपुर, तारंगा नाडुलाई वनडूल के कतिपय लेख	जैन सत्य प्रकाश	18	4-5
राजस्थान की मन्दिर निर्माण-कला	अजन्ता	10	5
राव जैतसी रो रासो	राजस्थानी	3	1
राजस्थानी साहित्य और जैन कवि धर्मवर्द्धन	जैन भारती	4	31
रसिक अनन्य माल में एक सरावगी जैनी का विवरण	अनेकान्त	15	5
राजमान्य जगतसिंह मदनसिंह	कुशल निर्देश	3	12
रत्नाकर पच्चीसी का हिन्दी पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	11	8
राजा का विश्वास	कुशल निर्देश	11	10
राजपूत इतिहास की उपेक्षा	अरावली	1	11
रत्नजय दीपिका : एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	अहिंसा वाणी	21	8-9
राका सेठ का भाग्योदय	कुशल निर्देश	11	11
राजा प्रियंकर	कुशल निर्देश	12	11
राजस्थान साहित्य में नारी	समाज वाणी	6	9
राजस्थान के लोक देवता	समाज वाणी	7	1
राजस्थान के दानवीर भामाशाह	समाज वाणी	7	10
राजस्थानी भागवत दशम	शोध पत्रिका	4	1

रूपनगर मन्दिर में पंजाब के जैन ज्ञान भण्डारों का एक संग्रह	श्रमण	25	10
राष्ट्रभाषा की उन्नति कैसे हो?	जीवन साहित्य	18	8
राजस्थान के महावीर के दो उपसर्ग	श्रमण	26	6
रविषेण कृत पदम पुराण का विशिष्ट अध्ययन	सम्मति वाणी	6	2
राजस्थानी बातें	मरु भारती	13	4
राजस्थान की विभिन्न बोलियों में लिखित कतिपय बातें	मरु भारती	17	1
राजस्थानी जैन साहित्य में नारी	मरु भारती	29	2
रघुवंश की एक अज्ञात जैन टीका	श्रमण	15	1
रागमाला	संगीत	37	3
राग रत्न काव्य	संगीत	31	3
रागमाला के छत्तीस दोहे	संगीत	33	11
ऋषि रामचन्द्र का संक्षिप्त परिचय	श्रमणोपासक	7	13
राजा पोपाबाई रो (लोक कहावता)	त्रिपथगा	4	12
राजस्थान में सन्त साहित्य की खोज की आवश्यकता	संत वाणी	2	11
रामकथा सम्बन्धी जैन साहित्य	सन्मति संदेश	2	6
राजस्थान के महान साहित्यकार डॉ. सहल	मरु भारती	25	2-3
राजस्थान के साहित्य में आबू	शोध पत्रिका	5	1
राजस्थानी जैन कथाओं में चंदराज की बात	शोध पत्रिका	7	2-3
राजस्थानी भाषा के एक बड़े कवि हीरकलश	शोध पत्रिका	7	4
राजस्थानी साहित्य के संग्राहक	मधुमति	7	11
रोडा गुरुजी रचित ऋषभदेव लावणी	शोध पत्रिका	16	2
रासो साहित्य विमर्श	साहित्य संदेश	25	5
रस रत्न टीका का रचयिता सूरज मिश्र है	साहित्य संदेश	26	9
राष्ट्रीय संग्रहालय की कतिपय धातु प्रतिमाएँ	जैन संदेश	जून 72	42
रासो की व्युत्पत्ति एवं प्रयोग	सम्मेलन पत्रिका	35	7-8
राजस्थानी भाषा का वृहद राम-काव्य	सम्मेलन पत्रिका	56	4
राजस्थान में हस्तलिखित पुस्तकों की खोज	सम्मेलन पत्रिका	40	3
राजावली संज्ञक रचनाओं की परम्परा	सम्मेलन पत्रिका	50	4
राजस्थान में प्राप्त तुलसी कृत रामायण की हस्तलिखित प्रतियाँ	सम्मेलन पत्रिका	82	1
राजस्थान का प्रकाशित सन्त साहित्य	सम्मेलन पत्रिका	42	4
वीठोड़ा मारवाड़ का श्री गोड़ी पार्श्वनाथ तीर्थ	कुशल निर्देश	5	10
रघुनाथ शाह रचित चार अज्ञात हिन्दी ग्रंथ	साहित्य संदेश	19	5
राजस्थान में हस्तलिखित ग्रंथों की खोज का कार्य	साहित्य संदेश	19	7-8
राजस्थानी और गुजराती में मेहंदी सम्बन्धी गीत	सरस्वती	60	2
राजस्थानी भाषा और साहित्य का महत्त्व	सरस्वती	50	2
राजबल्लभ रचित भोजपुर चरित्र रचनाकाल	सरस्वती	73	1
राजस्थानी लोक संगीत का उपेक्षित पक्ष	संस्कृति	12	2-3

रामायण सम्बन्धी एक अज्ञात जैन प्राकृत रचना-सीता-चरित्र	हिन्दी अनुशीलन	18	1-2
रुद्र पल्लीय पृथ्वीचन्द्र रचित रस विलास	हिन्दी अनुशीलन	8	3
रामरत्नेही महंत नारायणदासजी को दिया हुआ एक सचित्र काव्य पत्र	हिन्दुस्तन	20	2
राजस्थानी सिलोका साहित्य	परिषद पत्रिका	9	4
राजस्थान के श्वेताम्बर हस्तलिखित ज्ञान भंडार	परिषद पत्रिका	9	4
रत्न परीक्षा सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण हिन्दी ग्रंथ			
रणवीर रत्नमाला	परिषद पत्रिका	12	2
राजस्थानी भाषा का नाटक साहित्य	राजस्थानी वीर	17	9
राजस्थानी भाषा का एक महत्त्वपूर्ण कृष्ण काव्य	राष्ट्र वाणी	13	5
राजस्थानी भाषा और साहित्य की प्रगति	भाषा	1	3
राजा रिसालु की बात के राजस्थानी संस्करण	राष्ट्र वाणी	1	2
राजस्थानी साहित्य के संवाद ग्रंथ	वासन्ति	1	12
रावत अनूपसिंह और उनके आश्रित कवि वेणीदास	बल्लभिय सुधा	4	2
राजस्थान की संस्कृति और उसकी वर्तमान स्थिति	भारतीय संस्कृति	1	2
रावतियो नाई	राजस्थानी	2	4
राजस्थानी साहित्य और जैन कवि धर्मवर्द्धन	राजस्थान पत्रिका	1	2
राजा भोज और वासिंग नाग	वरदा	9	4
रिण पाप	मरु वाणी	2	9-10
राजस्थानी गद्य की एक उल्लेखनीय रचना-			
श्रीनाथ पुराण	विश्वम्भरा	3	2
राजस्थान की कवयित्री	प्रेरणा	10	7
राजस्थान का सांस्कृतिक महत्त्व और हमारी वर्तमान स्थिति	राजस्थानी अरावली	1	8-9
राजस्थान के अनमोल दोहे	राजस्थानी अरावली	1	7-8
राजस्थानी दोहा साहित्य	राजस्थानी अरावली	1	2
राजा भोज के पन्द्रहवीं विद्या के तीन कोश	वरदा	1	3
राठौड़ अमरसिंहजी सम्बन्धी दो ऐतिहासिक रचनाएँ	भारतीय विद्या	12	1
राजस्थान के ऐंगो लोककथा	भोजपुरी	2	5
रामकवि रचित दो अज्ञात ग्रंथ	भारती	3	1
राजस्थानी कहावतों सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण सामग्री	वरदा	15	3
रतना हमीर री वारता के वास्तविक रचयिता	राज. भारती	3	3-4
राजस्थानी भाषा की सतसङ्गियाँ	राज. भारती	8	3-4
राजस्थानी भाषा के कतिपय प्राचीन भाव गीत	राज. भारती	6	3-4
राजस्थानी साहित्य डॉ. बच्चन से	मध्यमा	3	7
राजस्थान में शोध कार्य गतिहीन क्यों?	विशाल राजस्थान	27 मार्च 67	
राजस्थानी साहित्य परिषद्	जनपथ	1	38-39

राजोरगढ़ का सं. 989 का महत्त्वपूर्ण जैन शिलालेख	जैन गजट	67	35
राजस्थानी को साहित्यिक मान्यता न देना अनुचित	राष्ट्रदूत रविचारीय		
	परिशिष्ट	1967 दिस.	31
राजस्थानी और हिन्दी की पृथकता	अमर ज्योति	13	43
राजस्थानी प्रकाशित साहित्य	अमर ज्योति	26 जन. 65	
राजस्थान की लोककथाएँ	अमर ज्योति	31	8
राजस्थान में शोध कार्य की प्रगति मन्द और अवरुद्ध क्यों?	अमर ज्योति		
राजपूताने में चित्रकला की विपुल सामग्री	विश्व वाणी	6-12	3
राजस्थानी में लक्ष्मी का निवास एवं प्रवास	विकास	2	4
राजस्थान के जैनों की गणना	वीर वाणी	8	14-15
राजस्थानी गद्य का एक महत्त्वपूर्ण अपूर्ण ग्रंथ— गण्डव चरित्र वार्ता	मरु भारती	12	1
राजस्थानी का एक विस्मृत गायक	प्रजा सेवक	15 अग. 56	
राजस्थान में हस्तलिखित ग्रंथों के संग्रहालय	अमर ज्योति	7	1
राजस्थानी भाषा का उल्लेखनीय महाकाव्य कालू यशोविलास	कर्मठ राजस्थान	1	6

ल

लोकानुरंजन के रूप	रंगायन	1977 जन.	
लवण शुद्धि नौ राज्य मार्ग	जन कल्याण	10	7
लक्ष्मी देवी उवाच	राष्ट्र भाषा		
लेहनी दिवालो ने तोड़ी अलेह तरफ वरणो	जैन सिद्धान्त	15	1
ललितांग कुमार (गं. शतावधानी पं. धीरजलाल टीकरसी शाह)	कुशल निर्देश	10	3
लक्ष्मण शर्मा रचित पद्यामृत सरोवर	विश्वम्भरा	9	2
लोक साहित्य को जैनों का योगदान	लोकायतन	नव. 1977	
लोक कथा सम्बन्धी जैन साहित्य	नागरी प्रचारिणी पत्रिका	52	1
लंदन की इण्डिया ऑफिस लाइब्रेरी में दिगम्बर ग्रंथ	तारण संदेश	3	14
लखनऊ पत मंजरी	जीवन साहित्य	14	3
लोकमत प्रचारक लखमसी रचित ग्रंथ	जिन वाणी	4	11
लोक कवि चंद्रसखी के समय सम्बन्धी विचारण	विक्रम	6	2
लिखाई का सस्तायन	श्रमण	9	3
लौकागच्छीय विद्वानों के तीन संस्कृत ग्रंथ	श्रमण	अग. 1960	
लंकित ओलो उपाध्याय का समय और उनके ग्रंथ	जैन सत्य प्रकाश	19	12
लुंकाशाह कौन और कहाँ के थे?	जिन वाणी	3	9
लौकागच्छ के कतिपय आचार्यों सम्बन्धी ऐतिहासिक गीतों का आदेश	जिन वाणी	24	2

लोकागच्छीय नगराज और अभयराज सम्बन्धी ऐतिहासिक विवरण	जिन वाणी	24	4
लुंकागच्छ की एक अन्य पट्टावली	जिन वाणी	15	4
लौकागच्छीय आचार्य श्री चिन्तामणिजी का परिचय	जिन वाणी	17	1
लौकागच्छीय आचार्य खेमकरणजी	जिन वाणी	17	5
लोकामत की शाखाएँ	जिन वाणी	17	7
लुप्तप्रायः जैन ग्रंथों की सूची	जैन सत्य प्रकाश	2	11
लक्ष्मी दरिद्र संवाद	कुशल निर्देश	11	2
लोभी सेठ	कुशल निर्देश	5	8
लक्ष्यविहीन जीवन	अखण्ड ज्योति	9	11
लंदन में अप्राप्य जैन ग्रंथ	श्रमण	2	5
लोक साहित्य के आध्यात्मिक सिद्धान्त	श्रमण	7	2
लौकाशाह का समय और अन्य ज्ञातव्य बातें	अमर भारती	16	12
लहर संज्ञक जैन रचनाएँ	वीर वाणी	21	22
लक्ष्मी वल्लभ रचित देशान्तरी छन्द	मरु भारती	8	1
लौकाशाह की 69 बोनो की हुण्डी	जैन भारती	3	1
लौकाशाह और दिगम्बर साहित्य	जैन सिद्धा. भास्कर	4	1
लौका गुणचन्द्र रचित मनोरमा नाममाला	जैन भारती	19	13-14
लोक साहित्य के संरक्षण एवं उपयोग में जैनों का योगदान	जैन गजट	81	9
लोका मतानुयायी कितने आगम मानते थे?	जैन गजट	9	4
लक्ष्मी वल्लभ रचित उपदेश बत्तीसी	जैन भारती	3	22

व

वाचक विनयसमुद्र (बीकानेर का राज. जैन की)	राजस्थान भारती	5	1
विक्रम लीलावती चौपाई विषयक विशेष ज्ञातव्य	श्रमण	27	2
विनयप्रभ कृत व्याकरण ग्रंथ शब्द-दीपिका	श्रमण	30	10
वीरायतन का महत्त्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय सेवा कार्य—चखुदयाण	श्री अमर भारती	18	7
विश्व कल्याण का मूल आधार—आत्मीयता का विस्तार या अहिंसा	अहिंसा वाणी	14	1
वैराग्य सम्बन्धी एक प्राचीन लघु रचना— वैराग्य चौपाई	अहिंसा वाणी	17	89
वीतराग की वाणी	वीतराग वाणी	2	11
वर्द्धमान पुराण महाकाव्य	वीतराग वाणी	1	3-4
वृन्द ग्रंथावली : एक महत्त्वपूर्ण प्रकाशन	साहित्य परिचय	6	8
विश्व शान्ति का अमोघ उपाय	सेवा समाज	8	1
वीर दुर्गादास राठौड़	विवेक विकास	10	10
वीर निर्वाण के विरह गीत	जैन जगत	12	7
विचार की कसौटी	कादम्बिनी मार्च 67	7	5

वर्णीजी प्रदत्त पदों का संग्रह एवं प्रकाशन आवश्यक	दिगम्बर जैन	55	1-2
वसन्त विलास के कतिपय शब्दों की अर्थ विचारणा	हिन्दुस्तानी	27	3-4
वीर निर्वाण और दीपावली दो प्रबोधक स्तवन	महिला जागरण	2	29
वादीचन्द्र रचित अम्बिका कथासार	अनेकान्त	13	4-5
विद्या विलासी महाराणा भोज सम्बन्धी राजस्थानी जैन साहित्य	राजस्थान भारती	8	3-4
विस्मृतप्रायः प्राचीन हिन्दी लोकगीत	वरदा	6	4
वल्लभ सम्प्रदाय की दो अज्ञात कृतियाँ— भक्तमाल, भक्त रत्नावली	राष्ट्र भारती	17	9
व्यापारी व सती लक्ष्मी	सुधा बिन्दु	11	11
वाचक राज समुद्रगणी रचित राजस्थानी जैन रामायण विश्वम्भरा		11	3
विद्वानों एवं कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान दें	वल्लभ संदेश	5	9
वाचक मालदेव और उसके ग्रंथ	शोध पत्रिका	7	1
वैद्य मनोत्सव की प्राचीन प्रतियाँ और प्रकाशित संस्करण	शोध पत्रिका	32	1
विविध स्थानों की विशेषताएँ व प्रसिद्ध रचनाएँ	कुरजा	1	4
विकथा से बचिए	श्रमणोपासक	20	5
वसुदेव हिन्दी में भ. बाहुबली चरित्र	जैन जगत	33	10
वीरचन्द्र रचित सबोध सताणु दोहा	महावीर ज. स्मारिका 1969		
विश्व शान्ति के उपदेशक भगवान महावीर	श्री महावीर स्मारिका		
विशालकीर्ति रचित प्रक्रियासार कौमुदी	श्रमण	29	11
वर्तमान में अनुशासन की सर्वाधिक आवश्यकता	अनुशासन अंक	1981	
वज्रस्वामी	कुशल निर्देश	7	8
विजयसिंह सूरि	कुशल निर्देश	8	4
विधि का अमिट लेख	कुशल निर्देश	8	8
वृद्धिवादि सूरि	कुशल निर्देश	8	6
वृद्धि विज्ञान सम्बन्धी दो अज्ञात हिन्दी रचनाएँ	मधुमती	3	3
विश्व साहित्य का बेजोड़ ग्रंथ—सप्त संधान	सुधर्मा	13	12
वाचक कवि सारंग और उनकी रचनाएँ	तुलसी प्रज्ञा	6	10
वर्तमान शिक्षण और जैन समाज	विजयानन्द	25	2
विक्रमादित्य हेमू सम्बन्धी दो राजस्थानी उल्लेख	जर्नल ऑफ		
	हरियाणा स्टडीज	1-2	5
विचारों का केन्द्र बिन्दु क्यों	अखण्ड ज्योति	10	4
व्रतनिष्ठ काण्ड का कठिहारा	दिव्य ध्वनि	3	1
वे दोहे जो मुझे प्रेरणा देते हैं	जैन जगत	9	1
विद्वत्वर्य श्री विगतकीर्ति रचित पर्युषण पर्व गीत	श्री जैन धर्म प्रकाश	89	89
विनोद भाई और उखाणा विचार चौपाई की अपूर्ण प्रतियाँ	मरु भारती	13	2
विधि का विधान	कथालोक	7 जन. 1975	
वीर निर्वाण विरह गीत	अपरिग्रह	1	3

विनय चूला गणिनी रचित हेमरत्नसूरि फागु	सुधर्मा	12	3
वैराग्य शतक	श्रमण	12	2
विद्वान कवि यति प्रीतिउदयजी	कुशल निर्देश	13	7
विवेक का फल	कुशल निर्देश	12	12
विक्रमादित्य सम्बन्धी हिन्दी साहित्य	राजस्थान साहित्य	1	3
वसुधि कथा	मरु भारती	7	4
विभिन्न प्रदेशों के स्त्री-पुरुषों की नामावली	मरु भारती	24	3
वाचक विनयसमुद्र	राजस्थान भारती	5	1
वसुदेव हिन्दी	नागरी प्रचारिणी	55	3
विद्यार्थी बन्धुओं से	हंस	9	2
वस्तुओं के उपयोग की कला	जीवन साहित्य	11	7
वीर हम्मीर सम्बन्धी कतिपय अन्य रचनाएँ	सप्त सिन्धु	19 अग.	8
विद्या विलास : एक प्राचीन लोककथा	कल्पना	9	9
विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान में हिन्दी ग्रंथों की हस्तलिखित प्रतियाँ	साहित्य संदेश	22	5
वसुंधरा रत्न कवयित्री चन्द्रकला पाटू	साहित्य संदेश	24	3
वीरगाथाकालीन साईदान	साहित्य संदेश	11	9
वीसलदेव रास के रचयिता के नाम और समय	राष्ट्र भारती	9	11
विचारमाला	लोक जीवन	1	10
वीसलदेव रास की दो महत्त्वपूर्ण प्रतियाँ	राष्ट्र भारती	13	10
विद्वद्वर विनयसागर आद्यपक्षीय नहीं, पिप्पल शाखा के थे	श्रमण	7	3
वैराग्य सम्बन्धी रचनाएँ	अहिंसा वाणी	17	8-9
विद्वत्वर्य री सुमति विजय	जैन सत्य प्रकाश	21	5
विचारक बनने का मूल मंत्र क्या, क्यों और कैसे?	कल्याण पत्रिका	41	8
विश्व शान्ति का अमोघ उपाय—अहिंसा और अपरिग्रह	महावीर जयन्ती	1971	
वर्तमान समय के वर रिपु	कल्याण	18	10
वर्तमान शिक्षण—पद्धति में सुधार की आवश्यकता	कल्याण	27	1
विश्व कल्याण के लिए महावीर के साथ	गुरुदेव पत्रिका	1871 भाद्रपद	
विजय नगर और जैन-धर्म	दिगम्बर	61	1-2
वास्तविक धर्म—आत्मस्वरूप में स्थिति	दिव्य ध्वनि	3	12
विदग्ध-माधव	गौड़ीय	2	1
वैष्णव सम्प्रदाय के दो प्रधान सिद्धान्त— अहिंसा और भक्ति	गौड़ीय	12	4
विदग्ध-माधव के हिन्दी रूपान्तर सम्बन्धी कुछ आवश्यक बातें	श्री गौड़ीय पत्रिका	5	2
वर्तमान ही सब कुछ नहीं है	चरित्र निर्माण	3	1
विक्रमादित्य हेमू सम्बन्धी दो राजस्थानी उल्लेख	जिन वाणी	1973	1-2
विद्या विलास	कल्पना	9	9
वधु रचित वर्द्धमान वचनिका	वीर वाणी	6	2

वसंत पंचमी और सरस्वती पूजा	वीर वाणी	6	11
विद्वद्वर्य श्री सुमति विजय	जैन सत्य प्रकाश	22	3-4
वीरमपुर और नाकोड़ा तीर्थ की प्राचीनता	जैन सत्य प्रकाश	20	4
विजय नगर ना नरेश हरिहरना मंत्री ठाकरसी	जैन सत्य प्रकाश	20	5
विवाहलउ संज्ञक अन्य जैन रचनाएँ	जैन सत्य प्रकाश	9	4,5,6
वाणी विनोद ग्रंथ में घोड़ा और घोड़ियों के नाम	उर्मिनव रचना	42	4
वीसलदेव रास सम्बन्धी कतिपय भ्रातियों का संशोधन	अजन्ता	6	11
विद्यापति की कृति की संस्कृत टीका	अजन्ता	7	12
वृंद कवि के वंशजों की अन्य रचनाएँ	अजन्ता	10	9-10
विश्व कोश व शब्द प्रमेद के रचयिता महेश्वर			
जैनाचार्य थे	जैन सत्य प्रकाश	15	10
वीर शासन की विशेषता	अनेकान्त	3	31
बच्छावत वंशावली	राजस्थानी	3	3
बल्कल चिरी की कथा	जैन भारती	4	18
व्रतों का महत्त्व और अपना अनुभव	जैन भारती	4	25
व्रत और मेरा अनुभव	जैन भारती	4	19
विद्वद्वय वादी गुणरत्न और उनके ग्रंथ	जैन भारती	4	53
वामनावतार और जैन मुनि विष्णु कुमार	अनेकान्त	14	7
विधि का अमिट लेख	कुशल निर्देश	8	8
विलक्षण वर परीक्षा	कुशल निर्देश	2	4
विघ्नहर (सिद्ध बहर) स्तोत्र हिन्दी पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	11	6
वैराग्य मातृका	अहिंसा वाणी	16	11
वीर निर्वाण विरह गीतिका	अहिंसा वाणी	6	7
वैराग्य सम्बन्धी एक प्राचीन लघु रचना			
वैराग्य सतसई	अहिंसा वाणी	17	8-9
वृद्ध पुरुषों की सेवा	अमर विभूति	2	2
वीठोड़ा मारवाड़ का श्री गोड़ी पार्श्वनाथ तीर्थ	कुशल संदेश	5	10
वीर निर्वाण श्री मददेवचन्द्र कृत प्रबोधक स्तवन	राजेंद्र विद्या प्रकाश	-	-
वीर रसात्मक दोहे	समाज विकास	19	5
विशाल कीर्ति रचित परिक्रमण कौमुदी	श्रमण	29	11
वस्तुओं का उपयोग कैसे करें	अखण्ड ज्योति	16	2
वस्तुओं का सदुपयोग कीजिए	अखण्ड ज्योति	12	5
विद्वद्वर विनयसागर उपाध्याय है	श्रमण	7	3
वासुमती महाकाव्य	श्रमण	12	8
विलास के पद	संत वाणी	5	2
विद्वद्वर प्रजागर का रचनाकाल	संत वाणी	6	2
व्यापारे वसति लक्ष्मी	सुधा बिन्दु	11	11
विलास संज्ञक तीन गद्य रचनाएँ	सन्मति संदेश	5	6
वर्तमान समय के षट् ऋतु	शाश्वत धर्म	1	1
विनोबाजी के विचार	शाश्वत धर्म	7	4-5

वादि बेताल शान्ति सूरि	शाश्वत धर्म	8	5
वाचनाचार्य मुनि तिलक पद स्थापना	स्वाध्याय	12	4
वसंत विलास फागु ना रचित माला	स्वाध्याय	15	3
वाचक रत्न कीर्ति कृत पुण्य रत्न सूरि	स्वाध्याय	8	2
वाचक कवि सारंग और उनकी मातृका बावनी	वरदा पत्रिका	20	3-4
वाचक मालदेव की तीन लघु रचनाएँ	शोध पत्रिका	10	3-4
वाचक कर्मतिलक रचित सुखदेव रास	शोध पत्रिका	14	4
वैद्य मनोलच की प्राचीन प्रतियाँ और			
प्रकाशित संस्करण	शोध पत्रिका	32	1
वैराग्य शतक के रचयिता कवि परमानन्द का समय	जैन संदेश	44	74
वृन्दावन के दीवान चम्पारामजी की दो अज्ञात रचनाएँ	जैन संदेश	29	29
विशाल कीर्ति रचित प्रक्रिया सार कौमुदी	जैन संदेश	31	1-4
वाराणसी जैन तीर्थ	अहिंसा वाणी	4	1
वसुन्धरा रत्न (कवयित्री चन्द्रकला बाई)	साहित्य संदेश	24	3
वीर हमीर सम्बन्धी कतिपय अन्य रचनाएँ	सप्त सिन्धु	19	8
विक्रमादित्य हेमू और उसका वंशज	सरस्वती	58	1
विक्रमादित्य और हेमू के दो राजस्थानी उल्लेख	सरस्वती	60	2
विचारशील बनने का मूल मंत्र क्या और क्यों?	सिद्धान्त	13	3
विश्व साहित्य का अद्वितीय ग्रंथ	संस्कृति	9	3
विस्मृत प्रायः प्राचीन हिन्दी लोकगीत	हिन्दुस्तानी	22	2
वृन्दावन में जयंतराम रचित गीता भाषा	श्री सर्वेश्वर	6	4
विश्वनोई सम्प्रदाय की एक उल्लेखनीय घटना और			
जैन धर्म का प्रभाव	कुशल निर्देश	10	11
विजयचन्द्र और मान शंकर	कुशल निर्देश	10	11
विलास संगम रचनाओं की परम्परा	परि. पत्रिका	13	3
विजयसिंह और उनकी रखेलियों की कविता	परि. पत्रिका	11	2
वैशाख कार्तिक व माघ महोत्सव	वरदा	9	2
वृन्दावन के दीवान चन्द्रराम की दो अज्ञात रचनाएँ	ब्रज भारती	17	4,5,6
वागविलास लघु कथा संग्रह	वरदा	1	1
विवाह और मंगल कामों की परम्परा	भार. साहित्य	1958	1
विष्णुदत्त रचित पाक मंजरी	युग प्रभात	14	10
विक्रमादित्य सम्बन्धी सबसे बड़ा भाषा काव्य	वरदा	13	4
व्यास देवीचन्द्र	वरदा	7	4
व्यवस्थित जीवन	राज. भारती	7	9
वीरचंद राघवजी गाँधी सम्बन्धी दो तत्कालीन लेख	विजयानन्द	11	6
वल्लभ कीर्ति ग्रन्थमाला का प्रथम पुष्प-			
मानव और धर्म	विजयानन्द	8	9
व्यंग्योक्तिपूर्ण एक राजस्थानी लोकगीत	देशबन्धु		
विक्रम चरित्र चौपाई भाऊ कवि की नहीं श्वेताम्बर			
उपाध्याय भाव कवि की है	वीर वाणी	25	4

वसुधैर कथा	मरु भारती	7	4
वीर गाथा काल की रचनाओं पर विचार	नागरी प्रचारिणी	47	3-4
वीर गाथाकाल का जैन भाषा साहित्य	नागरी प्रचारिणी	46	3
विदेशों में जैन धर्म-प्रचार की आवश्यकता	जैन जगत	25	1
विश्व शान्ति और जैन धर्म के महान् सिद्धान्त	जैन जगत	25	6
विदेशों में जैन धर्म-प्रचार की आवश्यकता	जैन जगत	4	8
वैराट के जैन मन्दिर का शिलालेख	वीर वाणी	16	21
वकचूल की कथा की प्राचीनतम तत्सम्बन्धी रचना	जैन सिद्धान्त	22	2
विचार माला	लोक जीवन	1	10,11
वैशाली में जैन विश्वविद्यालय स्थापना का सुयोग	जैन संदेश	16	16
विवादग्रस्त प्रश्नों का समाधान मिलकर काम करने से ही सम्भव	जैन गजट	58	13
वा. मो. शाह की एक महत्त्वपूर्ण भूल	जैन	18 सित. 37	
वीर निर्वाण भूमि भी बौद्ध भूमि के समान अभय प्रदेश घोषित हो	वीर	31	7
वाचक श्री वल्लभ गणि विरचित विदग्ध			
सुखमण्डल दर्पण	जैन भारती	11	8
वैद्य मुहता रचित राचा बत्तीसी	ओस. समाचार	5	1
वृहद ब्रज ग्रंथों में जैन मूर्तियों तथा जैन धर्म की प्राचीनता का वर्णन	मंगल ज्योति	3	2
वैष्णव गीत नुं कर्त्तव्य तथा केटलाक पादान्तरों	स्वाध्याय	3	3
विक्रमादित्यकालीन जैन धर्म और साहित्य	जैन भारती	10	28
विद्वत् परिषद् के कुछ आवश्यक कर्त्तव्य	जैन संदेश	9	37
विजयगच्छ की आचार्य परम्परा	जैन भारती	9	3
वीर निर्वाण महोत्सव की योजनाओं के लिए प्रान्तीय सरकारों को सक्रिय किया जाए	जैन प्रकाश	61	20
वसुदेव हिंडी का रचनाकाल	जैन संदेश	17	46
वैदिक धर्म पत्र में जैन धर्म पर आक्षेप	जैन संदेश	17	26
विदेशों में जैन धर्म प्रचार का सुअवसर	जैन संदेश	12	11
विशिष्ट जैन लेखों एवं कवियों से आवश्यक निवेदन	जैन संदेश	12	7
जैन सिद्धान्त भास्कर में उल्लिखित सतसई जैन कवि वृन्दावन की है	जैन संदेश	12	22
विज्ञप्ति महालेख का सार	वीर	25	13
विद्वत् परिषद् से	जैन संदेश	12	33
वीतराग मूर्तियों की अंग रचना सम्बन्धी स्पष्टीकरण	जैन	64	3
विनयचन्द्र कृत सुप्रावक छीतराष्ट्रकम	अमर विभूति	1	3
विजयनगर साम्राज्य में जैन-धर्म	वीर	20	24
वृद्ध और अनुभवी व्यक्तियों से लाभ उठाया जाये	जैन	6	4
वासुदेव हिण्डी आदि आगमोत्तर साहित्य में श्री कृष्ण चरित्र	जैन भारती	2	31
वीर निर्वाण स्तवन	जैन भारती	2	45

श			
शुभङ्कर कृत रांग मूर्तियों का अनुशीलन	हिन्दुस्तानी	1975 अप्रैल-	
	त्रैमासिक	जून 36	2
श्वेताम्बर अपभ्रंश साहित्य	स्मारिका	अप्रैल 1962	
शब्द रतन महोदधि नामक संस्कृत-गुजराती जैन कोश	श्रमण	28	12
शासन प्रभावक जिनप्रभसूरि	श्रमण	28	1
शील-रक्षा	कुशल निर्देश	9	11
शुभ काम दिखावे के लिए न करें	जैन जागरण	1	7
शोध क्षेत्र की कठिनाइयाँ पाण्डुलिपियाँ	संभावना	3	5-6
शक्ति : उसके प्रकटन का महत्त्वपूर्ण अभ्यास में सफलता	बालाश्रम	1	11-12
शाकाहार : मानवीय दृष्टिकोण	जैन प्रकाश	नव. 1977	
शतरंज सम्बन्धी एकमात्र हिन्दी ग्रंथ	हिन्दुस्तानी	29	1-4
शतावधानी श्री रतनचन्दजी महाराज और उनका अर्धमागधी कोश	जिन वाणी	38	3
शाह हीराचन्द तीर्थयात्रा विवरण और सम्मेलित शिखर	अनेकान्त	14	10
श्वेताम्बर आचार्यों की सूची शीघ्र प्रकाशित हो	वल्लभ संदेश	7	9
शक्ति का अपव्यय नहीं, संचय करिए	संघ शक्ति	6	11
शेठ हठीसिंह लखाटेले	जैन सत्य प्रकाश	20	7-8
शिवबाड़ी का मेला	कुशल निर्देश	2	8
शिला के नीचे दबा भाग	कुशल निर्देश	4	4
शताब्दी की शीघ्र तैयारी करें	कुशल निर्देश	7	9
शारदा छन्द	साधना	16-17	16-17
श्वेताम्बर जैन ग्रंथों के प्रारम्भिक दो प्रकाशक	तुलसी प्रज्ञा	7	1
शास्त्रों के शब्द नहीं, भाव ग्रहण कीजिए	वर्षी योग स्मारिका	197	8
शिक्षण और संस्कार के लिए अत्यावश्यक गुरुकुल प्रणाली	हिन्दू विश्व	18	2
शब्द प्रभेद टीका और उसके कर्त्ता	तुलसी प्रज्ञा	4	2
शुभ कामों के लिए प्रेरणा, प्रोत्साहन और सहयोग देते रहें	स्मारिका ओसवाल नवयुवक समिति		
शिक्षा में बाधक और साधक कारक	शक्ति दल	11	167
श्वेताम्बर साहित्य में भरत बाहुबली	तीर्थकर	10	10
श्वेताम्बर वीरचन्द्र रचित मातृ का शृंगार गाथा कोश	नागरी प्रचारिणी	71	2
श्वेताम्बर : जैन जागरण के अग्रदूत	जैन जगत	6	6
शोध विषयक कुछ ज्ञातव्य	मरु भारती	22	4
शाकाहार उत्पादन वृत्ति प्रचार की परमावश्यकता	अहिंसा वाणी	7	8
शाम्भ-प्रद्युम्न कथा	कुशल निर्देश	13	10
शब्द कोश सम्बन्धी हिन्दी साहित्य	राजस्थान साहित्य	1	4-5

शब्दांक अर्थात् संख्या सूचक संकेत	नागरी प्रचारिणी	46	2
शासन की आवश्यकता कब से और क्यों?	जीवन साहित्य	26	9
शक्ति का संचय कीजिए	श्री कृष्ण संदेश	5	5
शक्ति प्रकटन का महत्त्वपूर्ण उपाय-अभ्यास	कल्याण पत्रिका	37	5
श्वेताम्बर सम्प्रदाय में नित्य पठनीय प्राचीन तीर्थंकर स्तुति	तीर्थंकर पत्रिका	1	3
श्वेताम्बर जैन तीर्थ	कल्याण	30	1
शक्ति प्रकटन का महत्त्वपूर्ण विचार विस्तार	धर्म ज्योति	4	4
शक्ति प्रकटन और सफलता का महान उपाय-अभ्यास	गुरुदेव	21	10
शासन प्रभावक जिनप्रभसूरि	श्रमण	28	1
शील की शक्ति	चरित्र निर्माण	8	1-2
शुभ काम में प्रदर्शन कैसा !	जिन वाणी	18	8
शक्तिरूपा नारी	जैन भारती	4	25
शीतल श्रेयांस और वासुपूज्य के जीवन का सिंहावलोकन	अनेकान्त	14	10
शत्रुंजय दर्शन संशोधन के सन्दर्भ में	कुशल निर्देश	11	2
शाश्वत नवकार मंत्र में परिवर्तन क्यों?	कुशल निर्देश	5	7
शक्तियों का जगाना आवश्यक है	शान्ति संदेश	-	-
शक्ति पंचक	शक्ति	फर. 1956	-
शक्ति पंचक के उपासक बनिए	शाश्वत धर्म	3	1
श्वेताम्बर जैन पंडित-परम्परा	अनेकान्त	34	1
शत्रुंजय दर्शन संशोधन खरतरगच्छ और सती वाह	कुशल निर्देश	10	9
शाह शिवकरणजी दशक की साहित्य सेवा	राज वीर	19	3
श्वेताम्बर अपभ्रंश साहित्य	राष्ट्र वाणी	18	7
श्याम कवि रचित श्याम बत्तीसी	ब्रज भारती	24	1
सत्रहवीं शती के एक राजस्थानी काव्य का तत्कालीन हिन्दी अनुवाद	वरदा	13	2
श्वेताम्बर जैन कांफ्रेंस और जैन साहित्य	विजयानन्द	4	11
शीलवृत्त पुरन्दर चउपई	मरु भारती	10	2
शिव काव्य	प्रेरणा	12	12
शान्तिसूरि के सागदत रास का रचनाकाल	वीर वाणी	12	13
शत्रुंजय तीर्थ और हमारे साधु-साध्वी शिक्षा	जैन	55	4
शिक्षण-पद्धति में सुधार की आवश्यकता	जैन ज्योति	30	12-13
शाकाहार के अधिक उत्पादन व प्रचार की परमावश्यकता	जैन गजट	58	25
श्वेताम्बर जैन समाज में पर्युषण पर्व की आराधना	जैन प्रकाश	45	4
श्वेताम्बर जैन ग्रंथों में भगवान महावीर के जीवन वृत्तान्त की सामग्री	जैन संदेश	14	24
श्वेताम्बर जैन आगमों में दस धर्म	जैन भारती	9	13
	जैन संदेश	18	21

शासन देव देवियों की पूजा मान्यता पर विचार	शाश्वत धर्म	18	16
श्वेताम्बर जैन विद्वत् परिषद की आवश्यकता	जैन प्रकाश	58	39
श्वेताम्बर जैनाचार्यों से नम्र निवेदन	श्वेताम्बर जैन	26	29
शालिभद्र रास के रचयिता	जैन भारती	14	38-39
शासन प्रभावक रूपसूरिजी का जीवन चरित्र	जैन धर्म प्रकाश	65	9

ष

षोडश कारण भावना और बीस स्थानक की एकता	वीर वाणी	4	19
षडावश्यक प्रक्रमण सूत्रों का हिन्दी पद्यानुवाद	कुशल संदेश	7	2
षड्दर्शन समुच्चय के लघु टीकाकार	श्रमण पत्रिका	24	1
षड् के छियानवे भेद	सिद्धान्त	17	6
षड्दर्शनों के नामों का नया प्रयोग	सिद्धान्त	18	3-4

स

सूझा सहेली की प्रेमकथा	सरस्वती	75	1
सद्ग्रंथों का स्वाध्याय भी सत्संग	स्वर्ण जयंती समा.		
	स्मारिका	1972	
सुकवि नरहरदास की प्रशंसा के चार दोहे	राजस्थान भारती	7	4
सूरसागर की प्राचीन प्रतियाँ	राजस्थान भारती	1	2
सदयवस सावलिंगा की प्रेमकथा	राजस्थान भारती	3	1
समालोचना	राजस्थान भारती	2	1
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित पाँच चारण विद्वान	राजस्थान भारती	-	-
स्वाश्रयी तीर्थंकर महावीर	महा. जयन्ती स्मा.	अप्रैल 1963	
सिरसा के जैन कवि और उनकी रचनाएँ	सप्त सिन्धु	22	11
स्त्री शिक्षा का विकास	जीवन साहित्य	37	4
साधु वंदना के रचयिता	श्रमण	22	2
सिंहदेव रचित एक विलक्षण महावीर स्तोत्र	श्रमण	30	5
सिरसा सम्बन्धी नवीन ज्ञातव्य	जीवन साहित्य	17	8
सेवा एवं सौजन्य के प्रतीक श्री रांकाजी	जैन जगत	28	3
संग्रहवृत्ति से असंग्रहवृत्ति की ओर	जैन जागरण	1	6
सम्राट मो. तुगलक और महान् जैन शासक प्रभावक श्री जिनप्रभ सूरि	अनेकान्त	33	1
सुरंगी रुत आई म्हारे देश	समाज विकास	4	30
समता-साधना और भगवान महावीर	समाज विकास	12	13
सांवत्सरिक प्रतिक्रमण और क्षमापना	श्रमणोपासक	17	4
समय का सदुपयोग कीजिए	सुधर्मा	21	5
स्था. नाथूरामजी की परम्परा के दस साधुओं का काल प्राप्त समय और स्थान	सुधर्मा	19	7
सूरदास की रचनाओं की हस्तलिखित प्रतियाँ	संभावना	4	7-8
समय, शक्ति एवं साधन	प्रकाशित मान	सित. 1979	

स्वार्थों के टकराव से कैमे बचें?	प्रकाशित मान	5	4
सुखी रहने के गुर	प्रकाशित मान	जून 1980	
सं. 1792 भोलयालो एक महत्त्वपूर्ण पत्र	स्वाध्याय	9	4
स्वर्गीय पूर्णचन्दजी नाहर	विकास	3	1
संदेश रास का रचनाकाल	विकास	2	1
सामायिक : समभाव-साधना	जैन भारती	3	9-10
सुकवि चन्द रचित भारत भास्कर	वनस्थली	अप्रैल 69	12
सत्रहवीं शताब्दी की नगरकोट यात्रा का वर्णन	विजयानन्द	20	11
सुख-शान्ति का राजमार्ग-आवश्यकताओं को कम करो हिन्दू विश्व	-	-	-
स्वाध्यायोपयोगी कतिपय ग्रंथ और मेरा अनुभव	स्वा. स्मारिका	1950	
सामान्य और सरल जैन विवाह की आवश्यकता	जैन प्रकाश	1981	42
स्थानकवासी गेंडल शाखा के इतिहास सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	सुधर्मा	13	8
स्वाध्याय संघ : महत्त्वपूर्ण संस्था जिसके व्यापक प्रचार की आवश्यकता	आत्म रश्मि	जन. 1981	
संयम	जैन सिद्धान्त	16	3
संकुचित दृष्टि यानी गुणीजन नुं अनादर	जैन सिद्धान्त	17	11
सामायिक विचार	कुशल संदेश	1	4
सद्वृत्तियों का जागरण	रामतीर्थ	जुलाई 1962	
सबसे पहला कार्य	जैन जगत	30	2
सं. 1474 की भटनेर से मथुरा यात्रा	ब्रज भारती	29	4
सतियों के दो प्राचीन रास	हिन्दी अनुशीलन	9	1-4
सम्यक्त्व कौमुदी सम्बन्धी अन्य रचनाएँ एवं विशेष ज्ञातव्य	अनेकान्त	35	2
स्वर्गीय चम्पालालजी सिंघई का स्वयं लिखित आत्मचरित्र	सन्मति संदेश	18	8-9
साध्वी की वन्दनीयता सम्बन्धी एक क्रांतिकारी कदम	जैन भारती	30	23
साधु-साधवियों के समाधि-मरण पर शोक सभाएँ	वल्लभ संदेश	8	7
सम्मिलित परिवार-प्रथा का विकास एवं उसके लाभ	राजस्थानी	8	-
सप्त संधान	कादम्बिनी मार्च 72	12	5
सिद्धसेन दिवाकर कृत अष्टप्रकाशी आदि अज्ञात ग्रंथ	वीर वाणी	33	5
समस्त जैन श्रमण-श्रमणी की संख्या	कुशल निर्देश	10	3
सुपात्र दान का फल	कुशल निर्देश	10	6
संगीत सम्राट तानसेन के ध्रुपद	म.प्र. संदेश	1963	60
सिंहसुध निधि	म. प्र. संदेश	62	23
सिंह सिद्धान्त सिन्धु	म.प्र. संदेश	63	16
स्वाध्याय का महत्त्व	अहिंसा वाणी	26	6
समन्वय का अद्भुत मार्ग-अनेकान्त	अनेकान्त	14	6
सप्त क्षेत्र रास का वर्णन विषय	अनेकान्त	15	4

सूत्रधार मण्डल विरचित रूप मंडल में जैन मूर्ति-लक्षण	अनेकान्त	19	5
सन्त सुखसारण की भक्तमाल में भगवान ऋषभदेव का वर्णन	वीर वाणी	29	9
समयसार आत्म-ख्याति व्याख्या की प्राचीनता	वीर वाणी	34	19-20
सुकवि नरहरदास की प्रशंसा के चार दोहे	राज. भारती	7	4
सदयवत्स सावलिंगा की बात में कवि पृथ्वीराज राठौड़ का प्रसंग	राज. भारती	8	3-4
स्व. डॉ. वासुदेव शरणजी अग्रवाल के कुछ पत्र	वरदा 1967	10	3
सस्तु साहित्यवर्धक कार्यालय	राष्ट्र भारती	1	8
सबके कल्याण में अपना कल्याण	राष्ट्र भारती	1	1
सुख एवं शान्ति का प्रशस्त मार्ग-निस्पृहता	युग साधन	3	4
सद्ग्रंथों का स्वाध्याय सत्संग है	युग साधन	4	4
साम्प्रदायिकता के दो महान् दूषण-संकुचित दृष्टि और गुणीजन का अनादर	युग साधन	2	1
संपत में लिछमी रो वासो	मरु वाणी	1	5
सहिष्णुता	गीता संदेश	5	1-2
सुरति मिश्र की अमर चन्द्रिका के अमरेश एवं रचनाकाल पर प्रकाश	विश्वम्भरा	8	3
सौराष्ट्र के प्रभास तीर्थ में प्राप्त महाराजा रायसिंह का शिलालेख	वैचारिकी	2	1
रत्री शक्ति का विकास और सदुपयोग	युवा स्तम्भ	1	6
सर्वमान्य और सरल जैन-विवाह विधान की आवश्यकता है	युवा दृष्टि	8	8
स्वाभिमानी सुपियारदे का एक प्राचीन गीत	रंगयोग	3	4
सन्त साहित्य में जैन सन्तों का योगदान	श्री अमर भारती	18	9
संस्कृत साहित्य और मुस्लिम शासक	कुशल निर्देश	12	8
सोरठ-बीजा की लोकप्रियता	रंगायन	मई 1980	
संयमित बनिए	श्रमणोपासक	11	12
सांवत्सरिक एकता	श्रमणोपासक	12	2
सुख-दुःख में समभाव रखिए	बलदेव वन्दना	संवत् 2025	
संकीर्तन से परम तत्त्व की प्राप्ति	संकीर्तनांक	15	9
संत पीपाजी की वाणी	सुपथगा जून 68	1	4
संप्रति कालीन आहड़ के मन्दिर का जीर्णोद्धार स्तवन	श्रमण	29	4
समस्त जैन साधु-साधवियों की संख्या	जैन जगत	मई 1982	
स्वतंत्रता के संदेशवाहक युग पुरुष-महावीर	वीर उपासिका	10	21
सुख-शान्ति का महत्त्वपूर्ण साधन-संतोष	विजयानन्द	7	2
सुअी रो जलूस	ओलमो	2	10,11
स्वर्णाक्षरी उत्तराध्ययन सूत्र की प्रशस्ति	अहिंसा वाणी		

सुधार, हृदय परिवर्तन से या दण्ड से	जैन जगत	17	8
समी मृगावती	कुशल निर्देश	6	5
सन्त कबीर का एक अप्रसिद्ध पद	साहित्य	1	2
सम्प्रदायों का उद्भव और विकास	जैन जगत	26	3
स्थानकवासी समाज आचार्य श्री अमोलक ऋषिजी और दानवीर सुखदेव सहाय ज्वालाप्रसादजी का अनुकरण करें	सुधर्मा	16	3
समय मात्र भी प्रमाद मत करो	जिन वाणी	35	7
सत्साहित्य का प्रचार एवं प्रसार मानव के चरित्रोत्थान का एक सबल उपाय	अणु व्रत	विशेषांक	
सम्राट चन्द्रगुप्त के सोलह स्तवन	तित्थपर	3	10
संघपति सोमजी शिवा रूपजी का वंश परिचय	सेवा संघ स्मा.		
	जिनदत्त सूरि	8 फर. 73	
सुकवि जसराज	राज. क्षितिज	1945	
सामायिक नो अनुभव	जैन शिक्षण साहित्य		
	पत्रिका	15	8
सर्वोदय का सूत्रपात	सर्वोदय मित्र	2	3
सेवा	जैन जगत	12	6
सरलादेवी जो सचिदानन्द देव हो गई	कुशल निर्देश	2	8
सर्वदर्शन संग्रह के कतिपय प्राप्त जैन ग्रंथों के उद्धरणसिद्धान्त		27	1
सोरठ और बीजां की प्रेमकथा सम्बन्धी प्राचीन राजस्थानी लोकगीत	मधुमती	1	1
साध्वी समुदाय की ओर ध्यान देने की आवश्यकता	श्रमण भारती	4	6
साध्वी भावलक्ष्मी	सुधर्मा	11	12
समस्त प्राणियों के साथ हमारा व्यवहार कैसा हो?	शक्ति दल	18	217
सत्पुत्रीय महावीर उत्साह	वरदा	24	2-3
सबसे बड़ा धन	आनन्द मंगल	जनवरी 82	
सवा तीन सौ वर्ष का खरतरगच्छ का साध्वी समुदाय	कुशल निर्देश	7	3
सर्व जीवों से क्षमापना	कुशल निर्देश	7	11
सुख-दुःख कर्म प्रेरित है	कुशल निर्देश	10	4
संसार के विचित्र सम्बन्ध	कुशल निर्देश	7	12
साहू शान्तिप्रसाद : एक महान् व्यक्तित्व	वीर स्मृति विशेषांक	79	
सामायिक सूत्र पाठों का कविजी कृत हिन्दी पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	8	2
सार बात	कुशल निर्देश	3	10
स्वाध्याय का महत्त्व	कुशल निर्देश	5	3
संवेग रंगशाला नामक ग्रंथ दो नहीं, एक ही है	श्रमण	21	1
संत गोपालदास कृत सहस्रफल चिंतामणि	परिशोध		
स्थानकवासी साधु-साध्वियों की महत्त्वपूर्ण सूची	धर्म ज्योति	14	4
साधु रा रुपिया	मरु वाणी	2	11

सुकवि रुघपत अर वारी रचनावां	मरु वाणी	2	11
स्वाध्याय संघ का सराहनीय कार्य	श्रमण भारती	5	6
सिक्खों के दशम ग्रंथ में अर्हत् अवतार का वर्णन	सुधर्मा	13	1
साध्वियों के प्रकाशित चरित्र ग्रंथ	सुधर्मा	12	5
स्थानकवासी बोटाद सम्प्रदाय सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	सुधर्मा	15	10
सूरदास रचित ऋषभावतार वर्णन	सुधर्मा	15	12
समय की मांग	विजयानन्द	25	3-5
समयसार की एक और प्राचीन भाषा टीका	तीर्थकर	9	4
सारंग कवि विरचित सुभाषित बत्तीसी के सम्बन्ध में और नई जानकारी	तुलसी प्रज्ञा	6	7
सन्त कवि जीवणदास रचित भर्तृहरि	बलदेव वन्दना	-	-
सच्चे भाग्यशाली सेठ कस्तूर भाई	विजयानन्द	मई 1980	
सुकवि खेतसी और उनकी रचनाएँ	मधुमति	11	4-5
स्वतंत्र भारत का सबसे पहला कर्तव्य-व्यसन-मुक्ति	समाज विकास	34	2
सात लाख श्लोक परिमित संस्कृत साहित्य के निर्माता विजय लावण्य सूरि	सिद्धान्त	27	6-7
सहनशक्ति बढ़ाएँ	सिद्धान्त	27	1
साम्प्रदायिकता विष है	विजयानन्द	21	10
सबसे बड़ा ग्रंथ आचार दिनकर	विजयानन्द	21	7
सामग्री संकलन की आवश्यकता	विजयानन्द	जून 1975	
साधना-प्रशिक्षण और उपासक संघ की योजना	जैन भारती	23	6,7,8
संघ मुक्त साधना	जैन भारती	21	27
संत साहित्य के खोज की आवश्यकता	संत वाणी	2	11
संस्कार और संस्कृति	युग प्रभात	15	6
सन् 1891 की मर्दुमशुमारी की रिपोर्ट में पालीवाल जाति सम्बन्धी विवरण	ऐतिहासिक लेख		
संघपति खीमचन्द रास	संग्रह	1963 फरवरी	
सतसई संज्ञक हिन्दी रचनाएँ	संबोधि	6	3-4
सूरदास सम्बन्धी भ्रम का संशोधन	सप्त सिन्धु	दिस. 1963	
साधु सुन्दर रचित धातु रत्नाकर वृत्तिक प्रशस्ति	सप्त सिन्धु	8	11
सोहणी-महिवाल की प्रेमकथा का राजस्थानी रूपांतर	श्री जैन सिद्धान्त	24	2
समभाव साधना	सप्त सिन्धु	16	12
सुख का मूल समत्व : दुखों का बाप ममत्व	सेवा समाज	14	9-12
स्थानांग और सवायांग में भगवान महावीर सम्बन्धी सामग्री	आत्म संदेश	1	1
साधना और सहिष्णुता के बीच महावीर	आत्म रश्मि	7	2
सईद पहार कृत रस रत्नाकर	आत्म रश्मि	4	2
सहयोग भावना का विकास किया जाए	अवध भारती	1	5-6
साध्वियाँ और साहित्य	वसुमती	1	9
	सुधर्मा	12	3

समता	अणुव्रत		
सद्धर्म प्रचारक ब्रह्मचारी शीतलप्रसाद की जैन शासन सेवा	आगम पथ	3	10
साहित्य तपस्वी की अमर साधना	अनेकान्त	30	3-4
सुन्दर शृंगार की भाषा	भारती खंड 1	2	4
सीख बहोत्तरी	मरु भारती	2	2
सूडा सहेली की प्रेमकथा	मरु भारती	23	2
समाधि सार एवं योग दीपक : एक स्वतंत्र ग्रंथ	सन्मति वाणी	7	11
सच्चे स्वार्थी बनें	कल्याण	49	11
समलाम	दुर्लभ धर्म	1	3
साधकों की खोज	गीता संदेश	4	3
स्कूल व कॉलेजों में पढ़ने वाले करोड़ों विद्यार्थी			
राष्ट्रोपयोगी कार्यों में हिस्सा लें	ऊषा	मार्च 1971	
सूरि देव की साहित्य-सेवा	कल्याण	18	11
संवत्सरी के सम्बन्ध में	धर्म ज्योति	9	9
सहयोग की भावना का विकास किया जाए	ओसवाल	9	7
स्त्री-समाज और सेवा	नारी पत्रिका	1	8-9
सिंधी और कच्छी भाषा के विवाह गीत और सीढणै	लोक साहित्य	2	1
स्वाध्याय और ध्यान का पर्व	अमर भारती	26	7
सामजी चतुर्वेदी कृत मोतीशाह के टुक का रास सार	कुशल निर्देश	16	5-6
सौ सेना रो एक मत	नैणसी	5	3
सुविहिता गणी गणाधीश सुखसागरजी का जीवन परिचय	जैन श्वेताम्बर		
संगीत विषयक हिन्दी साहित्य	संघ सिवाना	स्मारिका	
सूर पदावली की सबसे प्राचीन प्रति	राज. साहित्य	1	2
संगीत वाङ्मय (भावभर) रचित मुरली प्रकाश	राज. भारती	3	3-4
सारंगा सारवृत्ति का विशेष परिचय	संगीत	28	7
सुख-दुख में समभाव की नई जानकारी	जैन सि. भास्कर	16	2
संगीतज्ञ नयनानन्द की गायकों को दस शिक्षा	जीवन साहित्य	11	3
संत चरणदास के प्रशिष्य नित्यानन्द के दो महत्त्वपूर्ण ग्रंथ	संगीत	सित. 1954	
स्वर विज्ञान सम्बन्धी हिन्दी-राजस्थानी साहित्य	साहित्य संदेश	18	5
साहित्य की मूलभूत एकता	विश्वम्भरा	1	1
सुकवि जिनराज सूरि के कतिपय प्रबोधक पद	राष्ट्र भारती	20	9
समय, शक्ति एवं साधन	जैन भारती	13	4
साधु समुदाय पट्टावली	लोक जीवन	2	2
स्वर्गीय पूर्णचन्दजी नाहर	जिन वाणी	13	3
सं. 1504 के विजय यंत्र पट्ट का लंदन प्रवास	विकास	3	1
स्वर्गीय पूर्णचन्द नाहर संग्रह नी स्वर्णाक्षरी प्रति	जैन सत्य प्रकाश	19	10
स्वर्णाक्षरी कल्पसूत्र की एक प्रशस्ति	जैन सत्य प्रकाश	20	12
	जैन सत्य प्रकाश	20	7

सब कार्य नियत समय पर करें	चरित्र निर्माण	11	7
सम्यक्त्वी और मिथ्यात्वी	जैन जगत	8	9
सबसे बड़ा सुख : मौन	कथा लोक	2	10-11
स्वामी स्वरूपानन्द की वाणी	कल्याण पत्रिका	30	8
समाज कल्याण का मूल मंत्र : सहयोग की भावना का विकास	कल्याण पत्रिका	32	6
सम्मान प्राप्त करने का महत्त्वपूर्ण उपाय	कल्याण	36	11
सत्य की साधना	कल्याण	27	4
स्वतंत्र भारत के दो कर्तव्य : शिक्षण क्रान्ति और अपराधी सुधार	कल्याण	31	5
साम्प्रदायिकता के दो महान दुर्गुण : संकुचित दृष्टि और गुणीजन का अनादर	कल्याण	42	12
सिद्धि का मूल-साधना	कल्याण पत्रिका	51	6
स्वतंत्र भारत के दो आवश्यक पर्व	कल्याण	31	5
सोमदेव सूरि के नीतिवाक्यामृत का अध्ययन	दिव्य ध्वनि	2	6
सफलता की कुंजी	गीता का संदेश	2	2
सारंग सार कृति का विशेष परिचय	जैन सि. भास्कर	16	2
समस्याएँ और अनेक समाधान	जीवन साहित्य	41	10
संस्कृत भाषा के विद्वान जैनाचार्य	जीवन साहित्य	25	11
सबकी कल्याण कामना	जीवन साहित्य	26	3
सती रति सुन्दरी	चरित्र निर्माण	7	6
सती कमला	चरित्र निर्माण	7	9
सती दमयन्ती	चरित्र निर्माण	8	7
सती धनश्री	चरित्र निर्माण	8	11
सुकवि जिनहर्ष और उनकी रचनाएँ	जैन भारती	14	1
सच्चा न्याय	कुशल संदेश	1	7
सिद्धचक्र आराधना तप	जिन वाणी	23	8,9,10
सामायिक समभाव साधना	जिन वाणी	22	4
संयमनिष्ठ श्री गणेशीलालजी महाराज	जिन वाणी	20	7
स्थानकवासी परम्परा के सुकवि श्री हरजसराय	जिन वाणी	21	9
स्थानकवासी श्री जयमलजी व उनके शिष्य			
श्री रामचन्द्रजी महाराज रचित ग्रंथ	जिन वाणी	8	9
स्थानकवासी ऋषि विजयचन्द्रजी और उनका साहित्य	जिन वाणी	6	1
साधु सम्प्रदाय पट्टावली-1	जिन वाणी	13	2
साधु सम्प्रदाय पट्टावली-2	जिन वाणी	13	3
सांस्कृतिक महाराष्ट्री लिपि का एक ग्रंथ	कल्पना	3	1
सत्संग योग्य सत्पुरुष	कल्पवृक्ष	6	4
सारंग कवि का गच्छ और अन्य रचनाएँ	वीर वाणी	7	17-18
सपूतां री मां आंधी ईं चोखी	ओ.स. नवयुवक	जून 1964	
सरस्वतीचन्द्र	आत्मानन्द	68	12
साधु चन्द्रराज कृत तीर्थराज चैत्य परिपाटी का समय	जैन सत्य प्रकाश	18	11

संघपति सोमजी संघ चैत्य परिपाटी का ऐतिहासिक समय	जैन सत्य प्रकाश	18	4-5
स्मरण स्तवन संख्या प्राचीनता आदि पर विशेष प्रकाश	जैन सत्य प्रकाश	17	8-9
सेठ हरिसिंह श्रीपाल चरित्र की सचित्र प्रति	जैन सत्य प्रकाश	20	8-9
सधार्मिक वात्सल्य कुलक के बारे में स्पष्टीकरण	जैन सत्य प्रकाश	13	9
समस्या स्तोत्रम्	जैन सत्य प्रकाश	5	12
सूर्य पहाड़ की प्राचीन जैन मूर्तियां	जैन सत्य प्रकाश	8	12
संघपति सोमजी निर्वाण वेलि	जैन सत्य प्रकाश	9	2
संखवाल गौत्र का संक्षिप्त इतिहास	जैन सत्य प्रकाश	7	4
साधु मर्यादा पट्टक	जैन सत्य प्रकाश	2	3
संदेश रास सटीक	जैन सत्य प्रकाश	3	2
समाणा मण्डल अनन्त जिन छन्द	विजयानन्द	2	7
सुकवि जसराज	जैन भारती	4	31
समयसार के टीकाकार विद्वद् रूपचन्दजी	अनेकान्त	12	7
स्व. मोहनलाल दलीचन्द देसाई	अनेकान्त	9	1
सूत्रधार मण्डन में जैन मूर्ति-लक्षण	अनेकान्त	19	5
सती परीक्षा	कुशल निर्देश	2	5
सम्यक्त्व कौमुदी की महत्त्वपूर्ण लेखक प्रशस्ति	अहिंसा वाणी	8	9
स्थानांग और समवायांग में भगवान महावीर सम्बन्धी सामग्री	कुशल निर्देश	3	6
साधकोपयोगी चार आवश्यक बातें	कुशल निर्देश	6	9
सांस्कृतिक प्रतिक्रमण और क्षमापना शुद्ध भाव से की जाए	कुशल निर्देश	11	6
संगीत का प्रभाव	कुशल निर्देश	11	7
संतोष और असंतोष	कुशल निर्देश	10	5
स्वार्थी संसार	कुशल निर्देश	10	5
सच्ची मित्रता	कुशल निर्देश	11	8
साहित्य समीक्षा	कुशल निर्देश	11	8
स्वोष्टियान धर्म में मानव उद्धार की बातें	अहिंसा वाणी	13	6
सेवावृत्ति बा. कामताप्रसादजी	अहिंसा वाणी	14	6-7
साधना का प्रथम सोपान-समय की नियमितता	अणुव्रत	16	5
साह वंशावली	अग्रगामी	9	1
स्वाधीनता	अमर विभूति	3	1
सुन्दर समाज के रचयिता सुन्दर कवि जैन थे	अहिंसा वाणी	20	11
समय का मोल	अहिंसा वाणी	21	11
सुरंगी-कुरंगी	कुशल निर्देश	12	2
सहजानन्दजी संकीर्तन	कुशल निर्देश	12	3
सुमतिश्री का न्याय	कुशल निर्देश	12	11
सिद्ध चक्रवर्ती	कुशल निर्देश	4	5

सामाजिक संस्थाएँ : स्वरूप एवं समस्याएँ	जिन वाणी	28	1,2,3
संतमत में गुरु की महिमा	शान्ति संदेश	15	8
सत्पुरुष के 28 लक्षण	शान्ति संदेश	3	3
संत-लक्षण एवं संतवाणी का महत्त्व	शान्ति संदेश	1	8
सहयोग भावना का विकास किया जाए	जीवन यज्ञ	1	11
सात लाख श्लोक विजयता वर्णन सूरि	श्रमण	23	8
संडेर गच्छीय ईश्वर सूरि	अखण्ड ज्योति	13	9
समय का दुरुपयोग	अखण्ड ज्योति	7	5
स्वाध्याय : आवश्यकता, उपयोगिता और महत्ता	जीवन साहित्य	34	2
संवेग रंगशाला देवभद्र सूरि गणि	श्रमण	20	11
साधु वंदना के रचयिता	श्रमण	22	2
सिद्धदेव रचित एक विलक्षण	श्रमण	14	6-7
संवेग शाला नाम के दो ग्रंथ नहीं, एक ही है	श्रमण	30	5
समीक्षायण पीरदान ग्रंथावली, समयसुन्दर सीताराम चौपाई, हमीरायण	मरु भारती	13	1
सती कुसुमजी वीरसेन कथा	मरु भारती	15	1
संस्कृत साहित्य के इतिहास में जैन सम्बन्धी संशोधन श्रमण		17	5
समता का पहला आयाम	रमणोपासक	13	24
संगीत वाङ्मय (गीत के दोष गुण)	संगीत	43,25	12,6
संगीत सार और संगीतमालिका	संगीत	31	7
संगीत ग्रंथों की खोज	संगीत	22	3
समता का पहला अध्याय-अहिंसा	संगीत	13	24
संगीत कल्पतरु की टीका	संगीत	30	9
स्थानकवासी समाज का एक आदर्श शिक्षण संस्थान	श्रमणी-सुधर्मा	14	10
साध्वी रत्न चूला की दो ऐतिहासिक रचनाएँ	सुधर्मा	14	11
साधु-असाधु के लक्षण	संत वाणी	4	7
सुकवि मालदेव रचित महावीर लोक	सुधर्मा	14	9
सम्यक् दर्शन की महत्ता	सन्मति संदेश	2	11
संत और उनकी वाणी का महत्त्व	सन्मति संदेश	4	6
समयसार की एक सचित्र प्रति	सन्मति संदेश	9	7
सम्प्रदाय का सम्बन्ध	सन्मति संदेश	16	10
साहित्य में बुंदेलखण्ड	सन्मति संदेश	17	7
सम्मेद शिखर महातीर्थ के खोज की आवश्यकता	शाश्वत धर्म	12	12
सुख-दुःख में समभाव रखने का चमत्कारी मंत्र	शाश्वत धर्म	2	5
सर्वश्रेष्ठ दान (अभयदान)	शाश्वत धर्म	3	10
स्वर्गवासी आचार्य विजयचन्द्रसूरि	शाश्वत धर्म	9	2
सांस्कृतिक प्रतिक्रमण और उपासना	श्रमणोपासक	17	4
स्वाभिमान की नारी सुवियार	त्रिपथगा	4	8
साधारण कवि रचित विलास की कथा	त्रिपथगा	10	3

सुजान रासो बरसलपुर विजय	वरदा पत्रिका	16	2
सिन्धु दोधकानि	वरदा पत्रिका	16	4
सोलहवीं शताब्दी में रचित राजस्थानी भाषा की एक महत्त्वपूर्ण गाथा	मरु भारती	23	3
संवत् 1792 महत्त्वपूर्ण व्यवस्था-पत्र	स्वाध्याय	9	4
सम्मति के प्रेरणादायक संदेश	सम्मति वाणी	1	7
संस्कृति का मूलाधार-त्याग	सम्मति वाणी	1	3
सर्राफ जाति के क्षेत्र में जैन मूर्तियाँ	सम्मति वाणी		
संगतसिंह रासो और सगत वंश री वंशावली	शोध पत्रिका	13	4
सहजराय चन्द्रिका सम्बन्धी विशेष ज्ञातव्य	शोध पत्रिका	25	1
सुदामा चरित्र का रचनाकाल	शोध पत्रिका	29	3-4
सुकवि खेतसी और उनकी रचनाएँ	मधुमती	11	4-5
साहित्य तपस्वी की अमर साधना	अनेकान्त	30	3-4
सन्तवाणी संग्रह की एक महत्त्वपूर्ण सूची	साहित्य संदेश	23	4
सुन्दर शृंगार के रचयिता सुन्दरलाल जैन नहीं	साहित्य संदेश	26	4
स्वाश्रयी तीर्थंकर भगवान महावीर	अहिंसा वाणी	30	10,11
सिद्ध चक्रवर्ती विरुद	कुशल निर्देश	4	5
सन्त कवि वासिद की एक अज्ञात रचना :			
गुण-अगुण नामो	साहित्य संदेश	28	12
सिरसा के मन्दिर व दादावाड़ी	कुशल निर्देश	4	12
सहजानन्द अमेनी रचित वैद्य विनोद	सप्त सिन्धु	6	1
संस्कृत का सप्त शती सप्तक	सप्त सिन्धु	13	2
संत कबीर के नाम से प्राप्त रचनाएँ	सम्मेलन पत्रिका	49	3-4
स्वामी स्वरूपदास की अज्ञात रचनाएँ	सम्मेलन पत्रिका	49	3-4
स्वामी स्वरूपदास और उनकी रचना पर खोज	सम्मेलन पत्रिका	50	2-3
शाश्वत नवकार मंत्र में परिवर्तन	कुशल निर्देश	5	7
सांचौर खरतरगच्छ और दादावाड़ी	कुशल निर्देश	5	9
सुखदेव का भाग्योदय	कुशल निर्देश	9	3
संगोष्ठी परिकल्पना और प्रतिक्रियाएँ	ज्ञानपीठ पत्रिका	7	3
स्थान उत्थापन	कुशल निर्देश	3	3
सांचौर महावीर तीर्थ कल्प	कुशल निर्देश	3	4
स्तुति रा स्तवन	कुशल निर्देश	3	4
स्वभाव नहीं छूटता	कुशल निर्देश	3	4
सत्य भाषण का सुपरिणाम	कुशल निर्देश	3	9
सब जग सूना	कुशल निर्देश	3	10
सूर्य पहाड़	कुशल निर्देश	3	11
सुमति प्रधान न्याय	कुशल निर्देश	3	12
साहित्य समीक्षा	कुशल निर्देश	10	2
संवत् 1941 में रचित पर्युषण चरित्र कृति	हिन्दी अनुशीलन	9	1-4
सतियों के दो प्राचीन रास	हिन्दी अनुशीलन	9	1-4
स्फुट प्रसंग	हिन्दुस्तानी	16	3

सुकवि चन्द्र रचित भास्कर महाभारत का हिन्दी अनुवाद	हिन्दुस्तानी	21	1-4
स्फुट प्रसंग मधुमालती नामक दो रचनाएँ	हिन्दुस्तानी	9	1
सुख-शान्ति का सरल एवं सर्वोत्तम मार्ग	कुशल निर्देश	10	12
स्व. पन्थास श्री भद्रकर विजयजी के पत्रों में प्रेरणा पीयूष	कुशल निर्देश	10	11
सुशीला री समझ	राजस्थानी	3	5
सम्राट अकबर का गौरक्षण और चार जैन मुनि	राजस्थानी	संवत् 2013	7
सत्पा सोलंकी विषयक एक प्राचीन लोकगीत	वरदा	10	1
स्व. डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल के कुछ पत्र	वरदा	10	3-4
सेवग प्रयागदास विरचित अभयगुण	वरदा	11	3
सत्तर कवियों के 500 पदों की एक विशिष्ट संग्रह प्रति	ब्रज भारती	15	4
सन्त आनन्दधन और उनकी रचनाओं पर विचार	राज. दीक्षित	1	6-7
सत्याशिया दुष्काल वर्णन बत्तीसी	युग साधना	1	2
संगीत दर्पण की दो प्रतियाँ	युग साधना	7	3-4
सुन्दर शृंगार की भाषा	भारती	1	2
समयसुन्दर का मृगावती रास	भारती	2	1
सुनारी की आरसी	राज. भारती	2	2
समालोचना	राज. भारती	8	1-2
समाना की स्वर्णाक्षरी कल्पसूत्र की प्रति	विजयानन्द	3	4
साधना को ही साध्य न मान बैठिए	विजयानन्द	7	7
सम्मिलित विवाह प्रथा का विकास एवं उसके लाभ	विश्व ज्योति	6	3
सोनगढ़ के संत कानजी स्वामी सम्बन्धी विचार	वीर वाणी	2	15
सुमति कवि के नौ पद	वीर वाणी	8	3
सामायिक पाठ की भावार्थ सूचनी टीका	वीर वाणी	8	7
सती शीलावती	मरु भारती	5	4
साधन और साध्य	जैन भारती	10	2
सच बोले तो मारयो जाय	जैन जगत	6	10
सराक जातियाँ उदार	जैन जगत	24	8
सर्वमान्य धार्मिक पाठ्यक्रम की आवश्यकता	जैन जगत	24	9
सम्यक्त्व कौमुदी और यशोधर चरित्र की प्रशस्ति	जैन संदेश	26	45
स्वर्गीय डॉ. बनारसीदासजी जैन	जैन जगत	8	8
साम्प्रदायिक एकता : आनन्द का अखण्ड स्रोत	जैन जगत	2	6
संस्कृत भाषा के महान् जैन विद्वान् आचार्य लावण्यसूरिजी	जैन जगत	18	8
साध्वी सम्मेलन की नितांत आवश्यकता	जैन जगत	20	11
समकित भावना	वीर वाणी	20	8
सुप्रसिद्ध आचार्य बाघ कट्टी सुरचित तारागल ग्रंथ की उपलब्धि	वीर वाणी	20	11

स्वदोष स्वीकृति और सुधार का प्रयत्न	जैन प्रकाश	47	37
स्व. मोहनलालजी बांठिया की साहित्य-सेवा	जैन भारती	25	4-5
सूर पूर्व हिन्दी जैन काव्यों के सम्बन्ध में			
डॉ. शिवप्रसादसिंह के विचार	जैन संदेश	23	6
सती बाप सम्बन्धी एक गंभीर भूल	जैन	18 जुलाई 37	
स्वर्गीय वर्णीजी के पत्रों का संग्रह अविलम्ब किया जाय	जैन गजट	67	38
स्व. छंगानीजी का आत्मपरिचायक पत्र	विशाल राज.	3	33
स्व. श्री पन्नालाल आर्चिटेक्ट की स्वलिखित जीवनी	जैन मित्र	80	20
संगठित होकर मातृभाषा को समुचित स्थान दिलाया जाय	प्रेरणा	4	13
सांधरा के जैन मन्दिर	जैन संदेश	21	28
सच्चे शक्ति उपासक बनिये	लोक वाणी	25 अक्टू. 53	
स्वतंत्रता और उसके बाद	न्याय	12 अग. 61	
स्थानकवासी जैन इतिहास का परिचय	जैन ध्वज	2	9,10
सिन्धु बिहार और खरतरगच्छ स्थानकवासियों की अनभिज्ञता	जैन ध्वज	2	20
स्थानकवासी सम्प्रदाय प्रकाशित सती चन्दनबाला	जैन ध्वज	2	14
साध्वी समाज के उत्थान का अनुकरणीय प्रयत्न	श्वेता. जैन	20	28
स्वर्गीय ओझाजी के संस्मरण	प्रजा मित्र	1	7-8
सेखैन भातो कहावत की कहानी	अमर ज्योति	10	3
सिन्धी भाषा में जैन साहित्य	श्वेता. जैन	6	21
साधु-साध्वी और रात्रि के समय का उपयोग	जैन		
सती ऋषि दत्ता	जैन भारती	9	9
सराकों में जैन-धर्म-प्रचार की आवश्यकता	जैन संदेश	32	13
संस्कृत जैन साहित्य के इतिहास प्रकाशन की परम आवश्यकता	जैन हितेच्छु	24	3
सामायिक नो अनुभव	जैन संदेश	1	3
स्थानकवासी समाज जी-तोड़ परिश्रम करें	जैन ध्वज	9	3
सावण शुक्ला अष्टमी आ रही है			
पार्श्वनाथ जयन्ती मनाइये	जैन संदेश	50	7
सागर की तीन विशिष्ट विभूतियाँ	जैन संदेश	46	42
साम्प्रदायिकता एक अग्र विष	जैन संदेश	11	40
स्व. जयनारायण व्यास और राजस्थानी भाषा	प्रेरणा पत्रिका		
सियाले का खिलवाड़	साप्ता. हिन्दु	4 फर. 54	
समाज का पहला कर्त्तव्य आगमानुवाद प्रकाशन	जैन प्रकाश	57	29
समलावशी मोक्ष भणशे	जिन संदेश	11	225
स्वधर्मीओनी सलांग सहीजै	जिन संदेश	11	229
सरलता की प्रतिमूर्ति दयामुनिजी और उनका आगम मंदिर	जैन शासन	3	17-18

ह

हिन्दी का प्रथम विश्व कोश	सरस्वती	69	1
हीरकलश रचित नागौर चैत्य परिपाटी	स्मारिका	10-2	1977
हिन्दू देश नाम की प्राचीनता	राज. भारती	1950	1
हमारी भक्ति निष्ठा कैसी हो?	भक्ति रसामृत	4	9
हमारी व्यवहार प्रणाली कैसी हो?	भक्ति रसामृत	4	3
हजारों लेख लिखे, क्यों-कैसे-कब?	तीर्थकर	10	45
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	तीर्थकर	10	6
समयसार की एक और प्राचीन भाषा टीका	तीर्थकर	9	4
हरियाणा प्रदेश के जैन कवि गुणाकार सूरि रचित भक्ति पर टीका	जर्नल ऑफ हरियाणा स्टेट	4	14
हरियाणा के वडगच्छीय श्री सीलदेव सूरि रचित अदूमता मुनि वेलि	जर्नल ऑफ हरियाणा स्टेट	7	1-2
हरियाणा मंडल के कवि दत्तलाल रचित बारहखड़ी	सप्त सिन्धु	1962	1967
हरियाणा के एक प्राचीन जैन संस्कृत टीकाकार और उनकी रचनाएँ	सप्त सिन्धु	8	24
हरिकलश रचित दिल्ली मेवात देश चैत्य परिपाटी	श्रमण	27	8
हस्तलिखित जैन ग्रंथ भण्डार	जिन वाणी	23	5-7
हुबड जैन जाति की उत्पत्ति एवं प्राचीन जनगणना	अनेकान्त	33	2
हिन्दी शतक साहित्य	सम्मेलन पत्रिका	53	34
हिन्दी ग्रंथों की सचित्र प्रतियाँ	विकास	3	1
हम बालकों की ओर अधिक ध्यान दें	हिन्दू विश्व	12	1
हम दूसरों का भी ध्यान रखें	हिन्दू विश्व	11	11
हमारी अठाइयाँ	जैन जगत	10	12
हाथ की रेखा	कथालोक	3	3
हिंसा-अहिंसा	क्षमा धर्म	9	8
हिन्दी का एक अज्ञात नल चरित्र-नल चन्द्रिका	ब्रज भारती	27	2
हिन्दी का अज्ञात ऐतिहासिक काव्य दलपति मिश्र का जसवंत उद्योत	हिन्दुस्तानी	16	3
हजारा संज्ञक हिन्दी रचनाएँ	कादम्बिनी	7	7
हरिवंश पुराण	मध्यप्रदेश संदेश	68	45
हमारी भक्ति-निष्ठा कैसी हो?	जैन जगत	2	3
हरिरस के अनुकरण में रचित दो जैन रचनाएँ			
ज्ञान रस, जिन रस	वरदा	6	3
हिन्दी ग्रंथों की सचित्र प्रतियाँ	विकास	3	1
हरियाणा नाम का प्राचीनतम उल्लेख	हरियाणा संवाद	10	2
हमारा महान शत्रु-आलस्य	स्वयं सिद्धा	3	5
हमारी दान प्रणाली के दोष	तरुण जैन	2	5
हमारी प्रभावना	तरुण	1	12

हीराचंद मुकीम जगतसेठ के वंशज नहीं थे	वीर वाणी	35	3-4
हरियाणा का जैन पुरातत्त्व	जैन साहित्य	4	17
हास्य एवं व्यंग्य के दो महत्त्वपूर्ण जैन कथा संग्रह	जैन जगत	33	12
हेमविजय रचित कथा रत्नाकर	जिन वाणी	36	2
हरजस राय और उनकी रचनाएँ	पंजाब सौरभ	नव. 1988	
हिन्दी काव्यों के बंगला अनुवाद	भाषा	11	2
हरियाणा के सुकविलासदेव की नवोपलब्ध रचनाएँ	श्रमण	28	3
हेम कवि विरचित सरस्वती छन्द	जसवंत चंद्रिका	13-14	13-14
हरियाणा में दो महान् जैन धर्म प्रचारक आचार्य	सप्त सिन्धु	16	6
हरियाणा का एक प्राचीन भाषा काव्य—कूकड़ माजरी	सप्त सिन्धु	7	6
हरियाणा में रचित एक महत्त्वपूर्ण वैद्यक काव्य	सप्त सिन्धु	15	4
हिन्दी के प्रकाशनों का मूल्य	प्रकाशन समाचार	1	10
हरिदास रचित भर्तृहरि संवाद	युग प्रभात	4	19
हिन्दी साहित्य का आदिकाल और राजस्थानी जैन साहित्य	ओसवाल समाचार		
हरियाणा का लोक महाकाव्य—निहालदे सुलतान	सप्त सिन्धु	21	8
हिन्दी में बावनी की परम्परा	नागरी प्रचारिणी	69	4
हमारी उन्नति में घोर बाधक—ईर्ष्या	अग्रह	3	4
हंस कवि रचित थळी वर्णन गीत	राजस्थानी वीर	27	11
हंसकवि दूत (हंसदूत)	श्रमण	12	5
हिंदू देश नाम की प्राचीनता	राजस्थान भारती	3	1
हिंसा का विरोध क्यों?	जीवन साहित्य	15	9
हमारे संग्रह कार्य के कतिपय संस्मरण	सरस्वती	64	1-4
हरदास रचित नल चंद्रिका	साहित्य संदेश	20	5
हमीरदे चउपई के रचयिता का वास्तविक नाम	साहित्य संदेश	22	12
हिन्दी भाषा का उत्पत्ति-स्थान व समय	ब्रज भारती	5	3
हिन्दी गद्य का विकास	हिन्दुस्तानी	20	4
हमारे हस्तलिखित ग्रंथ और भण्डारकर रिसर्च इंस्टीट्यूट	देशबंधु	1	2
हिन्दी में जैन साहित्य-योजना	जैन जगत	7	6
हर्षपुरीय गच्छ का उत्पत्ति स्थान	शाश्वत धर्म	8	6
हर्षसागर रचित राजसी रास का सार	जैन सत्य प्रकाश	19	1
हिन्दी साहित्य में छन्द ग्रंथ	सम्मेलन पत्रिका	34	4-6
हमारा नैतिक पतन	कल्याण	28	6
हिन्दी भाषा में शतक संज्ञक ग्रंथ	मधुकर	5	15-16
हमारा एक महान् दुर्गुण—अभिमान	कल्याण	37	7
हमारी कमियाँ और भूलें	दुनिया जीवन	1973 जनवरी	
हरियाणा के सुकवि मालदेव की रचनाएँ	श्रमण	28	3
हमारी उन्नति के रोड़े	चरित्र निर्माण	9	6-7

हम बालकों की ओर ध्यान दें	कुशल निर्देश	1	8
हिसार कोश में रचित एक महत्त्वपूर्ण प्राकृत ग्रंथ—उपदेश सप्ततिका	जिन वाणी	दिस. 197.	1-2
हरियाणा प्रदेश के जैन कवि गुणाकार सूरि रचित भक्तामर स्तोत्र टीका	जिन वाणी	1974	1-2
हरियाणा के वड़गच्छीय श्री शीलदेव सूरि रचित अदूमता	जिन वाणी	1975	1-2
हमारे संग्रहालय में दिगम्बर ग्रंथों की हस्तलिखित प्रतियाँ	वीर वाणी	5	2-3
हिन्दी साहित्य का एक प्राचीनतम जैन ग्रंथ	अहिंसा वाणी	10	3
हमारी सामाजिक व धार्मिक एकता का स्वरूप और उनके उपाय	कुशल निर्देश	11	6
हंसाउली	आजकल	12	11
हस्तिनापुर तीर्थ स्तवनम	कुशल संदेश	2	6
हस्तलिखित जैन ग्रंथ भण्डार	जिन वाणी	32	4-7
हाजिर जवाबी	जीवन साहित्य	19	9
हेम रत्न रचित गोरा-बादल	शोध पत्रिका	3	5
हर्ष कीर्ति रचित धर्म तरंगणी	श्रमण	30	12
हर्ष कुल रचित कमल पंच शलाका	श्रमण	20	5
हर्ष कुमार रचित कमल पंचशीलता	श्रमण	11	5
हंसदूत	श्रमण	12	5
हमीर देवकवि रचित शृंगार शतक	संगीत	30	4
हेम विजय रचित कथा रत्नाकर	सुधर्मा	23	8
हमारे त्यौहारों का सांस्कृतिक महत्त्व	समिति पत्रिका	9	8
हालार देश वर्णन प्रशस्ति	स्वाध्याय	13	3
हमीर महाकव्य प्रति का लेखन समय 1452 नहीं, 154 सही है	जैन संदेश	जुलाई 1975	46
हरियाणा का एक प्राचीन भाषा काव्य—सतसई मां	सप्त सिन्धु	7	6
हिन्दी के विविध विषयक जैन साहित्य	सम्मेलन पत्रिका	28	11-12
हमारे संग्रह के कतिपय अप्रसिद्ध हिन्दी ग्रंथ	सम्मेलन पत्रिका	29	6-7
हालु कवि रचित बेताल पच्चीसी	वरदा	9	3
हाथी तोल मुहता	मरु वाणी	1	3
हस्तलिखित ग्रंथों के प्रति हमारा कर्तव्य	विश्व भारती	2	3
हिन्दी के सुकवि स्नेहीजी रचित चौबीसी पद्य की महावीर स्तुति	वीर वाणी	25	2-3
हिन्दी जैन स्तुति : संक्षिप्त इतिहास की कतिपय भद्दी भूलें	वीर वाणी	1	13
हिन्दी जैन साहित्य के इतिहास-लेखन सम्बन्धी सुझाव	वीर वाणी	2	9-10

हिन्दी के अज्ञात साहित्य की खोज लेख सम्बन्धी कतिपय संशोधन	वीर वाणी	10	13
हमारी अठाइयाँ आदि तपस्याएँ	जैन जगत	9	11-12
हिन्दी में जैन साहित्य को सस्ते मूल्य पर प्रसारित करने की आवश्यकता	जैन जगत	7	6
हिन्दी जैन नीति काव्य	वीर वाणी	17	10
हर्षप्रभ रचित ललित कुमार कथा	जैन भारती	3	5
हमारे संग्रह के कुछ दिगम्बर प्रतिमा लेख	जैन सि. भास्कर	7	1
हस्तीमल के पूर्ववर्ती जैन संस्कृत नाटक	जैन सि. भास्कर	22	1
हमारी प्राचीन ज्ञान-सम्पत्ति और हमारा कर्तव्य	जैन संदेश	19	48
हमारा चूर्णी साहित्य	श्री जैन धर्म प्रकाश	63	8
हम कहाँ हैं?	जैन प्रकाश	44	19
हमारी जैसलमेर यात्रा	प्रजा सेवक	11	19
हाँ, पृथ्वीराज अकबर के दरबार में थे	साप्ताहिक सैनानी	27 जन. 59	
होली और हमारा समाज	ओसवाल	4	18
हिंसा निवारण का अमोघ उपाय—आत्मीयता का विस्तार कीजिए	हिंसा विरोध	3	12
हिन्दू ग्रंथ में जैन धर्म सम्बन्धी कुछ भ्रामक बातें	जैन संदेश	10	22
महाकवि मेघविजय और उनके ग्रंथ	जैन संदेश	15	34
हिन्दी के आधुनिक जैन महाकाव्यों सम्बन्धी ज्ञातव्य	जैन संदेश	49	31
हितोपदेश रूप शिक्षाप्रद रचना ज्ञान-गुटका	जैन भारती	20	4
हमारा एक आवश्यक कर्तव्य (महाकवि समय सुन्दरजी की त्रि शताब्दी स्वर्ण जयंती)	ध्वज	9	12
हस्तलिखित ज्ञान भण्डार और स्थानकवासी समाज का कर्तव्य	जैन प्रकाश	60	1
हमारी साध्वियाँ अच्छी लेखिका भी बनें	जैन प्रकाश	58	2
हिन्दी पद्य के जैन वैद्यक ग्रंथ पर विशेष प्रकाश	जैन मित्र		
हमारा आवश्यक कर्तव्य	जैन संदेश	11	37
हमारी शिक्षा पद्धति में एक महान कमी (औद्योगिक शिक्षण की परम आवश्यकता)	जैन संदेश	13	7
हिन्दी में उच्चतर साहित्य ग्रंथ में जैन साहित्य की सूची	जैन संदेश	24	25
हर्ष चरित्र में जैनों से सम्बन्धित कुछ ज्ञातव्य बातें	जैन संदेश	17	35
हरिरामदास निरंजनी के दो अज्ञात ग्रंथ	रश्मि	2	1-2
हरिभद्र सूरि रचित-सामाज्ये संग्रहणी	जैन	67	2

श्र

श्री पार्श्व जिन अष्टकम	रत्नत्रय	संवत् 2507	
श्री ज्ञानमेरु रचित भक्तामर (राजस्थानी पद्यानुवाद)	विश्वम्भरा	11	1

श्री कटारियाजी का गलत मतव्य	वीर वाणी	29	20
श्री किशोरी अलि कृत नाम विरदावली	सरस्वती	62	2
श्री अभय जैन ग्रंथालय का 25 वर्षीय विकास	सम्मेलन पत्रिका	58	2,3,4
श्री चिन्तामणिजी के मन्दिर की मूर्तियों के लेख	राजस्थानी	3	4
श्री जिनवल्लभ सूरि कृत लघु अजित शान्ति स्तोत्र पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	10	6
श्री सूर्याचार्य	कुशल निर्देश	9	12
श्रीपाल की रचनाएँ और वंशज	मध्य प्रदेश संदेश	68	21
श्री मोहनलालजी के लेख भण्डार, सूरत की ताड़पत्रीय प्रतियाँ	अनेकान्त	18	4
श्री मूलचन्दजी कापड़िया का एक अनुकरणीय प्रयत्न	वीर वाणी	33	13
श्री एलक पन्नालाल दिगम्बर जैन सरस्वती भवन की उज्जैन शाखा का शास्त्र संग्रह	वीर वाणी	33	19
श्री जिन वल्लभ रचित महावीर चरित्र व स्तोत्र	वर्जना		प्रवेशांक
श्री महालिछमी री कथा	मरु वाणी	1	5
श्री सूर्यनारायण का अनुपलब्ध कर्पूरचक्र	विश्वम्भरा	10	1
श्रीमद राजचन्द्र : भ्रमात्मक प्रचार का निराकरण	कुशल संदेश	12	8
श्रेष्ठ धर्म-क्षमा	वल्लभ संदेश	4	12
श्री अभय देव सूरिजी की अन्य रचनाएँ	जैन जगत	11	9
श्री जिनदत्त सूरिजी के चित्रमय प्राचीन काष्ठफलक	रिसंचर	1966-68	
श्रीमद देवचन्दजी के देशनासार में आत्मिक शक्तियों के नाम	वीर वाणी	26	10
श्री जवाहरलालजी नाहटा का स्वलिखित परिचय	विजयानन्द	6	10
श्री सहजकीर्ति के सिद्ध शब्दार्णव का अपूर्ण प्रकाशन	वीर वाणी	19	18
श्री जिनदत्तसूरिजी के अनुयायियों का पालीताना से घनिष्ठ सम्बन्ध	श्री जिनदत्त सूरि सेवा संघ अंक महावीर जयंती स्मारिका (1975)		
श्रमण भगवान महावीर	स्मारिका	1 अग. 65	
श्री जिनकुशल सूरि बहुतरी	तित्थपर	सित. 1987	
श्रीमद् राजचन्द्र और गाँधीजी	कुशल निर्देश	7	10
श्री हरिभद्र सूरि	कुशल निर्देश	7	10
श्री शत्रुंजय लघु कल्प	कुशल निर्देश	10	4
श्री दाढ़ी (शान्ति नगर) मंडन शान्तिनाथ स्तवन	कुशल निर्देश	8	2
श्री मानतुंग सूरि	कुशल निर्देश	8	11
श्री सिद्ध ऋषि	कुशल निर्देश	8	10
श्री अभयदेव सूरि	कुशल निर्देश	8	8
श्री सहजानन्दजी महाराज का प्रवचन	कुशल निर्देश	1	3
श्री बप्प भट्टि सूरि	कुशल निर्देश		

श्री वीर गणि गु. प. श्री कल्याण विजयजी गणी	कुशल निर्देश	8	12
श्रीमाल पुराण में भगवान महावीर और गौतम का परवर्ती विकृत वर्णन	कुशल निर्देश	3	10
श्री जिनप्रभसूरि कृत महावीर गणधर कल्प	कुशल निर्देश	2	दिवाली
श्री महालिच्छमीजी की कथा	मरु श्री	4	1
श्री कृष्ण लीला सम्बन्धी कतिपय चित्रावलियाँ	भारती	8	1
श्री पुण्य विजयजी महाराज	विजयानन्द	25	9
श्री रामजनजी	माहेश्वरी सेवक	13	9
श्री रांकाजी का एक विशिष्ट पत्र	जैन भारती	29	38
श्री मालनगर का ताम्र शासन	जर्नल ऑफ राजस्थान	6	4
श्री रामजनजी (माहेश्वरी जाति का संत)	माहेश्वरी सेवक	8	11
श्री रामनाथजी कविया रचित पाबूजी के सोरठे	चारण बन्धु	13	2-3
श्री ज्ञान मेरु रचित भक्तामर भाषा :			
राजस्थानी पद्यानुवाद	विश्वम्भरा	11	1
श्री क्षत्रिय कुण्ड महावीर जिन स्तवनम्	कुशल निर्देश	12	12
श्रीमद् देवचन्द्रजी के दो महत्वपूर्ण महावीर स्तवन	निर्मल ज्योति	1	1
श्री महावीरजी तीर्थ के संस्थापक दीवान जोधपुरजी श्वेताम्बर ही हैं	श्रमण भारती	6	12
श्री जिनदत्त सूरि के चित्रमय काष्ठफलक	सरस्वती	66	2-6
श्रीमद् देवचन्द्र रचित कर्म साहित्य	श्रमण	17	1-2
श्री जिनप्रभ सूरि रास	श्री सत्य प्रकाश	3	8
श्री जिनप्रभ प्रबंध	श्री सत्य प्रकाश	3	12
श्री कमल प्रभ सूरि का एक नूतन काव्य	जैन भारती	13	4
श्री गुणसमुद्र सूरि रचित शान्ति नाथ चरित्र लेखन प्रशस्ति	जैन सत्य प्रकाश	19	11
श्री नगरकोट तीर्थ विनति	आत्मानन्द	4	1
श्री समीर मुनिजी को सहयोग देना जरूरी	सेवा समाज	17	39-40
श्रीमद् देवचन्द्र कृत अप्रकट पद	कुशल संदेश	49	4
श्री महावीर स्तवन	जिन वाणी	11	5
श्री कृष्ण और महाभारत युद्ध की समय सम्बन्धी मान्यताएँ	जिन वाणी	25	6
श्रीमद् राजचन्द्र के दो अपूर्व उपदेश	जिन वाणी	3	6
श्री चौथमलजी सम्बन्धी विशेष ज्ञातव्य	जिन वाणी	12	10
श्री पूज्य कर्मसिंह सम्बन्धी रचना का सारांश	जिन वाणी	22	7
श्री नंदलालजी महाराज की छः रचनाएँ	जिन वाणी	15	1
ऋषि वरधानी भाषा	कल्पना	19	11
श्री कृष्ण चरित्र	कल्पना	5	1-2
श्री लक्ष्मी तिलको कोषाध्याय कृत श्रावक धर्म प्रकरण वृत्ति	जैन सत्य प्रकाश	23	6

श्री विनयप्रभ उपाध्याय रचित तीर्थ यात्रा स्तवन	जैन सत्य प्रकाश	17	1
श्री सीमन्धर शोभा तरंग के रचनाकाल आदि पर विशेष प्रकाश	जैन सत्य प्रकाश	17	7-8
श्री मेघ मुनि रचित साहराजसी रास का ऐतिहासिक सार	जैन सत्य प्रकाश	18	8
श्री मुनि प्रभसूरि कृत अष्टोत्तरी तीर्थ माला	जैन सत्य प्रकाश	19	4-5
श्री सुमति संभव नामक ऐतिहासिक काव्य उपलब्धि	जैन सत्य प्रकाश	20	2-3
श्री जिनपति सूरि बधामणा गीत	जैन सत्य प्रकाश	13	2
श्री महावीर जिन स्तोत्रम	जैन सत्य प्रकाश	9	1
श्री अर्बुदाचल प्रबंध	जैन सत्य प्रकाश	3	6
श्री जगन्चंद्र सूरिजी का सं. 1299 का एक प्राचीन व्यवस्था-पत्र	जैन सत्य प्रकाश	14	3-4
श्री पाल चरित्र साहित्य के सम्बन्ध में शेष ज्ञातव्य	अनेकान्त	3	7
श्री चिन्तामणिजी की मूर्तियों के लेख	राजस्थानी	3	4,3
श्रीपाल चरित्र साहित्य	अनेकान्त	2	2
श्रेष्ठ श्रेण और बल्कल चीरी की कथा की एकता	जैन भारती	4	17
श्रावक रत्न श्री ताजमलजी बोथरा	कुशल निर्देश	8	6
श्री वीरगणि प्रभावक चरित्र प्रभालोचन	कुशल निर्देश	8	12
श्री कल्याण मन्दिर स्तोत्र पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	10	5
श्री अभिनन्दननाथ व श्री सुमतिनाथ सम्बन्धी ज्ञातव्य बातें	अहिंसा वाणी	14	8-9
श्री माताजी की सुन्दर कहानियाँ पुस्तक में जैन कवि बनारसीदास	अहिंसा वाणी	20	10
श्री शान्तिकर (सम्य दृष्टि रक्षा स्तोत्र)	कुशल निर्देश	11	12
श्री विजय पहुँत स्मरण पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	12	8
श्री जिनप्रभ सूरि ज्ञान भण्डार	कुशल निर्देश	7	2
श्रावक धर्म सम्बन्धी कतिपय महत्वपूर्ण ग्रंथ	जिन वाणी	27	1,2,3
श्री बुद्धिसागर सूरिजी	सन्मति संदेश	4	1-2
श्री विनायकजी की उत्पत्ति	वरदा	18	1
श्री महादेव रो छंद	वरदा	18	1
श्री क्षेत्रपालजी रो छंद	वरदा	18	2
श्री वासु पूज्य	कुशल निर्देश	4	7
श्री वीराचार्य	कुशल निर्देश	9	4
श्री देवसूरि	कुशल निर्देश	9	5
श्री हेमचन्द्र सूरि	कुशल निर्देश	9	6
श्री सहजानन्दघनजी महाराज कृत राजपद विवेचन	कुशल निर्देश	9	12
श्री सुराचार्य	कुशल निर्देश	9	12
श्रीमती का बुद्धि कौशल	कुशल निर्देश	3	2
श्री आनन्दघन विजयजी को दिया पत्र	कुशल निर्देश	10	3

श्रीमद् ज्ञान सागरजी और उनका साहित्य	हिन्दुस्तानी	9	2
श्री कृष्ण भक्त गुलाम मोहम्मद	श्री सर्वेश्वर	10	4
श्री कल्याण मन्दिर स्तोत्र पद्यानुवाद	कुशल निर्देश	10	5
श्री मद् देवचन्द्रजी का महाविदेह में केवली के रूप में विचरण	कुशल निर्देश	10	9
श्री मुनि आनन्द विजयजी गणभवना भक्तासनी	कुशल निर्देश	10	9
श्री मानतुंगाचार्य कृत नेमि 307 (भयहर) स्तोत्र हिन्दी अनुवाद	कुशल निर्देश	10	9
श्री मल्लीनाथ	कुशल निर्देश	10	12
श्री बृजरतनजी कोठारी का अनुभव दिग्दर्शन	राजस्थानी वीर	22	7
श्रीमद् भागवत की प्राचीनता पर विशेष प्रकाश	वल्लभीय सुधार	6	10
श्री कृष्ण लीला सम्बन्धी कतिपय चित्रावली	भारती	81	66
श्री वीरचन्द्र राघवजी गाँधी और विदेशों में जैन धर्म प्रचार	मरु वाणी	1	5
श्री वीरचन्द्र गाँधी सम्बन्धी लेख	मरु वाणी	1	5
श्री अर्जुनलालजी सेठी के दो लेख	मरु वाणी	1	5
श्री श्रावक निर्मलदास कृत पंचाख्यान भाषा	वीर वाणी	21	18
श्री राजसा में रचित वैद्यक चन्द्रिका	मरु भारती	5	1
श्री शिवचन्द्र भरतीया का मातृभाषा प्रेम	विशाल राजस्थान	3	20
श्री गोपीकिशन कानोड़िया के संग्रह में गुप्तकालीन पार्श्व मूर्ति	मंगल ज्योति	2	22
श्री श्रुत पंचमी के दो परमावश्यक कर्तव्य	जैन गजट	59	30
श्री कालकाचार्य राजद्रोही के रूप में चित्रित	श्वेताम्बर जैन	11	12
श्री भाद्रपद शुक्ला अष्टमी	जैन मित्र	79	37
श्री जिन कुशल सूरि के स्तूपों के निर्माता के सम्बन्ध में कतिपय महत्त्वपूर्ण उल्लेख	श्वेताम्बर जैन	19	23
श्री जिन कुशल सूरि सम्बन्धी अज्ञात रचना स्वर्ग तिथि के लिए प्रमाण उपलब्ध	श्वेताम्बर जैन	18	35
श्री वसन्तलालजी जैन के लेख के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण	जैन ध्वज मंदसौर 1945		
श्री मणिधारी दादा से विनती	श्वेताम्बर जैन	24	37
श्री जिन कृपाचन्द्र सूरिजी	ओसवाल	4	23
श्री श्वेताम्बर कांफ्रेंस का एक आवश्यक कर्तव्य	जैन	44	40
श्रीमद् देवचन्द्र महाराज की द्वितीय शताब्दी	अमय संदेश पत्रिका		
श्री कालकाचार्य राजद्रोही के रूप में चित्रित	श्वेताम्बर जैन	11	12
श्री लक्ष्मण शास्त्री के जैन धर्म सम्बन्धी विचार	जैन भारती	5	44
श्री सिद्ध भगवान की मूर्ति	श्वेताम्बर जैन	24	4
श्री मणिधारी अष्टम शताब्दी और जैन समाज का कर्तव्य	श्वेताम्बर जैन	24	9

श्री महावीर प्रसाद द्विवेदी की दृष्टि में स्वर्गीय			
श्री विजयधर्म सूरिजी	श्वेताम्बर	21	16
श्री गिरनारजी तीर्थ में दादा स्तूप	श्वेताम्बर जैन	22	2
श्री चिदानन्दजी अनुभव वाणी	शान्ति ज्योति	2	24
श्री भगवत शरण उपाध्याय का जैन सम्बन्धी वक्तव्य	जैन संदेश	20	6
श्री नाथ चरित्र	जनगण	3	37
श्री कस्तूरचन्द्रजी शास्त्री उल्लिखित दो ग्रंथों के परिचय में संशोधन	जैन संदेश	12	37
श्री आनन्दजी कल्याण की पेढ़ी से अत्यावश्यक निवेदन	श्वेताम्बर जैन	25	38
श्री ज्ञान मेरु के दो आप्त ग्रंथ	जैन भारती	5	19
श्रीमाल जाति और उसके गोत्र	ओसवाल	11	23
श्री महावीर निर्वाण महोत्सव श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ से विनती	श्वेताम्बर जैन	25	44
श्री सुपार्श्वनाथ प्रतिमा के कर्णों सम्बन्धी ज्ञातव्य	जैन	66	19
श्रीमद् आनन्दघन रचित चौबीस तीर्थकर स्तवन	जैन धर्म प्रकाश पत्रिका	80	1
श्रीमद् देवचन्द्रजी का एक अप्रकाशित पद	श्री जैन धर्म प्रकाश	75	7
श्रीमद् देवचन्द्र कृत पांडव स्वाध्याय	श्री जैन धर्म प्रकाश	56	9
श्री कृष्ण चरित्र	जैन भारती	2	32
श्री जयाचार्यजी	जैन भारती	29	9

क्ष

क्षमामूर्ति राज सकुमाला	कुशल निर्देश	7	3
क्षुल्लक कुमार कथा	भक्ति रसामृत	4	2
क्षमापणा	श्रमण	13	11
क्षत्रिय कुण्ड एवं विचारणा	कुशल संदेश	2	9
क्षमपण्य	रमण	13	11
क्षेत्रपाल जी रो गीत	वरदा	20	1
क्षमा वीरो नो पत्र	जैन प्रकाश	23.8.79	

ज्ञ

ज्ञानार्णव में प्रतिपादित वीतराग और समता भाव	श्रमणोपासक विकास	17	2
ज्ञानविमल और गुण विजय द्वारा उल्लिखित राजसिंह			
ज्ञान योग का महत्त्व	गीता संदेश	4	1
ज्ञानार्णव का हिन्दी पद्यानुवाद	वीर वाणी	6	20-21
ज्ञान वर्णन ग्रंथ का परिचय	श्रमण	11	1
ज्ञानार्णव	सन्मति संदेश	5	8

ज्ञानार्णव प्रशस्ति टीका	सन्मति संदेश	8	2
ज्ञानार्णव में प्रति जाणिक नी फराग	श्रमणोपासक	17	2
ज्ञैयरि रचित एकार्थ नाममाला तथा दुर्लभ नाममाला	नागरी प्रचारिणी	59	2
ज्ञान पंचमी तप के माहात्म्य सम्बन्धी कथाएँ	जैन जगत	16	2-3
ज्ञानार्णव में अहिंसा माहात्म्य	हिंसा-विरोध	1	9
ज्ञान पंचमी का संदेश जैन भण्डारों का उपयोग और व्यवस्था	जैन	56	40-41
ज्ञान गोचरी	स्वयं सेवक	9	88
ज्ञान भण्डार, सांस्कृतिक जागरण के प्रतीक	शाश्वत धर्म	21	1